THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 52 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.8 2083 शनिवार, 23 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पुरी रथ यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ओडिशा पुलिस का प्लान तैयार, तैनात होंगे कमांडो

पुरी, 22 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर प्रशासन इस बार पहले से ज्यादा सतर्क नजर आ रहा है। पिछले वर्ष हुई भगदड़ की घटना से सबक लेते हुए ओडिशा पुलिस ने इस बार सुरक्षा, ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष तैयारी शुरू कर दी है। कटक में गुरुवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें 16 जुलाई से शुरू होने वाली नौ दिवसीय रथ यात्रा के लिए विशेष स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को अंतिम रूप दिया गया।

भारत-साइप्रस के बीच द्विपक्षीय वार्ता

'समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंध'

भारत और साइप्रस के बीच निवेश का लक्ष्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत और साइप्रस के संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की दोस्ती न केवल मजबूत है, बल्कि भविष्य की जरूरतों और संभावनाओं के अनुरूप भी है। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष साइप्रस यात्रा के दौरान उन्हें मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और सम्मान को भारत कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि साइप्रस द्वारा दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत के प्रति सम्मान और दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है।

भारत और साइप्रस की साझेदारी किस पर आधारित है

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस की साझेदारी लोकतंत्र, कानून के शासन और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान जैसे साझा मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत हमेशा इन सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के चलते कई नई आर्थिक संभावनाएं खुली हैं और भारत अगले पांच वर्षों में इस निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रखता है।

वैश्विक मुद्दों पर भी हुई चर्चा :

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चाहे यूक्रेन का मुद्दा हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, भारत शांति और संघर्षों के जल्द समाधान के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा।

साथ ही उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार को जरूरी बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-साइप्रस रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा, नई महत्वाकांक्षा और नई गति लेकर आएगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने कहा कि उनका मुख्य फोकस भारत और साइप्रस के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर है।

भारतीय चंद्रयान-3 को मिला अंतरिक्ष विज्ञान का सर्वोच्च पुरस्कार

दुनियाभर में ऐसी जमी धाक

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसरो के ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन को अमेरिका में प्रतिष्ठित गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अमेरिका के वैमानिकी और अंतरिक्षयानिकी संस्थान (एआईएए) ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने एआईएए सम्मेलन में यह पुरस्कार प्राप्त किया। इसरो को यह पुरस्कार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के निकट चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए दिया गया है, जिससे चंद्रमा की हमारी समझ बेहतर करने में मदद मिली है। राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पेस विजन 2047 का जिक्र करते हुए भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान, डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन और तेजी से बढ़ते कमर्शियल स्पेस सेक्टर की योजनाओं के बारे में बताया।

तीनों शिक्षाविदों को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

अपने पिछले आदेश में अदालत ने किया बदलाव

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने 11 मार्च के आदेश में बड़ा बदलाव किया है। यह मामला एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की किताब से जुड़ा है। इस किताब के एक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर कुछ आपत्तिजनक बातें लिखी गई थीं। इस विवाद के बाद कोर्ट ने तीन शिक्षाविदों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया था।

अदालत ने पहले क्या कहा था :

अदालत ने पहले केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया था कि वे तीन विशेषज्ञों- प्रोफेसर मिशेल डैनिनो, सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्ना कुमार से सभी संबंध तोड़ लें। अब कोर्ट ने इस आदेश को संशोधित कर दिया है। अब केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, केंद्र शासित प्रदेश और सरकारी फंड से चलने वाले विश्वविद्यालय इन विशेषज्ञों के साथ काम करने के लिए स्वतंत्र हैं। वे इस मामले में बिना किसी पुराने आदेश के प्रभाव के अपना स्वतंत्र फैसला ले सकते हैं।

क्या था आरोप :

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पांचोली की पीठ ने अपने पुराने आदेश का वह हिस्सा भी वापस ले लिया है, जिसमें इन तीनों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। पहले कोर्ट ने कहा था कि इन शिक्षाविदों ने जानबूझकर और सोच-समझकर तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया है ताकि कक्षा आठ के छात्रों के मन में भारतीय न्यायपालिका की नकारात्मक छवि बने।

शिक्षाविदों को अदालत से मिली राहत :

इन तीनों शिक्षाविदों ने अदालत में याचिका दायर कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने समझाया कि किताब का कंटेंट तैयार करने में किसी एक व्यक्ति की मर्जी नहीं चलती। यह एक सामूहिक प्रक्रिया थी जिसमें पूरी टीम शामिल थी। अदालत ने उनकी दलील को सुना और स्पष्ट किया कि उसकी पिछली टिप्पणियां किताब में लिखी बातों को लेकर थीं, न कि व्यक्तिगत रूप से इन लोगों के खिलाफ।

इससे पहले 26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस किताब के प्रकाशन, दोबारा छपाई और इंटरनेट पर इसके वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। कोर्ट ने तब कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि ऐसी बातों से न्यायपालिका को गहरा नुकसान पहुंचा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक हफ्ते के भीतर विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का निर्देश भी दिया था। यह कमेटी कक्षा आठ और उससे ऊपर की कक्षाओं के लिए कानूनी शिक्षा का नया पाठ्यक्रम तय करेगी।

ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई टली

सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त तय की अगली तारीख

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य राज्य अधिकारियों के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई फिलहाल टाल दी है। मामला आई-पीएसी कंपनी और उसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन के कोलकाता दफ्तरों में जांच और छापेमारी में कथित हस्तक्षेप से जुड़ा है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पी.के. मिश्रा ने वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी से वर्चुअल उपस्थिति को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त तय की। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस पीके मिश्रा ने वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी से पूछा, मिस्टर कल्याण बनर्जी कहां हैं? इस पर कल्याण बनर्जी ने कहा कि वह वर्चुअली मौजूद हैं क्योंकि चीफ जस्टिस के निर्देश के अनुसार सोमवार और शुक्रवार को वर्चुअल सुनवाई हो रही है।

जस्टिस मिश्रा ने कहा, अब फिजिकली पेश होने की भी अनुमति है। सिर्फ आपके लिए सर्कुलर बदला गया। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को तय की गई।

'कॉकरोच जनता पार्टी' पर बैन हटाओ, युवाओं की नाराजगी को समझो : थरूर

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने विवादास्पद 'कॉकरोच जनता पार्टी' अभियान पर अपनी राय रखी है। थरूर ने कहा कि इस अभियान और इससे संबंधित उनके इंटरव्यू पर मिली प्रतिक्रियाओं का वे स्वागत करते हैं।

थरूर ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, कई यूजर्स इसे पाकिस्तान की साजिश बताकर खारिज कर रहे हैं लेकिन यह बात बहुत सरल है। अभिजीत दिपके का दावा है कि उनके 94 प्रतिशत फॉलोअर्स भारत में हैं। सच चाहे जो भी हो लेकिन मेरा मानना है कि लोकतंत्र में ऐसी आवाजों को दबाना बेवकूफी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह लोगों की भावनाओं, निराशा और शिकायतों को जाहिर करने के लिए मंच देता है। इन बातों को किसी व्यंग्य वाली साइट पर जाहिर होने देना असल में देश के हित में ही है। थरूर के अनुसार, युवाओं के बीच मौजूद राष्ट्रीय भावनाओं के एक महत्वपूर्ण पहलू को इस अभियान ने छुआ है, भले ही इसके संस्थापकों की मंशा कुछ भी रही हो।

शशि थरूर ने इस तरह के आंदोलनों की तुलना प्रेशर कुकर के वॉल्व से की। उन्होंने कहा, ये वॉल्व अंदर की भाप को बाहर निकलने देते हैं। अगर इन्हें बंद कर दिया जाए तो दबाव इतना बढ़ जाएगा कि कुकर फट जाएगा। मैं अफरातफरी और अराजकता के बजाय व्यंग्य को बेहतर मानता हूं।

शुभेंदु बोले-अवैध बांग्लादेशियों को सीधे बीएसएफ को सौंपेंगे

कोर्ट में पेशी नहीं होगी, अवैध प्रवासियों को सीएए से नागरिकता का हक नहीं

कोलकाता, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम बंगाल सरकार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को कोर्ट की बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपेगी। यह जानकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को दी। नया नियम 20 मई से लागू हो गया है। शुभेंदु ने कहा कि इस बारे में पुलिस कमिश्नर और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। नए नियम के मुताबिक, जो लोग अवैध प्रवासी पाए जाएंगे और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत नागरिकता पाने के हकदार नहीं होंगे। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ होता है।

किसे मिलेगी नागरिकता: 31 दिसंबर 2024 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

भारतीय नागरिकों पर क्या असर: भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।

आवेदन कैसे कर सकेंगे: आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदक को बताना होगा कि वे भारत कब आए। पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज न होने पर भी आवेदन कर पाएंगे। इसके तहत भारत में रहने की अवधि 5 साल से अधिक रखी गई है। बाकी विदेशियों (मुस्लिम) के लिए यह अवधि 11 साल से अधिक है।

अमित शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

> घुसपैठियों को बाहर करने की शून्य-सहिष्णुता नीति

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव लाने की एक सोची-समझी साजिश है, और सरकार हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे निर्वासित करेगी।

विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। गृह मंत्री ने बीएसएफ से आग्रह किया कि वह घुसपैठ और पशु तस्करी के मार्गों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सरकारों के साथ नीतिगत तालमेल इस सुरक्षा ग्रिड को सुविधाजनक बनाएगा। गृह मंत्रालय जल्द ही इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाएगा। वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन का उदाहरण देते हुए शाह ने कहा, किसी समस्या को नियंत्रित करना सुरक्षा नहीं है, उसे जड़ से खत्म करना ही सही तरीका है।

2,70,000 कर्मियों के साथ बीएसएफ दुनिया में सबसे बड़ा बला :

उन्होंने यह भी घोषणा की कि सीमा पर तैनात जवानों की सहायता के लिए जल्द ही एक उच्च-शक्ति जनसांख्यिकी मिशन शुरू किया जाएगा।

शाह ने बीएसएफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 1965 में 25 बटालियनों के साथ शुरू हुआ यह बल अब 2,70,000 कर्मियों वाला दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल बन गया है। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री ने कर्तव्य के दौरान उत्कृष्ट योगदान और सर्वोच्च बलिदान के लिए बीएसएफ कर्मियों को सम्मानित भी किया।

'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना का लक्ष्य :

इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को पूरी तरह से सील करना है। इसके तहत सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों से लैस किया जाएगा। यह पहल अगले एक वर्ष के भीतर पूरी की जाएगी। इसका उद्देश्य अवैध घुसपैठ को प्रभावी ढंग से रोकना और देश की जनसांख्यिकी को सुरक्षित रखना है।

डीआरडीओ चेयरमैन से मिला फ्रांस का डेलिगेशन

एडवांस डिफेंस टेक्नोलॉजी पर दोनों देशों के बीच हुई गंभीर चर्चा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सशस्त्र बल मंत्रालय के अधीन फ्रांसीसी सरकार की रक्षा खरीद और प्रौद्योगिकी एजेंसी डीजीए के आर्मामेंट्स के डेलिगेट जनरल पैट्रिक पैलू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 20 मई को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत के साथ चर्चा की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत और फ्रांस के बीच सहयोग को और अधिक मजबूत बनाना है। इससे पहले भारत और फ्रांस ने 17 फरवरी, 2026 को बेंगलुरू में आयोजित 6वीं भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता के दौरान अपने रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 वर्षों के लिए रिन्यू किया।

इस बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की सशस्त्र बल एवं पूर्व सैनिक मामलों की मंत्री कैथरीन वॉट्रिन ने की थी। इस दौरान नवीनीकृत समझौते पर भारत के रक्षा सचिव और फ्रांस के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं रणनीति उप महानिदेशक ने हस्ताक्षर किए। भारत ने फ्रांस से राफेल विमानों में स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने और भारत में इन विमानों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधाओं का विस्तार करने का अनुरोध किया। भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना के प्रतिष्ठानों में अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती की घोषणा की गई थी।

दिल्ली दंगा केस में उमर खालिद-शरजील इमाम को राहत नहीं, यूएपीए में जमानत पर बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने संकेत दिया कि आदेश शुक्रवार के दौरान या फिर 25 मई को सुनाया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने साफ कहा कि दोनों आरोपियों को जमानत से इनकार इसलिए नहीं किया गया क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 21 को कम महत्व दिया गया, बल्कि उनके कथित रोल और मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया था। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि वह हालिया फैसलों में की गई टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले में कानूनी पहलुओं को व्यापक स्तर पर देखने की जरूरत है।

कोर्ट की इस टिप्पणी को यूएपीए मामलों में बेल को लेकर भविष्य की सुनवाई के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

यूएपीए मामलों में लंबी देरी पर बड़ी बेंच करेगी सुनवाई :

अदालत ने एक अहम कानूनी सवाल को बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। यह सवाल इस बात से जुड़ा है कि क्या लंबे समय तक जेल में रहना और ट्रायल में देरी, यूएपीए जैसे सख्त कानूनों के तहत जमानत पर लगी कानूनी पाबंदियों को पीछे छोड़ सकती है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी बी वराले की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत और अधिकारिक फैसला जरूरी है। अदालत ने मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के पास भेजते हुए उचित बड़ी बेंच गठित करने का निर्देश दिया। दिल्ली दंगा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तस्लीम अहमद और खालिद सैफी को छह महीने की अंतरिम जमानत भी दी है। हालांकि अदालत ने इसके साथ सख्त शर्तें भी लगाई हैं।

सीबीएसई की नई भाषा नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका अगले हफ्ते होगी अहम सुनवाई

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है, जिसमें सीबीएसई की नई नीति को चुनौती दी गई है। सीबीएसई ने कक्षा 9 के छात्रों के लिए तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य कर दी है। इस नियम के अनुसार, छात्रों को कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। यह नई व्यवस्था एक जुलाई से लागू होने वाली है।

वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पांचोली की पीठ के सामने यह मामला रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि यह एक जरूरी जनहित याचिका है। यह याचिका छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर दायर की है। वकील रोहतगी ने दलील दी कि कक्षा 9 में दो और भाषाएं अनिवार्य करने से छात्रों के बीच अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो जाएगा।

निर्वासितों को बांग्लादेश से लाएगी सरकार?

भारतीय होने के दावों की होगी जांच, केंद्र ने कोर्ट में कहा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने कुछ लोगों को वापस भारत लाने का फैसला किया है, जिन्हें पहले बांग्लादेश भेज दिया गया था। इसके बाद उनके भारतीय नागरिक होने के दावे की जांच की जाएगी।

केंद्र सरकार ने कोर्ट में क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामले की खास परिस्थितियों को देखते हुए और इसे दूसरे मामलों के लिए उदाहरण न मानते हुए सरकार ने उन्हें वापस लाने का निर्णय लिया है।

मेहता ने कहा, सरकार उन्हें वापस लाएगी। फिर उनकी स्थिति की जांच करेगी। जांच के नतीजों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। केंद्र सरकार के शीर्ष कानून अधिकारी ने कहा कि इन लोगों को भारत वापस लाने में 8 से 10 दिन लग सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है। शीर्ष कोर्ट केंद्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट के 26 सितंबर 2025 के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से सुनाली खातून और अन्य लोगों को बांग्लादेश भेजने के फैसले को रद्द करते हुए इसे 'गैरकानूनी' बताया था।

कोर्ट ने क्या निर्देश दिए थे :

> पिछले साल तीन दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 'मानवीय आधार' पर सुनाली खातून और उनके बच्चे को भारत आने की अनुमति दी थी। उन्हें कुछ महीने पहले बांग्लादेश भेज दिया गया था। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को आठ साल के बच्चे की देखभाल करने को कहा था। इसके अलावा, बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती खातून को मुफ्त इलाज और प्रसव की सुविधा देने का निर्देश दिया गया था। 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आखिरी मौका देते हुए उसके वकील से इस मामले में निर्देश लेकर कोर्ट को जानकारी देने को कहा था।

डिफेंस डिप्लोमेसी सेना प्रमुख और उच्चायुक्त की मुलाकात

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग को नई मजबूती देने की दिशा में हाल के दिनों में कई महत्वपूर्ण सैन्य एवं सामरिक पहलें देखने को मिली हैं। दोनों देशों की सेनाएं केवल सीमा सुरक्षा और सामरिक समन्वय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे व्यापक मुद्दों पर भी साथ मिलकर काम कर रही हैं। इसी क्रम में भारत के बांग्लादेश के लिए नामित उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। इस दौरान भारत-बांग्लादेश रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने, सीमा सुरक्षा सहयोग बढ़ाने तथा आर्मी-टू-आर्मी संपर्कों को नई गति देने पर विस्तार से चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक और समुद्री भूमिका लगातार मजबूत हो रही है।

आज से 20 जून तक 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप'

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। सरकार ने पूरे राज्य में एक ज़ोरदार सफ़ाई अभियान शुरू करने की घोषणा की है, जिसका नाम "ऑपरेशन क्लीन स्वीप" है। इसे 23 मई से 20 जून तक सभी 123 शहरी स्थानीय निकायों में लागू किया जाएगा। इस चार हफ़्ते के अभियान का मकसद 'स्वर्ण आंध्र–स्वच्छ आंध्र' कार्यक्रम के तहत बढ़ रही लोगों की भागीदारी को शहरी सफ़ाई में सुधार के रूप में बदलना है।

अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मकसद सफ़ाई को रोज़मर्रा की नागरिक आदत बनाना और साथ ही वैज्ञानिक तरीके से ठोस कचरा प्रबंधन के तरीकों को मज़बूत करना है। पहले हफ़्ते में कचरे के जमाव वाले 'ब्लैक स्पॉट' को खत्म करने और सड़कों व सार्वजनिक जगहों की सफ़ाई पर ध्यान दिया जाएगा। दूसरे हफ़्ते में बारिश के पानी की नालियों, नालों और पीछे की गलियों की सफ़ाई पर ज़ोर दिया जाएगा, ताकि पानी जमा न हो और मॉनसून से पहले की तैयारियाँ पूरी हो सकें।

नारा लोकेश और चिदंबरम के बीच ट्वीट वार

दोनों के बहस से एक नया मंच तैयार हुआ

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। पूरे देश में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। अगर केंद्र सरकार जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण करती है, तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा। कुछ लोग ऐसी दलील दे रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी . चिदंबरम और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने हाल ही में परिसीमन पर बयान दिया था। चिदंबरम ने इंटरव्यू के जवाब में ट्वीट किया। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्वितरण के संबंध में कुछ गणनाएं प्रस्तुत कीं। मंत्री लोकेश ने भी चिदंबरम के ट्वीट का पलटवार किया। इन दोनों के बीच शुरू हुई 'ट्वीट वॉर' सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई।'मेरे युवा मित्र, आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश, परिसीमन के बारे में बोलने से पहले कृपया गणनाओं की जांच कर लें। विपक्षी दलों ने अनुच्छेद 81 का हवाला देते हुए संवैधानिक संशोधन विधेयक का विरोध किया था और उसे पारित होने से रोक दिया था। यदि इस विधेयक को बिना किसी बदलाव के लागू

किया जाता है, तो गणनाओं के अनुसार, पांच दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। वहीं, उत्तर भारत के कुछ राज्यों को इससे लाभ होगा। केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रत्येक राज्य के लिए लोकसभा सीटों में 50% की वृद्धि करके इन मामलों को

छिपाने की कोशिश की थी। लेकिन केंद्र सरकार का यह प्रयास एक भ्रम साबित हुआ। आंध्र प्रदेश का लोकसभा में प्रतिनिधित्व मौजूदा 25 सीटों से बढ़ाकर 38 किया जाना चाहिए। यदि सीटों में वृद्धि की जाती है और अनुच्छेद 81 को बिना किसी बदलाव के लागू किया जाता है, तो आंध्र प्रदेश का लोकसभा में प्रतिनिधित्व वास्तव में कम हो जाएगा। इसलिए, मंत्री नारा लोकेश जी, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप एक बार फिर इन गणनाओं की जांच कर लें,' - चिदंबरम ने अपने ट्वीट में यह बात कही।

'आदरणीय चिदंबरम जी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 81 के अनुसार, लोकसभा में सीटों का आवंटन 1971 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था अभी भी लागू है। यह संवैधानिक प्रावधान 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के साथ समाप्त हो जाएगा। जब यह रोक हट जाएगी, तो निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्वितरण अनिवार्य हो जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, उत्तरी राज्यों की तुलना में, दक्षिणी भारत के प्रत्येक राज्य (बिना किसी अपवाद के) का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम होने का खतरा है। हमें इन तथ्यों को स्वीकार करना होगा। परिसीमन विधेयक के माध्यम से, एनडीए सरकार ने सभी राज्यों के लिए संसदीय सीटों की संख्या में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि करके इस समस्या का समाधान करने का प्रयास किया था,' - उन्होंने कहा।'निस्संदेह, आप जैसे प्रख्यात कानूनी विशेषज्ञ को इस संवैधानिक स्थिति के बारे में अवश्य जानकारी होगी।'

पूरी तरह से अवगत होंगे। इससे एक अहम सवाल उठता है: कांग्रेस पार्टी ने संसद में परिसीमन बिल का विरोध क्यों किया? क्या ये ऐसे राजनीतिक फ़ैसले हैं जो दक्षिण भारत के लंबे समय के हितों को दांव पर लगाते हैं? कांग्रेस पार्टी को इन सवालों के जवाब देने चाहिए। मौजूदा अनुच्छेद 81 के अनुसार, 2026 की जनगणना के बाद क्या होगा? क्या दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व उत्तर भारत की तुलना में कम हो जाएगा? अगर सचमुच ऐसा होता है। तो संविधान का मकसद ठीक ऐसे ही नतीजों को रोकना है।

भीषण लू का प्रकोप, पारा 48.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने एक नई एडवाइज़री जारी की है, जिसमें पूरे राज्य में रिकॉर्ड तोड़ने वाली लू की स्थिति की चेतावनी दी गई है और नागरिकों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। एपीएसडीएमए के एमडी प्रखर जैन ने कहा कि लू का प्रकोप सोमवार तक जारी रहने की उम्मीद है, और सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच सबसे ज़्यादा सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

गुरुवार को, पालनाडु ज़िले के पिडुगुराल्ला में 48.1 सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे ज़्यादा तापमान है। अधिकारियों ने बताया कि 18 ज़िलों में तापमान 45 सेल्सियस से ज़्यादा रहा, जबकि 20 ज़िलों के 200 मंडलों में तापमान 44 सेल्सियस से ज़्यादा दर्ज किया गया। इसका असर पालनाडु (26 मंडल), प्रकाशम (23), कृष्णा (22), एलुरु (21), बापटला (20), एनटीआर (15), गुंटूर (14), और मार्कापुरम (11) में देखा गया। पूर्वानुमानों के अनुसार, जबकि 219 मंडलों में गर्म हवाएं चलने की संभावना है। शनिवार (23 मई) को भी ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है, जिसमें तटीय और मध्य ज़िलों में तापमान 45–47 सेल्सियस, काकीनाडा और नेल्लोर के कुछ हिस्सों में 43,45 सेल्सियस, और उत्तरी तथा रायलसीमा ज़िलों में 40–43 सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

एपीएसडीएमए ने बुज़ुर्गों, गर्भवती महिलाओं और हृदय रोग, मधुमेह या उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) से पीड़ित मरीज़ों को बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। बाहर निकलते समय टोपी और धूप के चश्मे जैसे सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

कंस्ट्रक्शन स्किलिंग मीट में 47 एमओयू पर हस्ताक्षर

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी में स्किलिंग पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के नेता, ट्रेनिंग पार्टनर, शिक्षाविद और सेक्टर के विशेषज्ञ एक साथ आए और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में वर्कफोर्स की तैयारी और एडवांस स्किलिंग की ज़रूरतों पर चर्चा की। इस कार्यशाला में कुल 213 प्रतिनिधियों और 92 उद्योगों ने हिस्सा लिया। स्किल डेवलपमेंट में सहयोग को मज़बूत करने के लिए उद्योग और ट्रेनिंग पार्टनर के साथ लगभग 47 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें आंध्र प्रदेश भर में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना, ट्रेनर्स की ट्रेनिंग प्लेसमेंट सहायता, वर्कफोर्स ट्रेनिंग और उद्योग के नेतृत्व वाली अन्य पहलें शामिल हैं।

श्रम मंत्री, वासमसेट्टी सुभाष, ने आंध्र प्रदेश बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) के चेयरमैन, वी। मल्लिकार्जुन राव (बाबजी) के साथ इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। मंत्री ने कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए भविष्य के लिए तैयार कुशल वर्कफोर्स बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

गर्मी से दो दिनों में दस लाख मुर्गियों की मौत

गोदावरी, 22 मई (एजेंसियां)। पोल्ट्री उद्योग पर गर्मी की मार पड़ी है। सूरज की तेज़ गर्मी के कारण हर दिन लाखों मुर्गियां मर रही हैं। अकेले पश्चिम गोदावरी ज़िले में ही दो दिनों में लगभग दस लाख मुर्गियों की मौत हो गई। किसान इसके लिए प्रदूषण को भी एक कारण बता रहे हैं। ज़्यादा तापमान और लू (हीटस्ट्रोक) के कारण इतनी बड़ी संख्या में मुर्गियों के मरने पर चिंता जताई जा रही है। गर्मी का असर मुख्य रूप से मुर्गियों के शरीर के बाहरी हिस्से पर ज़्यादा दिखाई दे रहा है।

हवा के आने-जाने की सही व्यवस्था न होना, पानी की कमी और बिजली की कटौती भी मुर्गियों की मौत के कुछ अन्य कारण हैं। गर्मी के मौसम में वज़न कम होने, खाने की कमी और अंडों के उत्पादन में गिरावट जैसी समस्याओं के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे वे काफी चिंतित हैं। पश्चिम गोदावरी ज़िले में लगभग 20 लाख मुर्गियां हैं। इनसे हर दिन लगभग 90 लाख अंडों का उत्पादन होता है। किसानों का कहना है कि जो मुर्गियां सबसे ज़्यादा अंडे देती हैं, उन्हीं की सबसे ज़्यादा मौतें हो रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि ज़्यादा तापमान के कारण बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ जाता है, जिससे और भी ज़्यादा नुकसान होने की आशंका है। मरी हुई मुर्गियों को ज़मीन में दफनाया जा रहा है। मुर्गियों का बीमा करवाने को लेकर भी एक अजीब स्थिति बनी हुई है।

बीमा कंपनियाँ चिंतित हैं, क्योंकि किसान भारी-भरकम प्रीमियम चुकाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। ज़रूरत पड़ने पर, करोड़ों रुपये का निवेश करने के बाद, किसान बीमा कंपनियों से करोड़ों रुपये के मुआवज़े का दावा करते हैं। बीमा कंपनियों द्वारा समय पर भुगतान न किए जाने से किसान भी काफी परेशान हैं।

जेल के कैदियों के लिए आईटी स्किल ट्रेनिंग 'ऑफिस असिस्टेंट' शुरू

विशाखापत्तनम, 22 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश जेल विभाग की एक अनोखी पहल के तहत, विशाखापत्तनम सेंट्रल जेल के कैदियों के लिए "ऑफिस असिस्टेंट" नाम का एक आईटी -आधारित स्किल ट्रेनिंग कोर्स शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विजाग के कलेक्टर और मजिस्ट्रेट एम। अभिषिक्त किशोर ने किया। यह कार्यक्रम स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एसडीआई) विजाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, ताकि जेल के कैदियों को उनके पुनर्वास और समाज में फिर से शामिल होने की प्रक्रिया के तहत, इंडस्ट्री-ओरिएंटेड आईटी और ऑफिस मैनेजमेंट स्किल्स सिखाई जा सकें।

पहले बैच में 30 कैदी शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से रिमांड कैदी हैं, खासकर एनडीपीएस मामलों में शामिल युवा कैदी। यह दो महीने का कोर्स उन्हें एप्लीकेशन्स, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन, डिजिटल कम्युनिकेशन, ऑफिस के उपकरणों को संभालने और रोज़गार से जुड़ी स्किल्स में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देगा। कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रतिभागियों को एसडीआई विजाग से सर्टिफिकेट मिलेगा।

हांगकांग के लोगों के लिए पूरी तरह से मुफ्त स्वास्थ्य बीमा: गृह मंत्री अनीता

विशाखापत्तनम, 22 मई (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम में आज (शुक्रवार) 'हांगकांग स्वास्थ्य बीमा सहायता केंद्र' शुरू किया गया। गृह मंत्री वंगलपुड़ी अनीता ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और केंद्र का उद्घाटन किया। सरकार देश में पहली बार हांगकांग के लोगों को विशेष स्वास्थ्य बीमा सेवाएं प्रदान कर रही है। इसके तहत लगभग 33 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज प्राप्त किया जा सकता है। गृह मंत्री अनीता की पहल पर, पहली बार 975 हांगकांग वासियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। इस बीमा योजना के तहत पति, पत्नी और दो बच्चों को कवरेज मिलेगा। इस अवसर पर, गृह मंत्री अनीता ने कहा कि पुलिस कर्मियों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

गार्डों पर नियमों की गैर-लागूता और उनके कम वेतन जैसी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि प्रति वर्ष 3 लाख रुपये से लेकर 33 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा उपलब्ध होगी। बताया गया है कि इसके माध्यम से लगभग 3,140 लोगों को लाभ मिलेगा। यह बीमा सेवा पूरी तरह से मुफ्त है और हांगकांग के लोगों से एक भी रुपया नहीं लिया जाएगा।

पिछले दो साल की गठबंधन सरकार टूटे वादों की निशानी है: वाईएसआर. प्रमुख जगन मोहन रेड्डी

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर. कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष एसआर. जगन मोहन रेड्डी ने चंद्रबाबू नायडू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पिछले दो साल टूटे वादों, बढ़ते भ्रष्टाचार, विरोध की आवाज़ दबाने और जन कल्याण के बजाय प्रोपेगैंडा से चलने वाले शासन की निशानी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि लोग अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी चलाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं, जबकि सरकार ने अपनी ज़िम्मेदारियाँ छोड़ दी हैं और चुनावों से पहले किए गए हर बड़े वादे को तोड़ दिया है। जगन ने टिप्पणी करते हुए कहा, बाबू की गारंटी धोखा देने की गारंटी हर दिन सच साबित हो रही है, और साथ ही कहा कि आंध्र प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह से ढहकर जंगल राज में बदल गई है।

जगन ने सत्ताधारी दल पर आरोप लगाया कि वह नतीजे देने के बजाय मीडिया मैनेजमेंट और मनगढ़ंत कहानियों पर निर्भर है। उन्होंने अमरावती की तुलना माविगुन कैपिटल कॉरिडोर से की, जिसे उन्होंने एक व्यावहारिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ विकल्प बताया, जहाँ पहले से ही मछलीपट्टनम बंदरगाह,

विजयवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रेलवे, राजमार्ग, विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज जैसे बुनियादी ढाँचे मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमरावती का मॉडल राज्य को एक खतरनाक कर्ज़ के जाल में धकेल रहा है।

उन्होंने इसके लिए सरकार के उन अनुमानों का हवाला दिया जिनके अनुसार बुनियादी ढाँचे के लिए लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की ज़रूरत है, कर्ज़ पहले ही 47,387 करोड़ रुपये के पार पहुँच चुका है, और सचिवालय तथा विधानसभा परिसरों की लागत लगातार बढ़ रही है।

जगन के अनुसार, इन अनियमितताओं पर उठाए गए सवालों का जवाब धमकियों, चुनिंदा मीडिया अभियानों और पुलिस तंत्र के दुरुपयोग से दिया जा रहा है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर, जगन ने मनगढ़ंत मामलों, राजनीतिक बदले की भावना और लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाने की घटनाओं की ओर इशारा किया। उन्होंने पूर्व मंत्री जोगी रमेश को झूठे मामलों में फँसाकर 83 दिनों तक जेल में रखने, उसके बाद उनके घर पर तेज़ाब से हमला किए जाने, और पोन्नूर विधानसभा क्षेत्र में किसानों के खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के कथित दुरुपयोग का ज़िक्र किया।

उन्होंने सरकार पर सोशल मीडिया पर अभूतपूर्व सेंसरशिप लगाने, झूठी एफआईआर दर्ज करने और उन प्लेटफ़ॉर्मों पर दबाव डालने का आरोप लगाया जो भ्रष्टाचार, शराब घोटालों, गांजा नेटवर्क और रेत माफिया की गतिविधियों को उजागर करने वाली सामग्री दिखाते हैं। जगन ने जन कल्याणकारी योजनाओं की विफलता की भी आलोचना की, और कर्मचारियों के 35,000 करोड़ रुपये के बकाया वेतन का मुद्दा उठाया।

क्राइम को पल भर में भांप लेता है डॉग रूद्र

ट्रेन में तस्करी के खेल का कैसे किया भंडाफोड़?

अमरावती, 22 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में पुलिस का ट्रेंड डॉग रुद्र इन दिनों चर्चा में है। उसने अपनी पहली ही कार्रवाई में बडा कारनामा कर दिखाया। भीड़ से खचाखच भरी ट्रेन में रुद्र ने अपनी सूंघने की अद्भुत क्षमता से केरल के अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के गिरोह का पर्दाफाश कर दिया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में रुद्र की जमकर सराहना हो रही है।राज्य में गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच विजयनगरम पुलिस की ओर से ये कार्रवाई की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से बड़ी मात्रा में गांजा रेल मार्ग से दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने ब्रह्मपुरम से विशाखापत्तनम जा रही यात्री ट्रेन में विशेष जांच अभियान चलाया। चीपुरुपल्ली और नेल्लीमर्ला रेलवे स्टेशनों के बीच चलती ट्रेन में यात्रियों के बैगों की जांच की गई। इस दौरान नशीले पदार्थों का पता लगाने वाला डॉग रुद्र भी पुलिस टीम के साथ मौजूद था।

ट्रेन में भारी भीड़ होने के बावजूद रुद्र अचानक दो संदिग्ध यात्रियों के पास पहुंचा और असामान्य प्रतिक्रिया देने लगा। उसने उनके बैगों को पकड़कर पुलिस को संकेत दिया। रुद्र के इशारे पर पुलिस ने जब बैगों की तलाशी ली तो उसमें से तीन पार्सलों में पैक 14 पैकेट गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे का कुल वजन करीब 13.5 किलोग्राम बताया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी केरल का अंतरराज्यीय तस्कर हैं, जो ओडिशा से गांजा खरीदकर ट्रेन के जरिए उसकी सप्लाई करते थे। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच के लिए पलासा जीआरपी पुलिस को सौंप दिया गया है। राज्य में गांजे की तस्करी को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक जिले में मादक पदार्थों का पता लगाने वाले कुत्तों को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि रुद्र ने हाल ही में गुंटूर जिले के मंगलगिरि में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया था और कुछ समय पहले ही विजयनगरम जिला पुलिस में तैनात किया गया था। पहली ही कार्रवाई में इतनी बड़ी सफलता मिलने पर जिला एसपी एआर दामोदर ने रुद्र और उसके प्रशिक्षक को बधाई दी।

साथ ही रुद्र की विशेष देखभाल के लिए 500 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा भी की गई। यह बहादुर पुलिस डॉग पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

यूसीएफ के तहत 1,990 करोड़ रुपये के शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट मिले

विशाखापत्तनम, 22 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश को अर्बन चैलेंज फंड यूसीएफ के तहत 1,990.83 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के लिए मंज़ूरी मिल गई है, जिसमें केंद्र सरकार 497.71 करोड़ रुपये की सहायता देगी। विशाखापत्तनम और मंगलागिरी-ताडेपल्ली को कवर करने वाले ये चार प्रोजेक्ट, शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सुधार-आधारित, बाज़ार-संचालित फाइनेंसिंग की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का संकेत हैं। निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा विशाखापत्तनम की ओर निर्देशित है, जो तेज़ी से एक आर्थिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मधुरवाड़ा भूमिगत जल निकासी प्रोजेक्ट 401 किमी का सीवर नेटवर्क, 21,800 घरेलू सर्विस कनेक्शन, 14,828 मैनहोल, और कपुलुप्पाडा में 20 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी उपलब्ध कराएगा, जिसकी निगरानी एससीएडीए और एआई की मदद से की जाएगी। 24 एक्स 7 स्मार्ट जल आपूर्ति प्रोजेक्ट, रुक-रुक कर होने वाली आपूर्ति को लगातार दबाव वाली आपूर्ति में बदल देगा। इसे 65 एमएलडी के ट्रीटमेंट प्लांट, 417 किमी के नेटवर्क और 37,407 स्मार्ट एएमआई कनेक्शन का समर्थन प्राप्त होगा। जल आधुनिकीकरण प्रोजेक्ट, डिजिटल मीटरिंग, अल्ट्रासोनिक एएमआई मीटर, रिमोट वाल्व संचालन और वेब-आधारित एससीएडीए सिस्टम के ज़रिए जीवीएमसी के राजस्व आधार को मज़बूत करेगा। मंगलागिरी-ताडेपल्ली में, हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल के तहत चरण-आईयूजीडी प्रोजेक्ट 303.79 किमी की सीवर लाइनें, 33,842 घरेलू कनेक्शन, 26.68 एमएलडी क्षमता वाले छह विकेंद्रीकृत एसटीपी, पंपिंग स्टेशन और एससीएडीए-सक्षम निगरानी प्रदान करेगा।

अधिकारियों ने कहा कि यह प्रोजेक्ट राजधानी क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे शहरीकरण के दबाव को संभालने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एमए और यूडी मंत्री पोंगुरु नारायण ने कहा कि यूसीएफ के तहत चारों प्रोजेक्ट्स की मंज़ूरी, इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित शहरी विकास के प्रति आंध्र प्रदेश के केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में, सरकार सामान्य नगरपालिका कार्यों से आगे बढ़कर नागरिक-केंद्रित, आर्थिक रूप से टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रही है। पीने का पानी, जल निकासी, सीवेज ट्रीटमेंट और स्मार्ट निगरानी ही रहने लायक शहरों की नींव हैं।

सितंबर तक सभी मंज़ूर प्रोजेक्ट्स का काम शुरू हो जाए: सीएम चंद्रबाबू नायडू

विशाखापत्तनम, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी मंज़ूर इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का काम सितंबर 2026 तक ज़मीन पर शुरू हो जाए, और दिसंबर 2028 तक वे चालू हो जाएं। उन्होंने कहा कि मंज़ूरियों, इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स के काम शुरू होने और रोज़गार पैदा होने की निगरानी के लिए एक सिंगल-पोर्टल डैशबोर्ड बनाया जाना चाहिए।

ज़मीन के आवंटन में टूरिज़्म प्रोजेक्ट्स और आईटी फर्मों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। नायडू ने अपने कैंप ऑफिस में मंत्रियों की समिति के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विशाखापत्तनम पार्टनरशिप समिट के दौरान हुए समझौतों और राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) द्वारा मंज़ूर किए गए प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने एमओयू की स्थिति, प्रोजेक्ट की प्रगति, मंत्रियों की समिति द्वारा उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं पर एक प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने नायडू को बताया कि पिछले

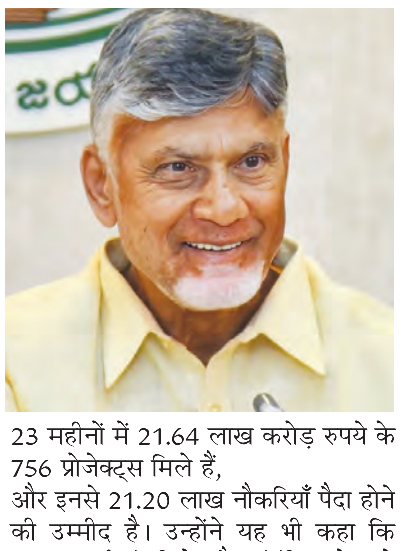

23 महीनों में 21.64 लाख करोड़ रुपये के 756 प्रोजेक्ट्स मिले हैं, और इनसे 21.20 लाख नौकरियाँ पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि एमएसएमई मंज़ूरियों और संबंधित सेवाओं के लिए जल्द ही एक समर्पित वेबसाइट भी लॉन्च की जाएगी। मुख्यमंत्री ने टूरिज़्म और आईटी से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए नए तरह की बहुउद्देशीय इमारतें बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सूर्यलंका बीच को गोवा प्लस डेस्टिनेशन में बदलने की योजना बनाएं, और साथ ही बापटला बीच के लिए भी जल्द से जल्द एक मास्टर प्लान तैयार करें। उन्होंने राज्य के 21 प्रमुख मंदिरों को जोड़ने वाले 'मंदिर टूरिज़्म सर्किट' के काम में भी तेज़ी लाने को कहा। नायडू ने कहा, आईटी प्रोजेक्ट्स को 18 महीनों के भीतर अपना काम शुरू कर देना चाहिए, जबकि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को ज़ोरदार प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

नायडू ने सर्कुलर इकॉनमी पर ज़ोर दिया

मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आंध्र प्रदेश को प्रभावी प्रोजेक्ट एग्ज़ीक्यूशन के ज़रिए अपने स्पीड ऑफ़ डूइंग बिज़नेस मॉडल को दिखाना चाहिए। पावर ट्रांसमिशन और सोलर रूफटॉप यूनिट्स को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि आंध्र प्रदेश 160 जीडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी पैदा करने का अपना लक्ष्य तेज़ी से हासिल कर सके। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 99 जीडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर पहले से ही काम चल रहा है।

गृह मंत्री की अभिनय के व्यवहार पर प्रतिक्रिया

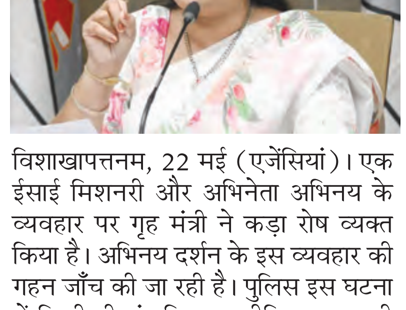

विशाखापत्तनम, 22 मई (एजेंसियां)। एक ईसाई मिशनरी और अभिनेता अभिनय के व्यवहार पर गृह मंत्री ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। अभिनय दर्शन के इस व्यवहार की गहन जाँच की जा रही है। पुलिस इस घटना में किसी भी संभावित राजनीतिक पहलू की भी पड़ताल कर रही है। गृह मंत्री ने सवाल उठाया कि, अन्यथा, कडप्पा से अल्लूरी जिले तक आने की क्या आवश्यकता थी? उन्होंने कहा कि भोले-भाले लोगों ने पादरी के दर्शन पर विश्वास किया, लेकिन उन पर हमला नहीं हुआ; बल्कि यह सब एक सोची-समझी घटना प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि इस 'अभिनय' (नाटक) में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसका खुलासा जल्द ही हो जाएगा। अभिनय दर्शन के विरुद्ध पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं, और यह कृत्य समुदायों के बीच नफ़रत भड़काने का एक प्रयास प्रतीत होता है।

सुविचार: प्रतिशोध का प्रशमन, प्रतिशोध से नहीं क्षमाभाव से हो, क्षमा ही सर्वोत्तम प्रतिशोध है।

तेलंगाना डिजिटल परिवर्तन में राष्ट्रीय रोल मॉडल बन रहा है : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य रणनीतिक रूप से डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है। वे शुक्रवार को नोवोटेल एचआईसीसी में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन फाइनेंस समिट 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नागरिक-केंद्रित सेवाओं को अधिक दक्षता, पारदर्शिता और सुगमता के साथ सीधे जनता तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल रूपांतरण की ओर बढ़ रही है और जो देश इस बदलाव के अनुसार स्वयं को ढाल लेंगे, वे भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन चुका है और डिजिटल भुगतान से लेकर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तक देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। तेलंगाना इस डिजिटल परिवर्तन यात्रा का प्रमुख विकास इंजन बनकर उभर रहा है। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार उन्नत तकनीक, कुशल मानव संसाधन और सतत आर्थिक विकास को जोड़ते हुए भविष्य के लिए तैयार डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत योगदान देना है। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की बदलती भूमिका पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि पहले जो पेशेवर मुख्य रूप से लेखा-जोखा और ऑडिटिंग तक सीमित थे, वे अब कॉर्पोरेट जगत के रणनीतिक सलाहकार बन गए हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीकें वित्तीय क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रही हैं, लेकिन साथ ही साइबर धोखाधड़ी, डीपफेक, क्रिप्टो घोटाले और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को केवल पारंपरिक ऑडिटिंग तक सीमित न रहकर साइबर सुरक्षा और डिजिटल जोखिम प्रबंधन में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कौशल विकास, पुनः कौशल विकास और उन्नत कौशल प्रशिक्षण पर जोर दिया। मंत्री ने पेशेवर संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों से तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर राज्य के डिजिटल और साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने का आह्वान किया।

यौन उत्पीड़न के आरोप में युवक के खिलाफ केस

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, माचा बोलारम इलाके की एक महिला की मुलाकात संदिग्ध दुर्गा प्रसाद (24) से एक स्पोकन इंग्लिश सेंटर में हुई। यह जान-पहचान धीरे-धीरे एक विवाहेतर संबंध में बदल गई और बताया जाता है कि दोनों पिछले पांच सालों से साथ रह रहे थे। आरोप है कि इस दौरान जब भी महिला घर से बाहर होती थी, दुर्गा प्रसाद उसकी 15 वर्षीय बेटी को धोखे भरे शब्दों से बहला-फुसलाकर कई बार यौन उत्पीड़न का शिकार बनाता था। यह मामला हाल ही में तब सामने आया जब पीड़ित के मामा को शक हुआ और उन्होंने इसमें शामिल लोगों से पूछताछ की। शिकायत के आधार पर, अलवाल पुलिस ने दुर्गा प्रसाद के खिलाफ पीओसीएसओ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

गुरुग्राम से हीरा समूह की प्रमुख नौहेरा शेख गिरफ्तार

वारंट जारी होने के बाद हो गई थी फरार

3,000 करोड़ रुपये निवेश घोटाला

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने देशभर के 1.72 लाख से अधिक निवेशकों से कथित धोखाधड़ी से जुड़े बहुचर्चित हीरा समूह निवेश घोटाला मामले में नौहेरा शेख को धन शोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। प्रवर्तन निदेशालय के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने नौहेरा शेख को 21 मई को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें हैदराबाद स्थित विशेष धन शोधन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। जांच एजेंसी के अनुसार, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज अनेक प्राथमिकी के आधार पर जांच प्रारंभ की गई थी। इनमें नौहेरा शेख, मौली थॉमस, बिजू थॉमस तथा हीरा समूह की कंपनियों पर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की निवेशक धनराशि हड़पने का आरोप है।

प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि हीरा समूह की कंपनियों में निवेश के नाम पर देशभर के लोगों से प्रतिवर्ष लगभग 36 प्रतिशत लाभ देने का प्रलोभन देकर धन एकत्र किया गया, लेकिन निवेशकों को न तो वादा किया गया लाभ मिला और न ही मूल धन वापस किया गया। जांच अधिकारियों के अनुसार, निवेशकों से प्राप्त धनराशि को कंपनियों के खातों से व्यक्तिगत खातों में स्थानांतरित कर उससे बड़ी मात्रा में चल एवं अचल संपत्तियां अर्जित की गईं। जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत मामले से जुड़ी कई संपत्तियां कुर्क कीं। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि नौहेरा शेख ने उच्चतम न्यायालय में कथित रूप से भ्रामक दावे एवं शपथपत्र प्रस्तुत कर जांच को प्रभावित करने तथा विलंबित करने का प्रयास किया। बाद में उच्चतम न्यायालय ने निवेशकों को धन वापसी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय के माध्यम से मुकदमे की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही कुर्क संपत्तियों की नीलामी की अनुमति दी। अब तक प्रवर्तन निदेशालय लगभग 122 करोड़ रुपये की संपत्तियों की नीलामी कर चुका है।

एजेंसी के अनुसार, नौहेरा शेख नीलाम संपत्तियों के विक्रय विलेख निष्पादित करने में लगातार सहयोग नहीं कर रही थीं तथा न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने के निर्देशों की भी अनदेखी कर रही थीं। लगातार असहयोग के चलते विशेष धन शोधन न्यायालय ने उनकी जमानत निरस्त करते हुए 7 मई 2026 को उनके विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि वारंट जारी होने के बाद नौहेरा शेख फरार हो गई थीं। बाद में उन्हें गुरुग्राम स्थित एक किराये के आवास से पकड़ा गया, जहां वह कथित रूप से शेख खमर जहां नाम से जाली आधार दस्तावेजों का उपयोग कर अपने सहयोगी समीर खान के साथ रह रही थीं। प्रवर्तन निदेशालय एवं हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उनकी गिरफ्तारी संभव हो सकी। एजेंसी ने यह भी बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी कल्याण बनर्जी को जनवरी माह में गिरफ्तार किया गया था। उस पर अधिवक्ता बनकर प्रवर्तन निदेशालय की नीलामी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप है। मामले की आगे की जांच जारी है।

युवक पर हमला कर सोने की चेन लूटने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने ज्ञानबाग कॉलोनी क्षेत्र में एक युवक पर हमला कर उसकी सोने की चेन लूटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गई चेन भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान लालाजी पवन कुमार (22) के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने 20 मई की रात एक समारोह से घर लौट रहे युवक को निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अंबा भवानी मंदिर के पास मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर उसके साथ मारपीट की और करीब 60 हजार रुपये मूल्य की सोने की चेन छीनकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने लूटी गई संपत्ति भी बरामद कर ली है।

चेर्लापल्ली-दानापुर विशेष रेलगाड़ियों का संचालन बढ़ाया गया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए चेर्लापल्ली और दानापुर के बीच चल रही विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, विशेष रेलगाड़ी संख्या 07091 चेर्लापल्ली-दानापुर प्रत्येक शनिवार को दोपहर 1 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात्रि 11.55 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह सेवा 23 मई से 11 जुलाई 2026 तक संचालित की जाएगी। इसी प्रकार विशेष रेलगाड़ी संख्या 07092 दानापुर-चेर्लापल्ली प्रत्येक सोमवार को प्रातः 3 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10 बजे चेर्लापल्ली पहुंचेगी। यह सेवा 25 मई से 13 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। दोनों दिशाओं में ये विशेष रेलगाड़ियां काजीपेट, रामागुंडम, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चांदा फोर्ट, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर तथा आरा स्टेशनों पर ठहराव करेंगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार इन विशेष रेलगाड़ियों में द्वितीय वातानुकूलित, तृतीय वातानुकूलित, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बों की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

हैदराबाद समेत तेलंगाना में भीषण गर्मी का कहर, खम्मम सबसे गर्म जिला

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गर्मी लगातार लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। शुक्रवार को राज्य में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, खम्मम जिले में सबसे अधिक 46.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जिससे लोग तेज धूप और लू से बेहाल रहे। हैदराबाद में भी गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। राजेंद्रनगर में तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.3 डिग्री अधिक रहा। वहीं बेगमपेट में 43 डिग्री और हकीमपेट में 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राज्य के अन्य जिलों में भी हालात गंभीर रहे। निजामाबाद में 44.9, आदिलाबाद में 44.8, हनमकोंडा में 44.5 और रामागुंडम में 44.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भद्राचलम में 44.2 और मेदक में 42.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और लू से सावधान रहने की सलाह दी है।

सत्ता में आने पर फ्यूचर सिटी परियोजना रद्द करेगी बीआरएस : हरीश राव

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने कहा है कि उनकी पार्टी सत्ता में लौटने पर प्रस्तावित फ्यूचर सिटी परियोजना को रद्द कर मूल फार्मा सिटी परियोजना को पुनः लागू करेगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर औषधि उद्योगों के लिए अधिग्रहित भूमि का उपयोग अचल संपत्ति और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए करने का आरोप लगाया। अमेरिका प्रवास के दौरान प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि फार्मा सिटी परियोजना को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी थी। उनका कहना था कि इस परियोजना का उद्देश्य औषधि उद्योग को बढ़ावा देने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराना था। उन्होंने बताया कि मूल योजना के अंतर्गत 75 प्रतिशत भूमि औषधि उद्योगों के लिए तथा शेष 25 प्रतिशत भूमि आवास और शैक्षणिक सुविधाओं जैसी सहायक व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित की गई थी। हरीश राव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने इस अनुपात को बदलकर वाणिज्यिक विकास को प्राथमिकता दी है। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने भी आरोप लगाया कि फार्मा सिटी के नाम पर अधिग्रहित भूमि का अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर औद्योगिक परियोजना को अचल संपत्ति परियोजना में बदलने का आरोप लगाया।

एटीएम नकदी वाहन चोरी का मामला 48 घंटे में सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तान बाजार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एटीएम नकदी (कैश-इन-ट्रांजिट) वाहन से हुई चोरी के सनसनीखेज मामले को पुलिस ने मात्र 48 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से अधिकांश नकदी एवं अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 19 मई 2026 की सुबह लगभग 9 बजे शिकायतकर्ता गड्डम मल्लेश (कैश कस्टोडियन, क्लियरड सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि.) अपने एक अन्य कस्टोडियन, गनमैन और चालक शेख रेहमान के साथ टॉयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहन में विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों से नकदी संग्रह के लिए निकले थे। डी-मार्ट, मंगल्या शॉपिंग मॉल सहित कई प्रतिष्ठानों से नकदी एकत्र करने के बाद वे कोटि स्थित भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा में जमा करने पहुंचे। इस दौरान दोनों कस्टोडियन बैंक के भीतर नकदी जमा करने चले गए और वाहन में लगभग 19 लाख रुपये की नकदी रखी थी।

इसी समय गनमैन भी वॉशरूम चला गया, जिसका लाभ उठाकर चालक शेख रेहमान वाहन सहित फरार हो गया। बाद में खोजबीन के दौरान वाहन किंग कोटी जिला अस्पताल के पास लावारिस हालत में मिला। जांच में पता चला कि आरोपी दो नकदी बैग लेकर फरार हो गया, जिसमें डी-मार्ट का 5,88,932 रुपये और मंगल्या का 3,74,533 रुपये शामिल था।

कुल 9,63,465 रुपये की नकदी लेकर वह भाग गया था। पुलिस ने तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर जांच तेज की। आरोपी के कर्नाटक के गुलबर्गा में छिपे होने की जानकारी मिलने पर विशेष टीम भेजी गई। 21 मई 2026 को शाम लगभग 6 बजे गुलबर्गा बस स्टैंड के पास 'सबेरा गेस्ट हाउस' में छापेमारी कर आरोपी शेख रेहमान को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद सामान में 9,53,760 रुपये नकद, सैमसंग गैलेक्सी एम31 मोबाइल फोन, टॉमी हिलफिगर नीले रंग का बैग, इनोवा क्रिस्टा वाहन की चाबी शामिल है। आरोपी शेख रेहमान (उम्र 46 वर्ष), निवासी बोइनपल्ली, हैदराबाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई सुल्तान बाजार सहायक पुलिस आयुक्त के पर्यवेक्षण में, पुलिस निरीक्षक जी. नरेश, उप निरीक्षक डी. वेणु तथा विशेष पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस ने इसे एक त्वरित और सफल कार्रवाई बताया है।

निम्स ने किडनी प्रत्यारोपण में बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

अब तक 2,000 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक पूरे

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (निम्स), हैदराबाद ने किडनी प्रत्यारोपण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान के मूत्ररोग विभाग ने अब तक 2,000 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ निम्स दक्षिण भारत में किडनी प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस उपलब्धि पर निम्स के चिकित्सकों और चिकित्सा दल को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मरीजों को दी जा रही उत्कृष्ट और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का परिणाम है। जानकारी के अनुसार, देश में किडनी प्रत्यारोपण के मामले में गुजरात स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर पहले स्थान पर है, जबकि लुधियाना का क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज दूसरे स्थान पर है और निम्स तीसरे स्थान पर है। संस्थान द्वारा किए गए 2,000 प्रत्यारोपणों में से 1,900 मरीजों का उपचार राजीव आरोग्यश्री योजना तथा मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत निःशुल्क किया गया, जो कुल मामलों का लगभग 95 प्रतिशत है। निम्स ने जनवरी 2023 से अब तक मात्र तीन वर्ष चार माह की अवधि में 500 किडनी प्रत्यारोपण कर एक और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड स्थापित किया है।

मनैर नदी में डूबने से दो किशोरों की मृत्यु

राजन्ना सिरसिल्ला, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला कस्बे के बाहरी क्षेत्र में स्थित मनैर नदी में शुक्रवार को दो किशोरों की डूबने से मृत्यु हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार शांतिनगर निवासी हरिचरण गौड़ (18) और चीरलवांचा पुनर्वास कॉलोनी निवासी मणिकांत (17) रामप्पा मंदिर के समीप मनैर नदी में तैरने गए थे। बताया गया कि दोनों को तैरना नहीं आता था, जिसके कारण वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और रो-रोकर बेहाल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों के शव नदी से बाहर निकाले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी। शवों को परीक्षण के लिए सिरसिल्ला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

मक्के के परिवहन में देरी पर किसानों का प्रदर्शन

सहकारी समिति कार्यालय में लगाया ताला

खम्मम, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चिंतकनी स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति कार्यालय तथा भंडारण केंद्र पर शुक्रवार सुबह किसानों ने ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि तौले जा चुके मक्के के भंडार के परिवहन में अधिकारी जानबूझकर देरी कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि भंडार उठाने के लिए भेजे जाने वाले ट्रकों के आवंटन में पक्षपात किया जा रहा है तथा सत्तारूढ़ दल से जुड़े किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसानों ने प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि सामान्य किसानों की उपज लंबे समय से खरीद केंद्रों पर पड़ी हुई है।

तेलंगाना के श्रमिकों के लिए व्यापक वेतन वृद्धि की मांग

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय श्रम मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन संशोधन की आलोचना करते हुए इसे राज्य के श्रमिकों के लिए प्रतीकात्मक और अपर्याप्त बताया है।

हैदराबाद में जारी अपने वक्तव्य में दत्तात्रेय ने कहा कि श्रमिकों को सार्थक वेतन संशोधन के लिए लगभग 14 वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, लेकिन बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत के बावजूद उन्हें केवल औपचारिक वृद्धि ही प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, किराया और परिवहन पर लगातार बढ़ते खर्च ने श्रमिक वर्ग की आर्थिक स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अकुशल श्रमिकों के लिए 22 हजार रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए 27 हजार रुपये, कुशल श्रमिकों के लिए 31 हजार रुपये तथा अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए 36 हजार रुपये न्यूनतम वेतन निर्धारित करने की मांग की। दत्तात्रेय ने कहा कि तेलंगाना के लगभग 1.2 करोड़ श्रमिक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने वाले वेतन के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य की प्रगति के साथ श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार नहीं होता, तो आर्थिक विकास का कोई विशेष महत्व नहीं रह जाता।

प्रोफेसर को अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान फेलोशिप

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान पिलानी, हैदराबाद परिसर के गणित विभाग के प्रोफेसर प्रद्युम्न कुमार साहू का चयन चीनी विज्ञान अकादमी की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप योजना के अंतर्गत वर्ष 2027 के लिए अतिथि वैज्ञानिक के रूप में किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान अनुदान के तहत प्रोफेसर साहू चीन के सैद्धांतिक भौतिकी संस्थान में वैज्ञानिक शाओ-जियांग वांग के साथ संयुक्त अनुसंधान कार्य करेंगे। यह शोध मुख्य रूप से संशोधित गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड विज्ञान जैसे उन्नत विषयों पर केंद्रित रहेगा। ओडिशा के नयागढ़ जिले के कुहारा गांव निवासी प्रोफेसर साहू गदाधर अकादमी मणिकागोडा के पूर्व छात्र हैं। सैद्धांतिक भौतिकी के क्षेत्र में उनके शोध कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है और उन्होंने आधुनिक ब्रह्मांडीय सिद्धांतों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान द्वारा जारी आधिकारिक वक्तव्य में कहा गया है कि यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्र में संस्थान की बढ़ती पहचान को दर्शाती है।

फा. सं. 17/56/2022-FPD
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
खतरनाक पदार्थ प्रबंधन प्रभाग

इंदिरा पर्यावरण भवन, जल ब्लॉक, द्वितीय तल
जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली – 110003

विषय: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के परिसंकटमय पदार्थ प्रबंधन प्रभाग के 24x7 संकट नियंत्रण कक्ष में संविदा के आधार पर चार (04) अनुसंधान सहयोगियों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के परिसंकटमय पदार्थ प्रबंधन प्रभाग के 24x7 संकट नियंत्रण कक्ष (CCR) में अनुसंधान सहयोगी के चार (04) पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को मंत्रालय के दिनांक 15.04.2025 के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रति अनुसंधान सहयोगी ₹40,000/- प्रतिमाह समेकित मानदेय देय होगा। रिक्ति से संबंधित विस्तृत विवरण मंत्रालय की वेबसाइट www.moef.nic.in पर 'भर्ती लिंक' के अंतर्गत उपलब्ध है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि मंत्रालय की वेबसाइट पर इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 21 दिन है।

वैज्ञानिक 'ई'

cbc13101/11/0001/2627

पुलिस के साथ मुठभेड़ में 'रावण' को लगी गोली, क्या है उसकी पूरी क्राइम कुंडली

जहानाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद जिले में हत्या के एक मामले के मुख्य आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोली लग गई। पुलिस के मुताबिक, दीपक शर्मा नाम के शख्स की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी विक्कू सिंह उर्फ 'रावण' को मुठभेड़ में पैर में गोली लगी है। यह मुठभेड़ घोसी थाना क्षेत्र के दुर्यारी नहर के पास हुई। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद हथियार बरामद करने के लिए उसे मौके पर लेकर गई थी।

पुलिस का कहना है कि इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नीतीश कुमार की पार्टी को लेकर आरजेडी का बड़ा दावा

'जेडीयू अपने राज्यसभा सांसद से हर महीने एक करोड़ चंदा लेती है'

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी को लेकर आरजेडी की ओर से बड़ा दावा किया गया है। आरजेडी का कहना है कि जेडीयू ऐसी पार्टी है जो राज्यसभा सांसद बनाने के बदले में शुरुआत में एकमुश्त चढ़ावा लेती है। इसके उस सांसद से उनके छह साल के कार्यकाल तक हर महीने एक करोड़ चंदा लेती है। कई सांसद इसके उदाहरण रहे हैं। आरजेडी के एक्स हैंडल से आज (शुक्रवार) यह बयान पोस्ट किया गया है।

हालांकि पोस्ट में किसी सांसद का नाम नहीं लिखा गया है। आरजेडी ने तंज कसा कि जेडीयू इस देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसे इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भूत-प्रेत और भटकती आत्मा ने सैकड़ों करोड़ का चंदा दिया। पोस्ट में लिखा गया है, सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किए जाने के बाद कोर्ट के निर्देशानुसार चुनाव आयोग द्वारा यह पूछने पर कि आपको यह चंदा किसने दिया तो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने चुनाव आयोग को बताया कि उन्हें नहीं पता कि यह चंदा किसने दिया। उनका तर्क था कि कोई अज्ञात व्यक्ति या संस्था सैकड़ों करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड का सीलबंद लिफाफा उनकी पार्टी के कार्यालय (पटना) में फेंक गया, उन्होंने उसे अपने खाते में कैश करा लिया। हैं न कितने ईमानदार लोग?

आरजेडी का कहना है कि भारतीय राजनीति के इतिहास में चंदा प्राप्त करने का यह दिलचस्प, गोपनीय, अद्भुत, अलौकिक और रहस्यमयी नीतीश मॉडल है। नीतीश मॉडल ऐसा फूलप्रूफ है कि इनके खासमखास भ्रष्ट अधिकारी जेडीयू प्रत्याशियों को लड़ने के लिए लिफाफा देते हैं और इन बेचारों को पता ही नहीं चलता। पोस्ट के अंत में लिखा गया है, सार यह है कि जेडीयू थैली वालों की नहीं बल्कि नोटों का बोरा देने वालों की पार्टी है। इनके नेता सही कह रहे हैं कि जेडीयू में सब व्यावसायिक सौदा होता है। बता दें कि अभी हाल ही में पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जेडीयू को थैली की पार्टी कहा था। इस पर भी सियासत जारी है।

जीतनराम मांझी को धमकी देनेवाला 'सरदार' गिरफ्तार पुलिस ने पटना से उठाया

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले युवक राजेंद्र राय उर्फ सरदार को पुलिस ने पटना से गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मारूफगंज इलाके से दबोचा। वायरल वीडियो में आरोपी केंद्रीय मंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा और खुलेआम हमला करने की धमकी देता नजर आया था।

जानकारी के अनुसार साइबर थाने की पुलिस ने नए साइबर डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी कर आरोपी राजेंद्र राय उर्फ सरदार को पटना जिले के मालसलामी थाना क्षेत्र स्थित मारूफगंज मोहल्ले से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच गया लाया गया, जहां एसएसपी सुशील कुमार, सिटी एसपी कोटा किरण कुमार और साइबर डीएसपी उससे पूछताछ कर रहे हैं।

सांसद इकरा हसन समेत कई लोगों पर एफआईआर दर्ज

डीआईजी कार्यालय के बाहर हंगामे के मामले में हुई कार्रवाई

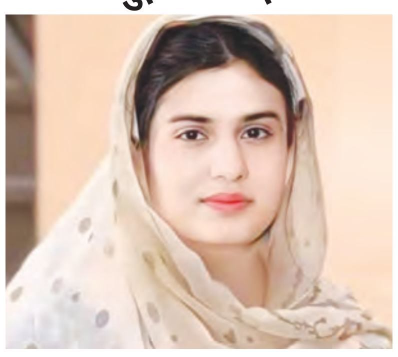

सहारनपुर, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में डीआईजी कार्यालय के बाहर हुए सड़क जाम और हंगामे के मामले में पुलिस ने कैराना सांसद इकरा हसन समेत कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले की एफआईआर अब सामने आ गई है, जिसमें सात नामजद लोगों के साथ 20 से 25 अज्ञात लोगों को भी शामिल किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद जिले की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। दरअसल, 19 मई को कैराना सांसद इकरा हसन शामली जिले के जसाला गांव में हुए मोनू कश्यप हत्याकांड के मामले को लेकर मृतक की मां के साथ डीआईजी कार्यालय पहुंची थीं। सांसद का आरोप था कि अधिकारियों की तरफ से मामले में संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा था।

इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी डीआईजी कार्यालय के बाहर मौजूद थे, जिससे सड़क पर जाम जैसे हालात बन गए। सड़क पर यातायात प्रभावित होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सांसद इकरा हसन को हिरासत में लेकर महिला थाने पहुंचाया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।

वहीं उनके कुछ समर्थकों को शांतिभंग की धाराओं में जेल भेजा गया था। समर्थकों की गिरफ्तारी से नाराज सांसद इकरा हसन बाद में अपने कार्यकर्ताओं के साथ सदर बाजार कोतवाली पहुंचीं और वहां धरने पर बैठ गईं। अब इस पूरे मामले में उप निरीक्षक संजय कुमार शर्मा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

एफआईआर में सांसद इकरा हसन के अलावा पूर्व राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप, तेजपाल सिंह, अजय, अनुज, शीशपाल और सत्यपाल को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और वीडियो फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बस में लगी आग, लपटों के बीच यात्रियों का रेस्क्यू, 2 की मौत, 25 घायल

फिरोजाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार तड़के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक भयानक सड़क हादसा हो गया। कानपुर से गुड़गांव जा रही एक लग्जरी बस आगे चल रहे बालू से भरे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में शॉर्ट सर्किट हो गया और कुछ ही पलों में पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। हादसे में बस चालक और कंडक्टर की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि कंडक्टर गंभीर रूप से घायल है। लगभग 25 यात्री झुलस गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना मटसेना क्षेत्र के खंभा नंबर 43-46 के पास यह दुर्घटना हुई। बस में करीब 40-48 यात्री सवार थे। सुबह करीब 4 बजे डंपर अचानक डिवाइडर से टकरा गया।

पीछे आ रही बस भी उससे भिड़ गई। टक्कर की तीव्रता इतनी थी कि बस में तुरंत आग भड़क उठी और वह आग का गोला बन गई। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कई यात्रियों ने इमरजेंसी गेट और शीशे तोड़कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही थाना मटसेना पुलिस, आसपास के थानों की फोर्स, यूपीडा कर्मी, एम्बुलेंस और दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। एसडीएम शिकोहाबाद डॉ। गजेंद्रपाल सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

संविधान और आरक्षण पर ही सपा लड़ेगी चुनावी रण

गांव-गांव बांटी जाएगी पीडीए ऑडिट पुस्तिका

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। प्रदेश की सत्ता वापस हासिल करने की कोशिश में जुटी सपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले वर्ष 2024 के लोकसभा जैसा माहौल खड़ा करना चाहती है। लोकसभा चुनाव में सपा ने अपनी सहयोगी कांग्रेस के साथ मिलकर संविधान और आरक्षण के खतरे में होने का नैरेटिव बुना और उत्तर प्रदेश में भाजपा को पछाड़ने में सफल रही थी। अब विधानसभा चुनाव का पूरा रणनीति संविधान और आरक्षण पर संकट होने की इसी दुहाई के साथ लड़ने की तैयारी है। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर भर्तियों में आरक्षण की लूट का आरोप लगा अपने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण साधने का दांव चला है और अब संगठन गांव-गांव इस आडिट रिपोर्ट का वितरण कर रणनीति को धार दे रहा है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी भाजपा के संविधान विरोधी होने के नारे को स्थापित करने की कोशिश तेज करने जा रही है।

वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में बहुमत की सरकार बनाने वाली समाजवादी पार्टी को वर्ष 2017 और 2022 में भाजपा के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने संविधान, आरक्षण के खतरे में होने के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाया था और प्रदेश में बड़ी जीत हासिल हुई। सपा अब इसी फार्मूले को विधानसभा चुनाव तक विस्तार देने की तैयारी में है। सपा प्रमुख लगातार अपने भाषणों में संविधान, आरक्षण और सामाजिक न्याय का मुद्दा उठा रहे हैं। गैर यादव पिछड़ों, पासी, कुर्मी, निषाद, मौर्य, शाक्य और दलित उपजातियों के बीच पैठ बढ़ाने की कोशिश हो रही है। सपा की रणनीति सामाजिक असुरक्षा की भावना को राजनीतिक एकजुटता में बदलने की है।

पार्टी यह संदेश देने का प्रयास कर रही है कि यदि विपक्ष कमजोर हुआ तो आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों पर असर पड़ सकता है। पीडीए आडिट में विभिन्न भर्तियों में आरक्षण का पालन न किए जाने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधना, इसी रणनीति का हिस्सा है। इसे जमीन पर जातीय गोलबंदी में बदलने के लिए संगठन को सक्रिय कर दिया है। पदाधिकारी गांवों में विशेष पीडीए बहुल क्षेत्रों में इस आडिट पुस्तिका का वितरण का आरक्षण बचाने की अपील कर रहे हैं। इसके साथ संगठन के अंदर भी पीडीए का संतुलन साधने का काम भी चल रहा है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियाद

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशील ढंग से किया जाए।

इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया।

नीट मामले में बिहार में सियासत तेज; डिप्टी सीएम ने कहा-राहुल गांधी की बातों को गंभीरता से लेना बंद करिए

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर देशभर में जारी राजनीतिक घमासान के बीच बिहार में भी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मामले में सरकार पर तीखा हमला बोला है। इस सवाल पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के हितों को लेकर पूरी तरह गंभीर है और दोबारा परीक्षा कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर जरूर हैं, लेकिन केंद्र सरकार नीट मामले की जांच लगातार करा रही है ताकि छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो।

नीट मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लगातार हमलों पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को बयान देने की आदत है। उन्होंने कहा, 'अब राहुल गांधी के हर बयान को गंभीरता से लेना बंद कर देना चाहिए। वे क्या-क्या बोलते हैं, इस पर हर बार प्रतिक्रिया देने से उनकी राजनीतिक अहमियत बढ़ती है। इस मामले में बिहार सरकार के मंत्री संजय सरावगी ने भी केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनडीए) को संसदीय समिति के समक्ष बुलाया गया था।

आपराधिक छवि वालों को शस्त्र लाइसेंस देने की नीति पर सरकार करे पुनर्विचारः इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि वह आपराधिक छवि वालों को शस्त्र लाइसेंस देने की नीति पर पुनर्विचार करे। कोर्ट ने कहा, उसका प्रथमदृष्टया मानना है कि हथियार ताकत दिखाने और सुरक्षा का भ्रम पैदा करने का औजार है। इससे अक्सर सामाजिक मेल-जोल बिगड़ता है। समाज में असुरक्षा पैदा होती है। आत्मरक्षा के नाम पर खुलेआम बंदूकें लेकर चलना डराने-धमकाने का जरिया बन जाता है तथा यह असली सुरक्षा के बजाय डर को बढ़ावा देता है।

सरकार के हलफनामे में बताया गया है कि प्रदेश में 10,08953 शस्त्र लाइसेंस हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 6062 लोगों को शस्त्र लाइसेंस दिया गया है। जयशंकर उर्फ बैरिस्टर की याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने यह टिप्पणी की है। भदोही निवासी याची ने शस्त्र लाइसेंस आवेदन के संबंध जिलाधिकारी द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने पर हाई कोर्ट की शरण ली है। पूर्व सुनवाई में कोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस स्वीकृत करने अथवा नवीनीकरण के लिए सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों तथा पुलिस उच्चाधिकारियों से आर्म्स एक्ट के नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया था। साथ ही जिनके पास शस्त्र लाइसेंस है, उनका विवरण मांगा था। संयुक्त सचिव (गृह) की ओर से हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें बताया गया कि विभिन्न श्रेणी में शस्त्र आवेदन के 23407 अर्जियां विचाराधीन हैं। जिलाधिकारी के आदेश के खिलाफ 1738 अपीलें कमिश्नर के समक्ष लंबित हैं।

कुल 20,960 परिवारों में एक से अधिक लाइसेंस हैं। हलफनामा देखने के बाद कोर्ट ने कहा, इससे स्पष्ट है कि जो दिशा निर्देश दिए गए थे, उनका पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि एक समाज जिसमें हथियारबंद लोग ताकत और धमकियों के जरिये अपना दबदबा दिखाते हैं, वह ज्यादा आजाद या शांतिपूर्ण नहीं बनता; बल्कि लोगों का भरोसा कम करता है। सुरक्षा की भावना को कमजोर कर नागरिक शांति बिगाड़ता है। अदालत ने 11 मार्च 2026 को लाइसेंस का क्षेत्रवार पूरा ब्योरा मांगा था। प्रकरण में अगली सुनवाई 26 मई को होगी।

व्यूज और पैसों के चक्कर में इंस्टाग्राम पर परोस रहे थे चाइल्ड पोर्नोग्राफी, 2 गिरफ्तार

सोनभद्र, 22 मई (एजेंसियां)। जिले की साइबर थाना पुलिस टीम ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम व अन्य इंटरनेट साइटों पर अश्लील व चाइल्ड पोर्नोग्राफिक विडियो अपलोड करने के मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी केंद्रीय गृह मंत्रालय के चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर निगाह रखने वाले टीम के निर्देश पर हुई है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के एन सी एम ई सी व अश्लील व बाल यौन शोषण विडियो (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) पर निगाह रखने वाले टीम ने सूचना दी कि सोनभद्र जिले से 2 लोगों द्वारा सोशल मीडिया एवं इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर अश्लील/चाइल्ड पोर्नोग्राफिक सामग्री अपलोड किया जा रहा है।

सूचना मिलते ही जिले की साइबर सेल व साइबर थाना टीम को कार्रवाई का आदेश दिया। जिले की साइबर पुलिस टीम ने जांच के दौरान संबंधित यूजर की मोबाइल डिटेल, आईपी डिटेल एवं प्रोफाइल डिटेल प्राप्त की गई, जिसमें अश्लील/पोर्नोग्राफिक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने वाले 2 अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं डिवाइस सत्यापन हेतु प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना धीरेन्द्र कुमार चौधरी व पुलिस टीम को लगाया गया।

10 साल की बच्ची डूबी:कुएं में नहाते समय पैर फिसलने से हुई मौत

चित्रकूट, 22 मई (एजेंसियां)। चित्रकूट जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र के छिवलहा गांव के अनीपुर मजरा में गुरुवार को एक 10 वर्षीय बालिका की कुएं में डूबने से मौत हो गई। बालिका कुएं में नहाते समय फिसल गई थी। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी। अनीपुर मजरा निवासी रघुनाथ यादव की भतीजी आशू त्रिपाठी गांव की अन्य बच्चियों के साथ कुएं की सीढ़ियों पर नहा रही थी। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गई।

साथ में मौजूद बच्चियों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत कुएं में उतरकर आशू की तलाश शुरू की। लगभग 20 मिनट की मशक्कत के बाद उसे कुएं से बाहर निकाला गया। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पालतू कपिला और तुंगा ने जंगली हाथियों को बनाया दोस्त

उनके साथ उत्तराखंड से यूपी भागीं दो दिन बाद याद आया घर तो लौटीं

बिजनौर, 22 मई (एजेंसियां)। कार्बेट टाइगर रिजर्व से राहत भरी खबर सामने आई है। जंगली हाथियों के साथ लापता हुईं वन विभाग की पालतू हथिनियां कपिला और तुंगा सुरक्षित वापस लौट आई हैं। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के झिरना जोन से वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यह बेहद राहत भरी खबर है। पिछले दो दिनों से लापता वन विभाग की दो बेहद समझदार और प्रशिक्षित हथनियां, कपिला और तुंगा सुरक्षित अपने कैंप में वापस लौट आई हैं। इनके लौटने से पिछले 48 घंटों से तनाव में चल रहे वन प्रशासन ने आखिरकार चैन की सांस ली है। मामला बिजनौर की अमानगढ़ टाइगर रिजर्व सीमा से सटे कॉर्बेट के झिरना जोन का है। 19 मई की शाम को वन विभाग की पेट्रोलिंग टीम का हिस्सा रहीं कपिला और तुंगा को रोजाना की तरह जंगल में घास चरने के लिए, छोड़ा गया था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे जंगली नर हाथियों के एक झुंड को देखकर दोनों हथनियां उनकी तरफ आकर्षित हो गईं और घास चरते-चरते अचानक उसी झुंड के साथ घने जंगलों में ओझल हो गईं।

'एलक्स की तर्ज पर गो-एलक्स

ऑनलाइन खरीदेंगे गाय', शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा ऐलान

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गौ रक्षा अभियान के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय के संरक्षण को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वो जल्द ही एक ऐसी वेबसाइट की शुरुआत करने जा रहे हैं जहां पर गाय को खरीदा जा सकेगा। शंकराचार्य ने कहा कि ओएलएक्स की तर्ज पर गो-एलक्स वेबसाइट बनने जा रही है, जिस पर आप गाय बेच सकते हैं हम उस गाय को खरीदेंगे। शंकराचार्य यूपी में बीते काफी समय से गो हत्या को रोकने और गाय का सरंक्षण करने का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट के जरिए, गाय की खरीद-फरोख्त हो सकेगी। उनका मकसद एकदम साफ़ है कि गाय को किसी कसाई के हाथ में मारने या काटने के लिए नहीं दिया जा सकता है। इससे गो सरंक्षण को नई दिशा मिलेगा। शंकराचार्य ने कहा कि हम एक योजना घोषित करना चाहते हैं, वो योजना हमारी ये है कि अगर आप गाय को बेचना चाहते हैं तो वो गाय आप हमें बेच दीजिए हम उसे खरीदने के लिए तैयार हैं। जैसे ओएलएक्स नाम की वेबसाइट है उसकी तरह हम उसमें 'जी' लगाकर गो-एलक्स वेबसाइट बनवा रहे हैं, एक-दो दिन में वो बनकर तैयार हो जाएगी।

अगर आप अपनी गाय बेचना चाहते हैं तो विज्ञापन देकर हमसे संपर्क करिए हम आपकी गाय खरीदेंगे। मारने के लिए काटने के लिए हम गाय को नहीं देना चाहेंगे। बहुत जल्द यह वेबसाइट बनकर तैयार हो जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ऐलान किया कि इस जो भी व्यक्ति अगर वो गाय को रखने में सामर्थ्य नहीं है तो वह इस वेबसाइट पर गाय को बेच सकता है, हम उस गाय को खरीद लेंगे।

उन्होंने ये भी कहा कि वो खासतौर पर ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर चुकी हैं या जिन्हें पशुपालक कसाई के हाथों में बेच रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसी गायों को वो आश्रय देंगे। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि आज बड़ी संख्या में मुसलमान भी गाय की हत्या के विरोध में हैं। इस्लाम में भी गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे मुसलमान ने कहा है कि हमारे धर्म में कहीं भी गो मांस के सेवन का जिक्र नहीं है और अब वो गाय का मांस नहीं खाएंगे। उन्होंने मुसलमानों की इस पहल की भी सराहना की।

रामायण पाठ से 5 साल की बच्ची को अगवा कर दुष्कर्म

बरेली, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बहेड़ी क्षेत्र में 2 नाबालिग लड़कों ने 5 साल की एक बच्ची से दुष्कर्म किया। दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अरुण सिंह ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बहेड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते बुधवार को आयोजित अखंड रामायण पाठ के दौरान 2 नाबालिग लड़के 5 साल की एक बच्ची को बहला-फुसलाकर खेत में ले गए और वहां उससे दुष्कर्म किया। व्यूज और पैसों के चक्कर में इंस्टाग्राम पर परोस रहे थे चाइल्ड पोर्नोग्राफी, 2 गिरफ्तार उन्होंने बताया कि घटना के कुछ देर बाद बच्ची खून से लथपथ हालत में घर पहुंची और अपने साथ हुई घटना के बारे में परिजनों को बताया।

सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। बहेड़ी के थानाध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपी नाबालिग हैं और उन्हें हिरासत में लिया गया है।

तेजस्वी यादव के लिए सीएम सम्राट चौधरी से आग्रह करेंगे मंत्री; संतोष सुमन का तीखा तंज

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। बिहार में लगातार हो रहे पुलिस एनकाउंटर को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। तेजस्वी ने कहा कि अपराधियों का एनकाउंटर जाति देखकर किया जा रहा है और एक खास वर्ग को निशाना बनाया जा रहा है। तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद सत्ता पक्ष की ओर से लगातार जवाबी हमले किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसपर पलटवार किया। अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे और बिहार सरकार के मंत्री तथा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने भी तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। संतोष कुमार सुमन ने कहा कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती, उनका सिर्फ एक परिचय होता है अपराधी। उन्होंने कहा कि अपराध पर जातीय रंग चढ़ाना बिहार के लिए बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अगर तेजस्वी यादव चाहें तो हम मुख्यमंत्री से आग्रह कर देंगे कि अपराधियों की भी जातिगत जनगणना करा दी जाए, ताकि एनकाउंटर से पहले पुलिस थाने में उनका जाति प्रमाण पत्र भी जांच लिया जाए।'

एचएएम नेता ने सवाल उठाया कि क्या अब पुलिस अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले उनकी जाति पूछेगी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई को जातीय नजरिए से देखना गलत संदेश देता है। बिहार में हाल के दिनों में पुलिस की ओर से कई अपराधियों के खिलाफ मुठभेड़ की कार्रवाई की गई है।

माता-पिता दोनों आईएएस तो आरक्षण क्यों

ओबीसी रिजर्वेशन पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़े वर्ग (ओबीसी) में क्रीमी लेयर आरक्षण पर आज शुक्रवार को बड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि अगर माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं तो उन्हें आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए। छात्रों के माता-पिता अगर अच्छी नौकरियों में हैं और अच्छी इनकम कर रहे हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण से बाहर निकलना चाहिए। कोर्ट ने पिछड़े वर्गों के क्रीमी लेयर के लिए आरक्षण से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर दोनों माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं तो उन्हें आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए?

उन्होंने आगे कहा, "शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण से सामाजिक गतिशीलता आती है। इसलिए बच्चों के लिए आरक्षण की मांग करना कभी भी इससे बाहर नहीं निकल पाएगा। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें भी

ध्यान देना होगा।" उन्होंने कहा, "छात्रों के माता-पिता अच्छी नौकरियों में हैं और बहुत अच्छी इनकम कर रहे हैं, फिर भी बच्चे आरक्षण की मांग कर रहे हैं। देखिए, उन्हें आरक्षण से बाहर निकलना चाहिए। इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। ईडब्ल्यूएस और क्रीमी लेयर के बीच भी कुछ अंतर होना चाहिए।" ईडब्ल्यूएस का जिक्र करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए सामाजिक पिछड़ापन नहीं, केवल आर्थिक पिछड़ापन है। इसलिए क्रीमी लेयर के मामले में मानदंड ईडब्ल्यूएस की तुलना में कहीं अधिक उदार होने चाहिए। यदि दोनों को बराबर मान लिया जाए तो कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कुछ संतुलन होना चाहिए। सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हों, लेकिन जब माता-पिता आरक्षण का लाभ उठाकर एक स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर लेते हैं, तो वे दोनों आईएएस अधिकारी होते हैं, दोनों सरकारी सेवा में होते हैं। वे बहुत अच्छी स्थिति में होते हैं। सामाजिक गतिशीलता मौजूद है। अब सरकार के ऐसे आदेश हैं जो इन सभी लोगों को बाहर कर रहे हैं और वे इस बहिष्कार पर सवाल उठा रहे हैं। इसे भी ध्यान में रखना होगा। हालाकि बेंच ने याचिका पर नोटिस जारी किया।

अमृतसर से जम्मू जा रही टूरिस्ट बस पलटने से दो छात्रों की मौत; 8 यात्री घायल

बटाला, 22 मई (एजेंसियां)। अमृतसर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर कलेर खुर्द के पास अमृतसर से जम्मू जा रही एक तेज रफ्तार टूरिस्ट बस हादसे का शिकार हो गई। जिस दौरान बस में सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि पांच यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इस दौरान बस के पीछे से आ रही पांच गाड़ियां भी आपस में टकरा कर बुरी तरह से हादसा ग्रस्त हो गई। घटना का कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है। बस में सवार हरीश और नितश वासी जम्मू ने बताया कि वह अमृतसर के एक प्राइवेट कालेज में पढ़ता है।

कालेज से पेपर खत्म होने के बाद वह अपने आठ दोस्तों के साथ अमृतसर से जम्मू टूरिस्ट बस नंबर जेके 02 डीएस 8849 पर सवार हो कर अपने घर जा रहे थे। हम सभी दोस्त बस के पीछे बैठे हुए थे। जब बस पलटी उस समय हम सोए हुए थे।

बाघ ने किया हमला, चार महिलाओं की मौत; तेंदू के पत्ते कर रही थी इकट्ठा

चंद्रपुर, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक बाघ ने चार महिलाओं को मार डाला। यह महिलाएं शुक्रवार की सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही थी। तभी यह घटना हुई। यह जानकारी वन अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही गांव के पास हुई। दरअसल, महिलाओं का एक समूह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने के लिए जंगल में गया था, जिनका उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी (हाथ से बनी सिगरेट) के प्राकृतिक आवरण के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि जब वह पत्ते इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, तभी एक बाघ ने हमला किया। इसमें चार की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान कावादाबाई मोहुरले (45), अनीताबाई मोहुरले (40), सुनीता मोहुरले (38) और संगीता चौधरी (50) के रूप में हुई है।

सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र की राज्यसभा सीट पर उपचुनाव

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की चीफ सुनेत्रा पवार ने बारामती विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दिया था। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट पर अब उपचुनाव होने हैं। महाराष्ट्र की राज्यसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख का ऐलान भी हो गया है। बाय इलेक्शन 18 जून को होंगे। जानकारी के लिए बता दें कि सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा की सदस्यता से 6 मई को इस्तीफा दिया था। उनका कार्यकाल 4 जुलाई 2028 को समाप्त होना था।

सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद से ही यह सवाल उठ रहा था कि उच्च सदन में अब उनकी जगह कौन लेगा? 6 मई को सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद जब छगन भुजबल से सवाल किया गया था कि अब एनसीपी का उम्मीदवार कौन होगा, तो उन्होंने जवाब में कहा था कि पार्टी की ओर से अभी तय नहीं किया गया है, न ही कोई चर्चा हुई है। ऐसे में अब कयास लगाए जा रहे हैं कि सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार, छगन भुजबल, आनंद परांजपे, अविनाश अदिक और विक्रम काकडे के नाम रेस में हो सकते हैं।

इंटरनेशनल बॉर्डर पर बीएसएफ का बड़ा एक्शन

तरनतारन में भारतीय सीमा में घुसे दो पाकिस्तानी गिरफ्तार

तरनतारन, 22 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने दो पाक नागरिकों को भारतीय क्षेत्र में दाखिल होते काबू किया। यह दोनों एक वैन में सवार थे। बाद में इनकी पहचान मोहम्मद सलीम व आमिर नवाज के तौर पर हुई है। खालड़ा पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ दौरान दोनों ने माना कि वह गांवों में बच्चों को किताबें बांटने लिए आए थे व गलती से सीमा पार कर गए।

बीएसएफ की 142वीं बटालियन के जवानों द्वारा गांव वां तारा सिंह के क्षेत्र में पैट्रोलिंग की जा रही थी। जिस दौरान सफेद रंग की सजूकी वैन भारतीय क्षेत्र में घूमती देखी। अमरकोट की तरफ से आ रही उक्त वैन को पिल्लर नंबर 140-1 व 141-20 के दरमियान रोककर पूछताछ की गई। जिस दौरान दो पाक नागरिकों को हिरासत में लिया गया। बाद में उनकी पहचान मोहम्मद सलीम (60) पुत्र नजीर अहमद निवासी नस्तर कालोनी फिरोजपुर रोड लाहौर व आमिर नवाज (40) पुत्र मोहम्मद नवाज निवासी यासीन टावर गाजी रोड लाहौर (पाकिस्तान) के तौर पर हुई है। बीएसएफ ने प्रथम पूछताछ के बाद दोनों पाक नागरिकों को थाना खालड़ा की पुलिस के हवाले कर दिया।

थाना खालड़ा के प्रभारी बलजिंदर सिंह ने बताया कि दोनों ने खुद को समाज सेवी संगठन के कार्यकर्ता बताते दावा किया कि गांवों में बच्चों को पढ़ाई लिए किताबें वितरित करने आए थे व गलती से रास्ता भटकने पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। इन दोनों से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

गौ तस्करी पर सख्त हुई फडणवीस सरकार मकोका के तहत कार्रवाई के निर्देश

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में गौ तस्करी, अवैध गोवंश परिवहन और गैरकानूनी बूचड़खानों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। गृह विभाग की ओर से जारी नए आदेश में कहा गया है कि संगठित तरीके से गौ तस्करी करने वाले गिरोहों और रैकेट के खिलाफ अब सीधे महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। सरकार ने राज्य की सभी महानगर पालिकाओं, नगरपालिकाओं और ग्राम पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे अवैध बूचड़खानों की जांच कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी स्थानीय प्रशासन को सौंपी गई है कि कहीं भी गैरकानूनी बूचड़खाने संचालित न हों।

अवैध रूप से गोवंश ले जाने वाले वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करने के आदेश परिवहन विभाग को दिए गए हैं। इसके अलावा पुलिस, पशु संवर्धन और परिवहन विभाग में अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त कर उनके संपर्क नंबर आम लोगों के लिए सार्वजनिक करने को कहा गया है। राज्य के सीमावर्ती जिलों में संयुक्त जांच चौकियां बनाई जाएंगी, जहां पुलिस, परिवहन विभाग, पशु संवर्धन विभाग और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीमें नियमित जांच अभियान चलाएंगी। साथ ही गौ तस्करी के संभावित रास्तों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए है।

असम लगातार बिजली सरप्लस राज्य बनने की ओर अग्रसर : सीएम सरमा

गुवाहाटी, 22 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य धीरे-धीरे बिजली-सरप्लस राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बड़े निवेश किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर सीएम सरमा ने बताया कि असम ने 2035 तक 14,202 करोड़ रुपए का एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर लक्ष्य रखा है और अभी पूरे राज्य में 6,235 करोड़ रुपए की चार बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा, असम धीरे-धीरे बिजली के मामले में आत्मनिर्भर राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है। 14,202 करोड़ रुपए के एनर्जी विज़न और 6,235 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के साथ, जो पहले से ही चल रही हैं।

पश्चिम बंगाल में कई जगह ईडी की रेड

पूर्व डीसीपी शांतनु सिन्हा का घर भी शामिल

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में कई ठिकानों पर रेड की है। इसमें कोलकता के पूर्व डीसीपी शांतनु सिन्हा बिस्वास का घर भी शामिल है। सोना पप्पू और शांतनु सिन्हा से जुड़े वसूली रैकेट की जांच के मामले में ये रेड हुई है।

कोलकाता के कालीघाट पुलिस स्टेशन के पूर्व आईसी और डीसी शांतनु सिन्हा बिस्वास जमीन और फ़ाइनेंशियल मामलों में ईडी की कस्टडी में हैं। शांतनु सिन्हा बिस्वास का मुर्शिदाबाद के कांडी में महल जैसा घर है। उनका पुश्तैनी घर कंडी म्युनिसिपैलिटी के वार्ड नंबर 8 में है। लेकिन यह घर पिछले सात दिनों से बंद है। शांतनु सिन्हा बिस्वास की बहन गौरी सिन्हा बिस्वास कांडी म्युनिसिपैलिटी की वाइस चेयरमैन हैं। वह भी अभी इस घर में नहीं हैं। हालांकि, लॉकडाउन के कारण ईडी के अधिकारी घर के बाहर से ही जांच कर रहे हैं।

उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की। कांडी स्थित शांतनु सिन्हा का पुश्तैनी घर है। यह घर कई दिनों से बंद था। ईडी अधिकारियों की एक टीम वहां पहुंची, ताला तोड़ा और घर के अंदर दाखिल हो गई। केंद्रीय बल के जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया। बताया जा रहा है कि 8 से 10 अधिकारियों की एक टीम ने घर के अंदर जांच-पड़ताल और तलाशी अभियान चलाया। इस घटना के चलते सुबह से ही इलाके में काफी हलचल और भीड़-भाड़ देखने को मिली। अधिकारियों के अनुसार, शांतनु को 14 मई को ईडी ने हिरासत में लिया था। उन पर आरोप है कि पूछताछ के दौरान उन्होंने सहयोग नहीं किया और जानकारी छिपाई। कई बार समन (बुलावा) मिलने के बाद भी पेश न होने के बाद, वह आख़िरकार कोलकाता में एजेंसी के सामने पेश हुए थे।

ईडी के अनुसार, पॉडर उर्फ सोना पप्पू को 18 मई को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ़्तार किया गया। पॉडर, जिसकी दक्षिण कोलकाता में हुई एक हिंसक घटना के सिलसिले में भी तलाश थी, लगभग तीन महीनों से फ़रार चल रहा था। यह मामला सोना पप्पू के ख़िलाफ़ कोलकाता पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक एफआईआर पर आधारित है। उस पर रंगदारी, दंगा भड़काना, हत्या का प्रयास, आपराधिक साज़िश और आर्म्स एक्ट के तहत नियमों का उल्लंघन करने जैसे कई आरोप हैं।

रिश्वत कांड में दबोच लिए गए एडिशनल डायरेक्टर एसीबी ने घूस के पैसों के साथ रंगे हाथ पकड़ा

गुवाहाटी, 22 मई (एजेंसियां)। असम में सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए असम सिविल सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान लाचित कुमार दास के रूप में हुई है, जो भूमि अभिलेख विभाग में एडिशनल डायरेक्टर के पद पर कार्यरत था।

अधिकारियों के मुताबिक, विभाग को एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने जमीन की बिक्री अनुमति यानी कि एनओसी जारी करने के बदले 1 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए सीधे सतर्कता विभाग से संपर्क किया और कानूनी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद विभाग ने आरोपों की जांच और सत्यापन किया।

सत्यापन के बाद सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने 21 मई यानी कि गुरुवार को गुवाहाटी के रूपनगर स्थित भूमि अभिलेख निदेशालय में ट्रैप ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान आरोपी अधिकारी को उसके ऑफिस रूम में 45000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह रकम शिकायतकर्ता से मांगी गई कुल 1 लाख रुपये की रिश्वत का हिस्सा थी। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम आरोपी के कब्जे से बरामद कर ली गई और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया। इस मामले में 21 मई को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 संशोधित) की धारा 7(ए) के तहत एसीबी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि पर्याप्त सबूत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

23 मई तक दलित परिवारों की बेदखली का आदेश केरल में जमीन से जुड़े विवाद ने पकड़ा तूल

कोच्चि, 22 मई (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम जिले के किझक्कंबलम स्थित परीयाथुकावु इलाके में रहने वाले दलित परिवारों को हटाने के मामले ने फिर तूल पकड़ लिया है। पेरुंबवूर की मुंसिफ कोर्ट ने गुरुवार को पुलिस को आदेश दिया कि इलाके में रह रहे 7–8 दलित परिवारों को 23 मई तक वहां से हटाया जाए।

यह आदेश उस रिपोर्ट के आधार पर दिया गया, जिसे अदालत में एडवोकेट कमिश्नर ने पेश किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि बुधवार को परिवारों को हटाने की कोशिश स्थानीय लोगों के भारी विरोध के कारण सफल नहीं हो सकी। पुलिस की बड़ी टीम दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची थी। पुलिस एडवोकेट कमिशन की मदद से करीब ढाई एकड़ जमीन खाली कराने गई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार इस जमीन का मालिकाना हक एक अन्य शख्स के पास बताया गया है।

हालांकि, जैसे ही अधिकारियों ने इलाके में प्रवेश करने की कोशिश की, स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते-देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस को प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पानी की बौछारें करनी पड़ीं। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया। पुलिस ने बाद में 50 लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। थडियिट्टापरम्बु पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के अनुसार, इन लोगों पर सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी करने से रोकने का आरोप लगाया गया है।

तेज रफ्तार बस ने ऑटो को 100 मीटर तक घसीटा एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, 4 घायल

गंजाम, 22 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र के लाडकापल्ली चौक के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार बस ने ऑटो-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद कथित तौर पर बस ऑटो को करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ऑटो-रिक्शा में एक ही परिवार के 10 लोग सवार थे। सभी लोग मां सिंहासिनी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान लाडकापल्ली चौक के पास यह बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि बस काफी तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस सीधे ऑटो-रिक्शा से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सूत्रों के मुताबिक, टक्कर मारने के बाद भी बस नहीं रुकी। बस ऑटो को लगभग 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और कई लोग वाहन में बुरी तरह फंस गए। इस भीषण हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

'टारगेट पर हो, बम से उड़ा देंगे', पीएम मोदी को झालमुरी खिलाने वाले की आफत में जान, पाकिस्तान से आई धमकी

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारग्राम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दुकान पर झालमुरी खाई थी और उस दुकानदार का वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया था। इसी सब के चक्कर में झालमुरी विक्रेता विक्रम साओ की जान आफत में पड़ गई हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। शुक्रवार (22 मई) को विक्रम साओ ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान और बांग्लादेश से धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से कॉल करके मुझे बम से उड़ाने की धमकी दी जा रही है।

मुझे एक वीडियो कॉल आया था, वो एक ग्रुप कॉल थी और उसमें कई लोग मुझे हथियार दिखाकर डरा रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने क्या कहा तो वो बोले कि मैंने डरकर फोन ही काट दिया था। उन्होंने आगे बताया कि उसके बाद बांग्लादेश से मुझे कॉल आई वो फोन पर मारने की धमकियां दे रहे हैं और बहुत गालियां दे रहे थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या तुम जिंदा हो। उन्होंने आगे बताया कि ऑडियो कॉल करके भी मारने की धमकियां दी जा रही हैं। मुझे बहुत कॉल आ रही है, लेकिन मैं रिसीव नहीं कर रहा हूं।

व्हाट्सऐप पर भी मैसेज करके मुझे धमकियां दी जा रही हैं। विक्रम साओ ने आगे कहा कि मेरी जान को खतरा हो गया है। प्रशासन को सूचना देने के बाद सुरक्षा में 2 जवानों की तैनाती की गई है। जब उनसे पूछा गया कि व्हाट्सऐप मैसेज में क्या लिखा है तो उन्होंने बताया कि उसमें कहा गया है कि तुम मेरे टारगेट पर हो और तुम्हारे घर को बम से उड़ा देंगे। उन्होंने कहा कि वो इन सबसे बहुत डरे हुए हैं और उन्हें अपनी जान का खतरा है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ व्हाट्सएप से चलता था धंधा; 2 महिला सरगना समेत 7 गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 22 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के जटनी स्थित साईं विहार इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देह व्यापार के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दो महिला सरगना समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चार युवतियों को रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इलाके में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत मिल रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें यह पूरा नेटवर्क सामने आया। गिरफ्तार मुख्य आरोपियों की पहचान प्रभाती स्वाई और डी। गौरी के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि दोनों साईं विहार इलाके से संगठित तरीके से इस अवैध धंधे का संचालन कर रही थीं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की नौकरी की तलाश कर रही युवतियों को निशाना बनाते थे।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट बंद होने पर

गुस्से में आईं महुआ मोइत्रा, बोलीं- 'आवाज से भी डर रही है'

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुई सटायर पेज 'कॉकरोच जनता पार्टी' का एक्स अकाउंट भारत में बंद कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर अभिव्यक्ति की आजादी दबाने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अकाउंट पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। महुआ मोइत्रा ने इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र नहीं बल्कि 'फासीवाद' है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सरकार देश के युवाओं की ऑनलाइन आवाज से भी डर रही है।

मोइत्रा ने कहा कि विपक्ष को हर दिन ऐसे माहौल में संघर्ष करना पड़ता है। रिपोर्ट् के मुताबिक, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने इस अकाउंट को लेकर 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जुड़ी चिंताएं जताई थीं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत एक्स को अकाउंट

ब्लॉक करने का आदेश दिया। मनीष सिसोदिया ने भी 'कॉकरोच जनता पार्टी' का समर्थन किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जब लड़ाई मगरमच्छ और कॉकरोच के बीच हो, तो मैं गर्व से कॉकरोच जनता पार्टी के साथ खड़ा हूं।' यह सटायर पेज उस विवाद के बाद सामने आया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कथित टिप्पणियों को लेकर बहस छिड़ गई थी। एक सुनवाई के दौरान 'कॉकरोच' और 'परजीवी' जैसे शब्दों के इस्तेमाल की खबरें सामने आई थीं। हालांकि बाद में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और उनकी टिप्पणी फर्जी डिग्री लेकर पेशे में आने वाले लोगों के लिए थी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' का एक्स अकाउंट लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में काफी वायरल हो गया था। अकाउंट पर भारत में रोक लगने से पहले इसके 2 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके थे। अकाउंट बंद होने के तुरंत बाद 'कॉकरोच इज बैक' नाम से नया अकाउंट भी सामने आया, जिसने थोड़े ही समय में हजारों फॉलोअर्स जुटा लिए। हालांकि एक्स पर अकाउंट बंद कर दिया गया है, लेकिन इस समूह का इंस्टाग्राम पेज अब भी सक्रिय है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर इसके 1.4 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। एक पोस्ट में इस पेज ने अपने फॉलोअर्स की तुलना बीजेपी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से भी की।

उल्टी-पेट दर्द और चक्कर

भीषण गर्मी के बीच एनसीसी कैंप में 31 कैडेट्स बीमार, ट्रेनिंग के लिए 450 बच्चे आए थे जबलपुर

जबलपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में भीषण गर्मी के बीच आयोजित एनसीसी ट्रेनिंग कैंप अब कैडेट्स के लिए आफत बन गया। ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में चल रहे एनसीसी कैंप में अचानक तबीयत बिगड़ने से 31 से ज्यादा कैडेट्स बीमार हो गए। इनमें 15 लड़के और 16 लड़कियां शामिल हैं। सभी को एंबुलेंस और अन्य वाहनों की मदद से तत्काल विक्टोरिया जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में 14 मई से एनसीसी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जबलपुर सहित आसपास के जिलों के 450 से ज्यादा कैडेट्स शामिल हुए थे। यह कैंप 24 मई तक चलना था। लेकिन लगातार बढ़ती गर्मी, खुले मैदान में ट्रेनिंग, डिहाइड्रेशन और संभावित फूड पॉइजनिंग के चलते बड़ी संख्या में कैडेट्स की तबीयत बिगड़ गई।

बीमार कैडेट्स ने बताया कि खाना खाने के बाद उन्हें उल्टी, पेट दर्द, घबराहट और कमजोरी महसूस होने लगी। कुछ कैडेट्स ने दूषित पानी पीने की आशंका भी जताई है। जबलपुर में पिछले चार दिनों से तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे हालात और ज्यादा गंभीर हो गए। जिला अस्पताल में भर्ती कैडेट्स की हालत पर डॉक्टरों की टीम लगातार नजर बनाए हुए है। इनमें से 10 कैडेट्स को आईसीयू में भर्ती किया गया है।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है और फिलहाल सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

नेपाल रूट से एक दिन में 274 पर्वतारोही पहुंचे एवरेस्ट पर

काठमांडू, 22 मई (एजेंसियां)। नेपाल की ओर से माउंट एवरेस्ट पर एक दिन में सबसे ज्यादा 274 पर्वतारोहियों ने चढ़ाई कर नया रिकॉर्ड बनाया है। मौसम साफ होने और बर्फ हटने के बाद बुधवार सुबह शुरू हुआ अभियान 11 घंटे तक चला। विशेषज्ञ लगातार एवरेस्ट पर बढ़ती भीड़ और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चेतावनी दे रहे हैं।

नेपाल पर्यटन विभाग के अधिकारी खिमलाल गौतम के मुताबिक, बुधवार को 274 लोगों ने एवरेस्ट फतह किया। इससे पहले 22 मई 2019 को 223 पर्वतारोहियों ने नेपाल की ओर से एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर रिकॉर्ड बनाया था।

इस साल एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए करीब 500 विदेशी पर्वतारोहियों को परमिट जारी किए गए हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में पर्वतारोहियों की लंबी कतारें दिखाई दीं। ये कतारें एवरेस्ट के "डेथ जोन" तक फैली थीं।

डेथ जोन समुद्र तल से 8 हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले हिस्से को कहा जाता है, जहां ऑक्सीजन बेहद कम होती है। नेपाल सरकार ने सितंबर 2024 से एवरेस्ट परमिट फीस 11 हजार डॉलर से बढ़ाकर 15 हजार डॉलर कर दी थी। इसके बावजूद एवरेस्ट पर्यटन में तेजी बनी हुई है।

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान

ओमान के साथ पेमेंट सिस्टम पर बातचीत जारी, अमेरिका बोला– यह मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)। ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर फीस वसूली के सिस्टम को लेकर बातचीत कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नई बनाई गई पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के 'मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया' की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा।

फरवरी में अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रोक दिया था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों में तेजी आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग से राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा शुरू की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसका विरोध किया। दुनिया के करीब 20% समुद्री तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह के शुल्क या प्रतिबंध का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सीधे टोल लगाने के बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है।

दो ईरानी अधिकारियों के मुताबिक ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका के पास युद्ध के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने दावा किया कि होर्मुज में खड़े 1600 तेल जहाज जल्द निकलेंगे, जिससे तेल की कीमतें गिरेंगी।

अमेरिका की धमकियों के बीच ईरान ने दावा किया कि उसके पास कई आधुनिक और अनटेस्टेड हथियार मौजूद हैं। ईरानी सैन्य सूत्रों ने कहा कि अगली बार हमला हुआ तो जवाब बिना किसी संयम के दिया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के साथ तनाव कम करने और सीजफायर बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि इजराइल दोबारा सैन्य कार्रवाई के पक्ष में है। नेतन्याहू सरकार ईरान पर दबाव बनाए रखना चाहती है।

जंग के बीच फिर महंगा हुआ तेल: ईरान युद्ध और सप्लाई संकट की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव और अमेरिकी तेल भंडार में गिरावट से बाजार में चिंता बढ़ी है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों से टोल वसूलता है, तो अमेरिका-ईरान समझौता मुश्किल हो जाएगा। ट्रम्प ने भी कहा कि होर्मुज एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां टोल मंजूर नहीं होगा।

100 साल पुरानी 24 तीर्थंकर प्रतिमाएं बरामद

चतरा, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड के इटखोरी थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से चोरी हुई करीब 100 साल पुरानी अष्टधातु की 24 तीर्थंकर प्रतिमा को बरामद कर लिया है। प्राचीन तीर्थंकर प्रतिमा चोरी मामले पर एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी की इस घटना का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मयूरहंड थाना क्षेत्र के साले गांव निवासी संदीप सिंह के रूप में की गई है।

एसपी अनिमेष नैथानी ने आगे बताया कि पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गई बहुमूल्य प्रतिमा तथा घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को बरामद कर जब्त कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस अष्टधातु प्रतिमा की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि 20 मई को जैन मंदिर से प्रतिमा चोरी होने के बाद इटखोरी थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध कांड संख्या 65/2026, धारा 305(डी) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम गठित की गई।

इसी दौरान चतरा पुलिस टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदीप सिंह को हिरासत में ले लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने जैन मंदिर से चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। इसके बाद उसकी निशानदेही पर अष्टधातु की 24 तीर्थंकर प्रतिमा तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को सकुशल बरामद कर लिया गया।

केरल के बाद अमेरिकी एफ-35बी जेट ने फिर कटाई नाक

2 महीने से छोटे से द्वीप पर फंसा, पहली ही उड़ान में फेल

लंदन, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिका अपने एफ-35 को दुनिया के सबसे ताकतवर पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर के रूप में प्रचारित करता रहा है, लेकिन ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के लिए यह लड़ाकू विमान बार-बार बेइज्जती की वजह बन गया है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने इसी साल मार्च में घोषणा की थी कि उसे लॉकहीड़ मार्टिन से कॉन्ट्रैक्ट के तहत सभी 48 एफ-35बी फाइटर की डिलीवरी मिल गई है। दिलचस्प बात है कि इनमें दो विमान आज तक ब्रिटेन नहीं पहुंचे हैं।

ब्रिटिश रॉयल एयरफोर्स के ये दो एफ-35बी लड़ाकू विमान अपनी पहली डिलीवरी उड़ान के दौरान तकनीकी खरीबी आने के बाद अटलांटिक के अजोरेस द्वीप पर दो महीने से खड़े हैं। 48 विमानों की डिलीवरी के आखिरी बैच के दो विमानों ने टेक्सास के फोर्ट वर्थ स्थित फैक्टरी से उड़ान भरी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते

अजोरेस को लॉजेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी।

अभी तक उस तकनीकी खराबी के बारे में जानकारी नहीं पता चली है, जिसके चलते ये दोनों जेट फंसे हुए हैं। लेकिन यह इस जेट के साथ इकलौता मामला नहीं है। इसके एक साल पहले यह विमान अचानक सुर्खियों में आजा था, जब 14 जून 2025 को इसने केरल के तिरुवनंतपुरम में आपातकालीन लैंडिंग की थी। यह विमान एक रूटीन उड़ान पर था और एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स पर वापसी कर रहा था जब इसे आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा।

इसके बाद एक महीने से ज्यादा समय तक विमान की समस्या सुलझाई नहीं जा सकी और यह वहीं खड़ा रहा। एक समय तो ऐसी खबरें भी आईं कि अगर समस्या ठीक न हो पाई तो इस ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करके ले जाया जाएगा। हालांकि, मरम्मत के बाद 22 जुलाई को विमान ने केरल से उड़ान भरी।

केरल में लंबे समय तक रुकने के चलते एफ-35 का दुनिया भर में मजाक उड़ा और इस पर मीम्स की बाढ़ आई। इसी तरह की घटना 25 मार्च 2025 को हुई, जब अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के एफ-35बी लड़ाकू विमान ने जापान के एक हवाई अड्डे पर एहतियातन लैंडिंग की। पायलट को नियमित उड़ान प्रशिक्षण के दौरान चेतावनी का संकेत मिला। इसके चलते विमान को लंबे समय तक सिविलियन एयरपोर्ट पर रुकना पड़ा था। यह विमान 5 मई 2025 को वहां से रवाना हुआ।

एफ-35बी फाइटर जेट का संचालन रॉयर एयर फोर्स (आरएएफ) और रॉयल नेवी मिलकर करते हैं। ब्रिटेन ने एफ-35 की निर्माता अमेरिकी कंपनी को 48 विमानों का ऑर्डर दिया था। इसमें 46 जेट देश में आ चुके हैं। एक जेट 2021 में हुई दुर्घटना में नष्ट हो गया था। ब्रिटिश सेना विशेष रूप से एफ-35बी विमानों का इस्तेमाल करती है।

प्रशांत महासागर में बनने लगा सुपर अल नीनो

रेकॉर्ड स्तर पर बढ़ सकता है दुनिया में तापमान

वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने मौसम में बड़े बदलाव को लेकर दुनिया को चेताया है। एक्सपर्ट का कहना है कि प्रशांत महासागर में एक संभावित सुपर अल नीनो तेजी से बन रहा है। अल नीनो किस तरह से और कितना दुनिया पर असर डालेगा, यह अस्थिर हवाओं और वायुमंडल में होने वाले बदलावों पर निर्भर करेगा। तेजी से गर्म हो रहा उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर बड़ी घटना की ओर इशारा कर रहा है। हवाओं (ट्रेड विंड) में कमजोरी इसे धीमा या तेज फिर कर सकती हैं, जो अभी तक नहीं हुआ है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये आपसी क्रियाएं बहुत जटिल होती हैं और इनका अनुमान लगाना मुश्किल होता है। इसलिए अभी यह पक्के तौर पर कहना जल्दबाजी होगी कि यह अल नीनो कितना शक्तिशाली हो सकता है। यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन

(एनओएए) ने कहा कि जुलाई तक अल नीनो के बनने की 80 प्रतिशत संभावना है।

भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के मुख्य अल नीनो क्षेत्रों में समुद्र का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इससे सतह के नीचे असामान्य रूप से गर्म पानी का एक बहुत बड़ा भंडार जमा हो रहा है। कई प्रमुख मौसम एजेंसी अनुमान लगा रही हैं कि इस साल के आखिर में प्रशांत महासागर का तापमान औसत से 2.5 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा बढ़ सकता है।

साल 1877/78 में दर्ज किए गए पहले बड़े अल नीनो के बाद से केवल तीन घटनाओं- 1982/83, 1997/98 और 2015/16 में तापमान ने 2 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार की है। यूके मेट ऑफिस में लंबी अवधि के पूर्वानुमान के प्रमुख एडम स्केफ ने कहा कि यह अल नीनो सबसे शक्तिशाली और रिकॉर्ड तोड़ने वाला हो सकता है। ऐसा लगता है कि यह बड़ी घटना होगी।

सबसे मजबूत अल नीनो की एक खास पहचान यह है कि भूमध्य रेखा के पार पूरब से पश्चिम की ओर बहने वाली हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। ये हवाएं अप्रत्याशित होती हैं और अचानक तेज हो सकती हैं। जब ऐसा होता है तो अल नीनो का बढ़ना रुक जाता है या फिर यह उल्टा भी हो सकता है। इसकी कई महीने पहले से भविष्यवाणी नहीं कर सकते।

एनओएए ने अनुमान लगाया है कि इस घटना के 2 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा तक पहुंचने की एक-तिहाई संभावना है। यह सुपर अल नीनो क्षेत्र में प्रवेश करने जैसा होगा। वहीं एनओएए की अल नीनो-दक्षिणी दोलन की प्रमुख मिशेल एल ह्यूरेक्स ने कहा कि इस पहेली के मुख्य हिस्से अभी तक अपनी जगह पर नहीं आए हैं।

बांग्लादेश में भारत विरोधी प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत से खफा कट्टरपंथियों ने उगला जहर

ढाका, 22 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार को भारत-विरोधी जुलूस निकाला गया है। यह जुलूस जुमे की नमाज के बाद निकाला गया, जिसका नेतृत्व इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों और दक्षिणपंथी रुझान वाले दलों ने किया। सैकड़ों की तादाद में लोग ढाका की सड़कों पर निकले और भारत विरोधी नारेबाजी करते हुए कई आरोप लगाए। जुलूस में शामिल लोगों ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों के साथ ज्यादती की जा रही है। इसलिए वह सड़कों पर उतरकर विरोध जता रहे हैं।

बांग्लादेश के चर्चित पत्रकार सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने बताया है कि ढाका में शुक्रवार को निकाला गया भारत विरोधी जुलूस 'पश्चिम बंगाल चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद मुसलमानों पर अत्याचार' के विरोध में था। चौधरी ने बताया है कि बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी और इस्लामी संगठन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी के समर्थन में रहे हैं। शोएब चौधरी के शेयर किए गए वीडियो में सैकड़ों लोगों को पोस्टर लहराते और नारेबाजी करते देखा जा सकता है।

बांग्लादेश में मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी समेत कई गुट लगातार भारत विरोधी राजनीति करते रहे हैं। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन में यह विरोध काफी ज्यादा बड़ गया था। यूनुस के समय में लगातार भारत विरोधी प्रदर्शन और बयान देखने को मिले थे। मोहम्मद यूनुस से ऐसे तत्वों को लगातार सरंक्षण भी मिलता दिखा था। तारिक रहमान के पीएम बनने के बाद बांग्लादेश ने भारत से रिश्ते सुधारने की कोशिश की और इस तरह के प्रदर्शनों में कमी आई। तारिक के पीएम बनने के बाद से ढाका की सड़कों पर भारत विरोधी नहीं उतरे थे लेकिन शुक्रवार को यह क्रम टूटा है। ऐसे में यह देखना होगा कि तारिक रहमान की सरकार इनसे किस तरह से निपटती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली है। बीजेपी ने ममता बनर्जी की टीएमसी को हराकर सत्ता हासिल की है। बीजेपी की इस जीत पर बांग्लादेश से लगातार बयान आए हैं।

ईरान के चक्कर काट रहे पाकिस्तानी मंत्री

इस्लामाबाद 2.0 की जद्दोजहद, खाली हाथ रह जाने से डरे मुनीर-शहबाज

तेहरान, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के नेताओं ने हालिया दिनों में लगातार ईरान के दौरे किए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी बीते एक हफ्ते में दो बार तेहरान की यात्रा कर चुके हैं। पाकिस्तान की कोशिश है कि ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध टूटे और दोनों देश समझौते पर पहुंचे। इस्लामाबाद में अप्रैल में दोनों देशों की वार्ता को पाकिस्तानी नेताओं ने दुनिया में अपने देश का कद बढ़ने की तरह पेश किया था। ऐसे में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता में दोनों देशों में कोई डील हो जाए। ईरान-अमेरिका में तनाव के चलते पाकिस्तानियों को डर है कि मध्यस्थ के तौर पर खाली हाथ ना रह जाए। ट्रिब्यून के मुताबिक,

पाकिस्तान दूसरे क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर ईरान-अमेरिका में स्टैंडबाय समझौते के लिए जोर दे रहा है।

इस समझौते का मकसद ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को औपचारिक रूप से खत्म करना है। साथ ही उन विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक ढांचा तैयार करना है, जो दोनों मुल्कों के बीच मतभेद पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कुछ ही दिनों के भीतर दो बार तेहरान की यात्रा की है और वहां अपनी बातचीत जारी रखी है।

नकवी ने ईरानी नेतृत्व के तकरीबन सभी प्रमुख व्यक्तियों से मुलाकात की है। इनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि उनकी सरकार अमेरिका की ओर से आए एक नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। अमेरिका के इस प्रस्ताव को पाकिस्तान ने तेहरान तक पहुंचाया है।

सूत्रों ने बताया कि पिछले प्रस्तावों के विपरीत इस नई पहल का मकसद मौजूदा गतिरोध को तोड़ना है। यह असल में एक स्टैंडबाय व्यवस्था है, जिसे दोनों पक्षों को पीछे हटने का एक सुरक्षित रास्ता देने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस नए प्रस्ताव का मूल उद्देश्य शत्रुता को औपचारिक रूप से समाप्त करना है।

छत्तीसगढ़ में 5 दिन हीटवेव का अलर्ट

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गर्मी लगातार बढ़ रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश के मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अगले 5 दिनों तक अलग-अलग इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना जताई है।

वहीं अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसके बाद तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। वहीं सुबह 11 से 12 बजे के बीच घर से न निकलें।

इस एक घंटे के दौरान प्रदेश में यूवी रेज की तीव्रता एक्सट्रीम लेवल पर होगी। यानी इस बीच अगर आप सीधे सन लाइट के कान्टैक्ट में आते हैं तो आपकी त्वचा और आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है।

25 घरों में बिजली-पानी की सप्लाई काटी गई

बोकारो, 22 मई (एजेंसियां)। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के टाउन एंड एडमिनिस्ट्रेशन विभाग ने शुक्रवार को अवैध बिजली और पानी कनेक्शन के खिलाफ अभियान चलाया। यह कार्रवाई बोकारो निवास के पीछे स्थित बस्ती क्षेत्र में की गई।

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों के विरोध और झड़प में एक होमगार्ड जवान घायल हो गया, जिसे बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस बस्ती में पिछले लगभग 10 वर्षों से लोग अवैध रूप से बिजली और पानी का उपयोग कर रहे थे। कई बार चेतावनी और समझाने के बावजूद भी अवैध कनेक्शन हटाने को तैयार नहीं थे। लगभग 25 ऐसे घर चिन्हित किए गए थे, जहां अवैध बिजली कनेक्शन के जरिए लाइट, पंखा समेत अन्य उपकरण चलाए जा रहे थे। इससे टाउनशिप क्षेत्र में बिजली पर अतिरिक्त लोड बढ़ रहा था। इसके अलावा, कई घरों में पानी की अवैध पाइपलाइन भी बिछाई गई थी, जिससे जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। अभियान के दौरान बीएसएल के सुरक्षाकर्मी और होमगार्ड जवान भी संयुक्त टीम के साथ मौजूद थे। टीम ने बस्ती में पहुंचकर अवैध बिजली के तार काटे और पानी की पाइपलाइन हटाई। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शन तोड़े गए। इसी बीच, बस्ती के कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया, जिसके कारण होमगार्ड जवानों और स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी हुई।

देश के गृह मंत्री ने कहा शेख हसीना कानूनी प्रक्रिया से वापस लौटें

मृत्युदंड का कर रही हैं सामना

ढाका, 22 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा है कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लाना चाहती है। यह टिप्पणी हसीना की हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने मृत्युदंड का सामना करने के बावजूद बहुत जल्द घर लौटने की उम्मीद जताई थी। हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं, जब छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद उनकी अवामी लीग सरकार को गिरा दिया गया था।

अहमद ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, हम उन्हें कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें हसीना की वापसी में कोई कानूनी बाधा नहीं दिखती, यदि वह ऐसा करना चाहें। हसीना को नवंबर 2025 में एक

न्यायाधिकरण द्वारा अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया गया था, जिसकी उनके समर्थकों ने आलोचना की थी। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया था और हसीना के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। फरवरी में सत्ता में आई बीएनपी सरकार ने अवामी लीग पर प्रतिबंध के अंतरिम सरकार के फैसले का समर्थन किया। गृह मंत्री अहमद की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना मामलों के सलाहकार जाहेदुर रहमान के बयान के एक दिन बाद आई है। जाहेदुर रहमान ने कहा था कि यदि हसीना बांग्लादेश लौटती हैं तो उनके खिलाफ कोई अतिरिक्त-न्यायिक उपाय नहीं किए जाएंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व प्रधानमंत्री को न्यायपालिका के सामने आत्मसमर्पण करना होगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही का सामना करना होगा। ढाका में स्थानीय मीडिया ने कानूनी विशेषज्ञों के हवाले से बताया है कि न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है।

हाल ही में कुछ भारतीय मीडिया आउटलेट्स को दिए साक्षात्कारों में हसीना ने कहा था कि वह बहुत जल्द बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह सिर ऊंचा करके लौटेंगी और निर्वासन से ही अवामी लीग का नेतृत्व जारी रखने का इरादा रखती हैं। उन्होंने बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व की लोकतांत्रिक गिरावट और देश में बढ़ते भारत-विरोधी बयानबाजी को लेकर आलोचना की। हसीना ने मौजूदा सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया।

हसीना को नवंबर 2025 में एक पुनर्गठित अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया गया था। ढाका के कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इस फैसले को चुनौती देने की समय सीमा अब समाप्त हो चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वापसी पर उन्हें कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करना होगा और न्यायपालिका के सामने आत्मसमर्पण करना होगा।

राहुल दुबे गिरोह का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

रामगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में हुई गोलीबारी के मामले में राहुल दुबे गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपक करमाली उर्फ नेपाली को पतरातू क्षेत्र से पकड़ा गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसडीपीओ राघवेंद्र ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दीपक करमाली उर्फ नेपाली पतरातू थाना क्षेत्र के उच्चरिंगा में देखा गया है। इस सूचना के आधार पर रामगढ़ एसपी को अवगत कराया गया, जिसके बाद एक छापेमारी दल का गठन किया गया।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपक करमाली को आंगनबाड़ी उच्चरिंगा के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दीपक करमाली ने बताया कि वह पहले अमन साव गैंग के लिए काम करता था, लेकिन वर्तमान में राहुल दुबे गिरोह से जुड़ा है। उसने 29 मार्च 2026 को एम.जी.सी.पी.एल. कंपनी (रेलवे ओवर ब्रिज) पर फायरिंग और बम फेंकने की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। इसके अलावा, 12 अप्रैल 2026 को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में राहुल दुबे के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर गोलीबारी की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में भी उसकी भूमिका थी। पुलिस ने दीपक करमाली की निशानदेही पर एक देशी पिस्तौल भी बरामद की है। उसे पतरातू थाना कांड संख्या बीएनएस के तहत रंगदारी और आर्म्स एक्ट के आरोपों में न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

पुरी के बेड़ी हनुमान : जब भक्तों की रक्षा के लिए प्रभु ने अपने प्रिय सेवक को ही बांध दिया

कभी-कभी भारत की आस्था भूमि में ऐसी कथाएं जन्म लेती हैं जो केवल धार्मिक आख्यान नहीं रह जातीं, बल्कि जीवन-दर्शन का स्वरूप ग्रहण कर लेती हैं। ओडिशा की पवित्र नगरी पुरी में स्थित बेड़ी हनुमान मंदिर की कथा भी ऐसी ही एक अद्भुत गाथा है। यह केवल एक मंदिर की कहानी नहीं है, बल्कि यह कर्तव्य, विश्वास, अनुशासन और भगवान-भक्त के बीच उस अनूठे संबंध की कथा है, जहां बंधन भी प्रेम का रूप बन जाता है। जब पुरी के समुद्र तट पर सूर्य की पहली किरणें जल की सतह को स्वर्णिम रंग में रंगती हैं और दूर तक उठती समुद्री लहरें अपनी गर्जना से वातावरण को भर देती हैं, तब ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रकृति स्वयं किसी प्राचीन कथा को दोहराने लगी हो। समुद्र की वे उठती लहरें और उनके सामने सदियों से अडिग खड़े हनुमान, दोनों मानो किसी मौन संवाद में आज भी व्यस्त हैं।
भगवान जगन्नाथ का मंदिर चार धाम में से एक माना जाता है. यह मंदिर विष्णु जी के अवतार भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) को समर्पित है. भगवान यहां अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं. इस मंदिर के बारे में बहुत से लोग जानते होंगे. लेकिन यहां जगन्नाथ मंदिर की रक्षा श्रीराम के परम भक्त और संकटों को हरने वाले संकटमोचन हनुमान करते हैं. लोक मान्यता है कि मालवा के राजा इंद्रद्युम्न ने जगन्नाथ मंदिर का निर्माण करवाया था. कहते हैं कि भगवान विष्णु ने स्वयं दर्शन देकर उन्हें यह मंदिर बनवाने का आदेश दिया था, जिसकी रक्षा आज भी हनुमान जी करते हैं. कहते हैं कि यहां कण-कण में हनुमान वास करते हैं. जगन्नाथ मंदिर के पास ही रामदूत हनुमान जी का भी एक मंदिर है, जिसे बेड़ी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है. 'बेड़ी हनुमान' का शाब्दिक अर्थ है 'जंजीर वाले हनुमान' और इस नाम के पीछे एक दिलचस्प कहानी है. इस मंदिर को दरिया महावीर मंदिर भी कहा जाता है. जहां 'दरिया' का अर्थ समुद्र और 'महावीर' का अर्थ भगवान हनुमान है. ऐसी मान्यता है कि जगन्नाथ पुरी को समुदके प्रकोप से बचाना हनुमान जी का कर्तव्य है.
समुद्र और श्रद्धा का मिलन होता है

कहते हैं यह संवाद आज का नहीं, सदियों पुराना है। वह समय था जब जगन्नाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही थी। देश के विभिन्न भागों से भक्त लंबी यात्राएं तय कर पुरी पहुंचते थे। कोई पैदल आता था, कोई बैलगाड़ियों से, कोई तपती धूप और वर्षा की कठिनाइयों को पार करके यहां पहुंचता था। उनके मन में केवल एक ही इच्छा होती थी, जगन्नाथ के दर्शन। लेकिन समुद्र जैसे उनकी परीक्षा लेने लगा था।

भगवान ने अपने भक्त को सौंपा समुद्र की रक्षा का कार्य

लोककथाओं में कहा जाता है कि उस समय समुद्र अपनी सीमाओं को बार-बार लांघने का प्रयास करता था। उसकी ऊंची उठती लहरें नगर की ओर बढ़ आती थीं। कई बार श्रद्धालुओं को भय का सामना करना पड़ता था। लोग चिंतित रहने लगे कि यदि समुद्र इसी प्रकार आगे बढ़ता रहा तो भक्तों की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी। तब भगवान जगन्नाथ ने अपने सबसे विश्वसनीय सेवक को स्मरण किया। वह सेवक था, असीम शक्ति का स्वामी, रामभक्ति का सर्वोच्च प्रतीक, संकटों को पल भर में हर लेने वाला पवनपुत्र हनुमान। कथा कहती है कि भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी से कहा, हे महावीर! भक्तों की रक्षा हमारा प्रथम धर्म है। तुम समुद्र तट पर रहकर इसकी मर्यादा पर दृष्टि रखो और इसे सीमा लांघने से रोको। हनुमान जी ने बिना किसी प्रश्न के प्रभु की आज्ञा स्वीकार कर ली। यह उनका स्वभाव भी था। रामकथा से लेकर जगन्नाथ धाम तक उनकी पहचान आदेश के पालन में रही है। उन्होंने समुद्र के समीप अपना स्थान ग्रहण किया और समुद्र पर अपनी दृष्टि बनाए रखी।

सुरेश गांधी

वह प्रसंग जिसने जन्म दिया बेड़ी हनुमान को

कहते हैं, इसके बाद समुद्र शांत हो गया। उसकी लहरें मर्यादा में रहने लगीं। भक्त निर्भय होकर आने लगे। लोगों के मन में यह विश्वास बैठ गया कि अब स्वयं हनुमान उनकी रक्षा कर रहे हैं। लेकिन कथा यहां समाप्त नहीं होती। एक दिन ऐसा आया जब हनुमान जी अपने निर्धारित स्थान से कुछ समय के लिए हट गए। लोकविश्वास इस प्रसंग को कई प्रकार से कहता है। कुछ कथाएं बताती हैं कि वे महाप्रसाद की ओर आकर्षित होकर चले गए, तो कुछ यह कहती हैं कि जब भी हनुन के कान में राम नाम के भजन पड़ते या उनके कीर्तन की आवाज उन्हें सुनाई देती, वो पहरेदारी छोड़ उस स्थान पर चले जाते. उधर समुद्र जैसे अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था। जैसे ही उसने देखा कि उसका प्रहरी अपने स्थान पर नहीं है, वह फिर अपनी सीमा से आगे बढ़ने लगा। ऊंची लहरों ने लोगों में भय उत्पन्न कर दिया। भक्तों में चिंता फैल गई। जब यह बात भगवान जगन्नाथ तक पहुंची तो उन्होंने हनुमान जी को बुलाया। लेकिन यहां कथा का सबसे सुंदर और भावनात्मक पक्ष सामने आता है। भगवान ने हनुमान को दंडित नहीं किया। उन्होंने उनकी शक्ति पर प्रश्न नहीं उठाया। उन्होंने केवल भक्तों की सुरक्षा को सर्वोच्च माना। कथा कहती है कि तब भगवान ने हनुमान जी को प्रेमपूर्ण आदेश के साथ बेड़ियों में बांध दिया ताकि वे अपने स्थान से कहीं न जाएं और सदैव भक्तों की रक्षा करते रहें। इसी कारण उनका यह स्वरूप बेड़ी हनुमान कहलाया। मान्यता है कि हनुमान जी भगवान जगन्नाथ के उस आदेश का आज तक पालन कर रहे हैं।

25 मई को रोहिणी नक्षत्र में सूर्य का प्रवेश

ये 5 राशिवाले लगाएंगे ऊंची छलांग

सूर्य 25 मई को दोपहर 3:44 बजे चंद्रमा के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश करने वाले हैं। इस दिन से लेकर 8 जून को दोपहर 1:39 बजे तक सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। 25 मई से ही नौतपा का प्रारंभ हो रहा है, जिससे भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में आने से मेष समेत 5 राशिवाले अपनी लाइफ में ऊंची छलांग लगाएं।

सूर्य के नक्षत्र गोचर करने से ये 5 राशिवालो की करियर के क्षेत्र में पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी, समाज में मान-सम्मान की वृद्धि होगी, वहीं धन, आमदनी में इजाफा होने की उम्मीद है

वृषभः रोहिणी में सूर्य का प्रवेश वृषभ राशिवालों को धन लाभ और रुपए कमाने के अवसर देगा। 25 मई से 8 जून के बीच आप कोई नई कार या वाहन खरीद सकते हैं। आप पर लक्ष्मी कृपा होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं, इसकी वजह से आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपका सोशल नेटवर्क मजबूत होगा, जो आगे आपके काम में लाभ देगा।

सिंहः सिंह राशि के स्वामी ग्रह सूर्य हैं और इनका नक्षत्र परिवर्तन आपके लिए शुभ फलदायी होगा। करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे, वहीं शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता के लिए समय अनुकूल है, मेहनत करें, कामयाबी मिल सकती है। इस समय में निवेश से अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपका आत्म विश्वास मजबूत होगा। पिता का सहयोग मिलेगा।

कन्याः सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन कन्या वालों को प्रॉपर्टी का लाभ दे सकता है। इस समय में आप कोई जमीन, मकान, प्लॉट, दुकान या गाड़ी खरीद सकते हैं। आपको कोई पुराना अटका हुआ काम सफल हो सकता है। इससे आप खुश होंगे। करियर में भाग्य का साथ मिलेगा, इससे आप आगे बढ़ सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन सुखमय होगा और कष्ट दूर होंगे

धनुः रोहिणी में सूर्य का गोचर धनु वालों की किस्मत चमका सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जॉब की खुशखबरी मिल सकती है, वहीं बिजनेस करने वालों को कोई बड़ी डील मिल सकती हैं, जिससे बड़ा धन लाभ कमा सकते हैं। इस समय में आपकी आमदनी अच्छी रहेगी, इससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। समय अनुकूल है, ऐसे में कोई नया काम करना चाहें तो कर सकते।

33 करोड़ देवी-देवताओं के बीच कौआ क्यों हुआ नाराज ?

राजगीर में मलमास आते ही क्यों नहीं दिखता 1 भी कौआ ?

भारत में ऐसी कई जगहें हैं जहां आस्था, रहस्य और लोककथाएं आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं। बिहार का राजगीर भी उन्हीं खास जगहों में गिना जाता है। यहां मलमास शुरू होते ही एक ऐसी अनोखी घटना देखने को मिलती है, जिसे सुनकर लोग चौंक जाते हैं। कहा जाता है कि पूरे एक महीने तक राजगीर में एक भी कौआ दिखाई नहीं देता। आम दिनों में हर गली-मोहल्ले और पेड़ों पर नजर आने वाले कौए आखिर अचानक कहां चले जाते हैं, यह सवाल आज भी लोगों के मन में बना हुआ है।

स्थानीय लोग इसे सतयुग से जुड़ी कथा मानते हैं। धार्मिक मान्यताओं, कुंडों की पवित्रता और 33 करोड़ देवी-देवताओं के निवास से जुड़ी कहानियां इस रहस्य को और भी दिलचस्प बना देती हैं। मलमास के दौरान यहां लगने वाला मेला भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन जाता है।

मलमास शुरू होते ही क्यों गायब हो जाते हैं कौए ?

बिहार के नालंदा जिले में मौजूद राजगीर अपनी ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, लेकिन मलमास के दौरान यहां होने वाली एक अनोखी घटना लोगों की जिज्ञासा बढ़ा देती है। मान्यता है कि पूरे अधिक मास में यहां एक भी कौआ नजर नहीं आता। स्थानीय पंडितों और बुजुर्गों के मुताबिक इसके पीछे सतयुग की एक कथा जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र राजा वसु ने राजगीर के ब्रह्मकुंड परिसर में एक विशाल यज्ञ कराया था। इस यज्ञ में 33 करोड़ देवी-देवताओं को निमंत्रण दिया गया, लेकिन भूलवश कौए को आमंत्रित नहीं किया गया। इसी बात से नाराज होकर कौए ने राजगीर छोड़ दिया। तभी से यह मान्यता चली आ रही है कि मलमास लगते ही कौए राजगीर से दूर चले जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि स्थानीय लोग आज भी इस घटना को आस्था से जोड़कर देखते हैं।

राजगीर के कुंडों का रहस्य भी कम दिलचस्प नहीं

राजगीर सिर्फ कौओं के रहस्य के लिए ही नहीं, बल्कि यहां मौजूद पवित्र कुंडों के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ब्रह्माजी ने यहां 22 कुंड और 52 जलधाराओं का निर्माण करवाया था।

क्यों बनाए गए थे इतने कुंड?

कहा जाता है कि यज्ञ के दौरान देवी-देवताओं को स्नान करने में परेशानी हो रही थी। इसी वजह से अलग-अलग कुंड और जलधाराएं बनाई गईं ताकि सभी देवता आराम से स्नान कर सकें। वैभारगिरी पर्वत के आसपास मौजूद गर्म जलकुंड आज भी लोगों को आकर्षित करते हैं। यहां का ब्रह्मकुंड सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। इसे पाताल गंगा भी कहा जाता है। कुंड का पानी हमेशा गर्म रहता है, जिसे लेकर भी कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं।

मलमास मेले में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भारी भीड़

अधिक मास को भगवान विष्णु की पूजा के लिए बेहद शुभ माना जाता है। यही वजह है कि राजगीर में हर मलमास पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस दौरान बिहार ही नहीं बल्कि देश के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। सुबह होते ही कुंडों के आसपास स्नान और पूजा करने वालों की भीड़ लग जाती है। कई लोग मानते हैं कि यहां स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। राजगीर के बाजारों में भी इस दौरान अलग ही रौनक देखने को मिलती है। धार्मिक वस्तुओं, प्रसाद और पूजा सामग्री की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रहती है।

आस्था और रहस्य का अनोखा संगम है राजगीर

भारत में धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी कहानियां हमेशा लोगों को आकर्षित करती रही हैं। राजगीर का यह रहस्य भी उन्हीं में से एक है। वैज्ञानिक तौर पर भले ही इसका कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया हो, लेकिन आस्था रखने वाले लोग इसे चमत्कार मानते हैं। कई पर्यटक सिर्फ इस बात को देखने के लिए मलमास के दौरान राजगीर पहुंचते हैं कि क्या सच में वहां कौए नजर नहीं आते।

वहीं स्थानीय लोग इसे सदियों पुरानी परंपरा और देवताओं के आशीर्वाद से जोड़कर देखते हैं। राजगीर की यही खासियत इसे बाकी धार्मिक स्थलों से अलग बनाती है। यहां इतिहास, पौराणिक कथाएं और लोकविश्वास एक साथ देखने को मिलते हैं।

राजगीर का यह रहस्य आज भी लोगों के लिए कौतूहल बना हुआ है। मलमास के दौरान कौओं का गायब होना, पवित्र कुंडों की मान्यताएं और देवी-देवताओं से जुड़ी कथाएं इस शहर को बेहद खास बना देती हैं। यही वजह है कि हर साल हजारों लोग यहां आस्था और रहस्य का अनुभव करने पहुंचते हैं।

नौतपा के 9 दिन क्यों माने जाते हैं बेहद पवित्र

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में नौतपा का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तभी से नौतपा आरंभ होता है और शुरुआती 9 दिनों तक इसका प्रभाव रहता है। इस दौरान सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह समय केवल मौसम परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि तप, दान और पुण्य का भी विशेष काल माना जाता है। नौतपा इस साल 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा।

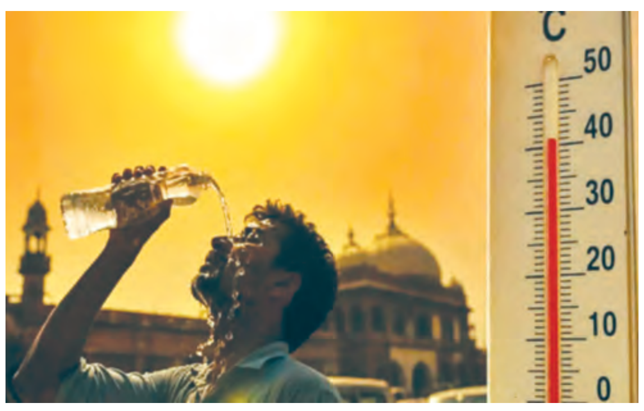

हिंदू धर्म में नौतपा का महत्व

पवन शास्त्री बताते हैं कि नौतपा का संबंध केवल तापमान बढ़ने से नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक साधना और आत्मशुद्धि का भी समय माना जाता है। इन 9 दिनों में श्रद्धालु पूजा-पाठ, तपस्या और दान-पुण्य कर विशेष फल की प्राप्ति करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि नौतपा के दौरान किए गए दान से पितरों और देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। विशेष रूप से पवित्र नदियों, तालाबों और तीर्थ स्थलों के किनारे दान करने का विधान बताया गया है। इस दौरान सत्तू, घड़ा, छाता, शीतल जल, पंखा और अन्य शीतल वस्तुओं का दान करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है।

नौतपा में भगवान सूर्य की आराधना का भी विशेष महत्व

मान्यता है कि गर्मी में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने वाले ये दान व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आते हैं। नौतपा में भगवान सूर्य की आराधना का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु प्रतिदिन सुबह स्नान के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि सूर्य उपासना करने से सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में ऊर्जा व स्वास्थ्य बना रहता है।

दान-पुण्य का महत्व

रामनगरी अयोध्या में नौतपा के दौरान सरयू घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। बड़ी संख्या में लोग सरयू स्नान कर दान-पुण्य करते हैं और पितरों की शांति के लिए पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक दृष्टि से ये 9 दिन बेहद पवित्र और फलदायी माने जाते हैं, इसलिए श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव के साथ इस अवसर को मनाते हैं।

फर्श पर चलती छिपकली देती है खास संकेत!

घर की दीवार पर अचानक छिपकली दिख जाए तो कई लोग डर जाते हैं, जबकि कुछ लोग इसे आने वाले समय का संकेत मानते हैं। भारतीय ज्योतिष, शकुन शास्त्र और वास्तु मान्यताओं में छिपकली को सिर्फ एक जीव नहीं बल्कि ऊर्जा और भविष्य से जुड़ा संकेतक माना गया है। खासतौर पर त्योहारों, पूजा-पाठ या नए काम की शुरुआत के दौरान छिपकली दिखना लोगों की जिज्ञासा बढ़ा देता है। कई घरों में बुजुर्ग आज भी कहते हैं कि छिपकली का दिखना मां लक्ष्मी के आगमन का इशारा हो सकता है। वहीं कुछ स्थितियों में इसे चेतावनी के रूप में भी देखा जाता है। वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, छिपकली किस जगह पर दिखाई देती है और उसकी स्थिति कैसी है, इसका असर शुभ और अशुभ संकेतों पर पड़ता है। यही वजह है कि ज्योतिष और वास्तु में छिपकली से जुड़े संकेतों को गंभीरता से समझा जाता है।

पूजा घर के पास छिपकली दिखना क्यों माना जाता है शुभ ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि घर के मंदिर या पूजा स्थल के आसपास छिपकली दिखाई दे तो इसे बेहद सकारात्मक संकेत माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा होने पर घर में सुख-समृद्धि और धन आगमन के योग बनते हैं। कई लोग इसे मां लक्ष्मी की कृपा से जोड़कर भी देखते हैं।

पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि पूजा स्थान के आसपास सकारात्मक ऊर्जा अधिक सक्रिय रहती है। ऐसे में वहां छिपकली का दिखना आने वाले शुभ समय का संकेत हो सकता है। खासकर दीपावली, अक्षय तृतीया या किसी मांगलिक कार्य के दिन यह संकेत अधिक शुभ माना जाता है।

फर्श पर चलती छिपकली देती है आर्थिक संकेत

अगर घर में छिपकली फर्श पर चलती हुई दिखाई दे तो इसे आर्थिक लाभ का संकेत माना जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार यह रुका हुआ धन वापस मिलने या आय के नए स्रोत खुलने की ओर इशारा करता है।
ग्रामीण इलाकों में आज भी लोग मानते हैं कि अचानक फर्श पर छिपकली दिखना आने वाले अच्छे समाचार का प्रतीक हो सकता है। हालांकि इसे अंधविश्वास नहीं बल्कि पारंपरिक मान्यता के रूप में देखा जाता है।

अनाज के पास छिपकली दिखना

चावल, गेहूं या रसोई के अनाज रखने वाले स्थान के आसपास छिपकली दिखाई देना भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे घर में बरकत बनी रहती है और अन्न की कभी कमी नहीं होती।
पुराने समय में लोग इसे परिवार की आर्थिक स्थिरता और खुशहाली से जोड़ते थे। इसलिए कई जगहों पर इसे सकारात्मक संकेत माना जाता है।

नए घर में पहली बार छिपकली दिखे तो क्या होता है ?

यदि नए घर में प्रवेश के दौरान पहली बार छिपकली दिखाई दे तो इसे पूर्वजों के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार यह संकेत बताता है कि घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहेगी। गृह प्रवेश के समय ऐसे संकेतों को कई परिवार आज भी शुभ संकेत मानकर पूजा-पाठ करते हैं।

कब माना जाता है छिपकली दिखना अशुभ ?

हर स्थिति में छिपकली का दिखना शुभ नहीं माना जाता। अगर घर में दो छिपकलियां आपस में लड़ती दिखाई दें तो यह परिवार में विवाद या मानसिक तनाव का संकेत माना जाता है। वहीं मरी हुई छिपकली दिखना नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक समझा जाता है।
वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के मुताबिक, घर में अचानक बहुत अधिक संख्या में छिपकलियां दिखाई देना राहु के कमजोर प्रभाव की ओर इशारा कर सकता है। इससे मानसिक भ्रम और तनाव की स्थिति बन सकती है।

काली छिपकली का संकेत

काले रंग की छिपकली को कई ज्योतिष मान्यताओं में अशुभ माना गया है। इसे आने वाली परेशानियों या किसी अप्रिय घटना का संकेत समझा जाता है। हालांकि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इन बातों को डर की बजाय पारंपरिक संकेतों के रूप में समझना चाहिए।

जब व्यक्ति सत्य को अपनाता है, तब उसके भीतर उदारता और सकारात्मक विचार आने लगते हैं

जब व्यक्ति सत्य को अपनाता है, तब उसके भीतर उदारता और श्रेष्ठ विचारों का विकास होने लगता है। वह अपने मन को शुभ संकल्पों से बार-बार प्रेरित करता है और अच्छे कर्मों में रुचि लेने लगता है। अच्छे कामों के लिए प्रेम और निष्ठा से हमारा व्यक्ति निखरता है। सत्य, प्रेम, निष्ठा से व्यक्ति को समाज में मान-सम्मान मिलता है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 23 मई - 2026

अर्थव्यवस्था की अग्निपरीक्षा

दुनिया इस समय लगातार बढ़ती वैश्विक अस्थिरता, युद्ध और आर्थिक संकटों के दौर से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अब ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है। इसका असर केवल युद्धग्रस्त क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और बढ़ती महंगाई ने देश की आर्थिक चुनौतियों को और कठिन बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भारत की विकास दर के अनुमान में कटौती की है। यह चिंता की बात जरूर है, लेकिन भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। वैश्विक संकटों के बीच भी भारत ने अपनी आर्थिक स्थिति को जिस प्रकार संभालने की कोशिश की है, वह अन्य कई देशों की तुलना में बेहतर दिखाई देता है। लेकिन आने वाले समय में चुनौतियां गंभीर हो सकती हैं। भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक ऊर्जा आयात पर निर्भर है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। जब तेल महंगा होता है, तब परिवहन से लेकर उत्पादन तक हर क्षेत्र की लागत बढ़ जाती है। इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ता है। महंगाई बढ़ती है, खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तबके तक हर व्यक्ति आर्थिक दबाव महसूस करने लगता है। यही कारण है कि वैश्विक युद्ध और तनाव केवल सीमा तक सीमित मुद्दे नहीं रहते, बल्कि वे आम नागरिक के रसोईघर तक पहुंच जाते हैं। इसके साथ ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का संकट भी भारत के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। दुनिया के कई देशों में युद्ध और राजनीतिक तनाव के कारण व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। आयात-निर्यात की गति धीमी पड़ रही है और उद्योगों के सामने कच्चे माल की उपलब्धता का संकट खड़ा हो रहा है। यदि यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर रोजगार, उत्पादन और निवेश पर भी दिखाई देगा। हालांकि इन कठिन परिस्थितियों के बीच भारत ने कई सकारात्मक कदम भी उठाए हैं। सरकार ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, घरेलू उत्पादन और आत्मनिर्भरता पर जोर बढ़ाया है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, आधारभूत संरचना और विनिर्माण क्षेत्र में लगातार निवेश किया जा रहा है। यही कारण है कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत निवेशकों के लिए एक बड़ा बाजार बना हुआ है। दुनिया की कई बड़ी कंपनियां अब भारत को उत्पादन और व्यापार के नए केंद्र के रूप में देख रही हैं। लेकिन इसके लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं होंगे। आर्थिक मजबूती के लिए नीतियों में स्थिरता, रोजगार सृजन और आम लोगों की क्रय शक्ति को मजबूत करना भी जरूरी है। यदि महंगाई लगातार बढ़ती रही और आम आदमी की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ी, तो आर्थिक विकास का लाभ सीमित वर्ग तक ही सिमट जाएगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास के साथ सामाजिक संतुलन भी बना रहे। आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अवसर और संकट दोनों साथ-साथ मौजूद हैं। दुनिया की अस्थिर परिस्थितियों के बीच भारत के पास खुद को मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने का मौका भी है और आर्थिक दबावों से जूझने की चुनौती भी। ऐसे समय में दूरदर्शी नीतियां, मजबूत कूटनीति और आर्थिक अनुशासन ही देश को सुरक्षित दिशा दे सकते हैं।

इबोला की खतरनाक चुनौती से परेशान दुनिया

मनोज कुमार अग्रवाल

अब दुनिया को एक और वायरस चुनौती देने के लिए दस्तक दे रहा है दुनिया ने कोरोना महामारी के दौरान यह कड़वा अनुभव कर लिया था कि कोई भी वायरस केवल किसी एक देश या महाद्वीप की समस्या नहीं होता। आज अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों ने मामलों ने फिर यह याद दिलाया है कि स्वास्थ्य सुरक्षा अब सीमाओं में बंधी हुई चीज नहीं रही। जहां भी बीमारी फैलती है, उसका प्रभाव पूरी दुनिया की चिंता चन जाता है। ताजा रिपोटों के अनुसार, इस प्रकोप में सैकड़ों संदिग्ध मामले और बड़ी संख्या में संदिग्ध मौतें सामने आई हैं, जबकि भारत में भी प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की गई है। यह कितना तेज से फैल रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है। पूर्वी कांगो में इबोला वायरस के दुर्लभ 'सुंडीबुग्यो' स्ट्रेन के प्रकोप के कारण 139 लोगों की मौत हो गई है और 500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं। भारत ने इसको लेकर काफी सर्तक है। इबोला वायरस से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मलेन को रद कर दिया गया। यह आयोजन 28 मई को नई दिल्ली में होना था। साथ ही भारत सरकार की तरफ से सर्तकता जारी की गयी है। इबोला कोई सामान्य बीमारी नहीं है। इबोला वायरस एक अत्यंत संक्रामक और घातक वायरल हेमोरेजिक बुखार है जो रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इसके प्रकोप में मृत्यु दर 25% से लेकर 90% तक होती है। वर्तमान में, कांगो और अफ्रीकी क्षेत्रों में इसके बढ़ते मामलों के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसे लेकर वैश्विक अलर्ट जारी किया गया है।इबोला के मुख्य लक्षणवायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों (औसत 8-10 दिन) के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं :शुरुआती लक्षणः तेज बुखार, अत्यधिक थकान, गले में खराश, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द।गंभीर लक्षणः गंभीर उल्टी, दस्त, पेट में दर्द, और त्वचा पर चकत्ते।अंतिम चरणः आंतरिक और बाहरी दोनों तरफ से बिना कारण खून बहना, और अंगों का काम बंद कर देना (मल्टी-ऑर्गन फेलियर)यह संक्रमित व्यक्ति के खून, शरीर के तरल पदार्थों या संक्रमित जानवरों के संपर्क से फैल सकता है। बुखार, कमजोरी, उल्टी, दस्त, सिरदर्द और असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण इसके खतरे की चेतावनी हो सकते हैं। इसलिए ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जिसने हाल में प्रभावित क्षेत्र की यात्रा की हो, लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और अपनी यात्रा का पूरा विवरण स्वास्थ्य अधिकारियों को बताना चाहिए। इस बार चिंता इसलिए भी अधिक है क्योंकि प्रकोप बुडिबुग्यो स्ट्रेन से जुड़ा बताया जा रहा है। इस स्ट्रेन के लिए अभी व्यापक रूप से उपलब्ध प्रमाणित वैक्सीन की स्थिति सीमित है, और विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन विकसित करने में समय लग सकता है। यही कारण है कि रोकथाम, जांच, आइसोलेशन और संपर्क में आए लोगों की पहचान सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन जाते हैं। अफ्रीका के जिन इलाकों में यह बीमारी फैल रही है, वे पहले से ही हिंसा, विस्थापन और कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब लोग अपने घर छोड़कर इधर-उधर जाते हैं, अस्पतालों में संसाधन कम होते हैं और स्वास्थ्यकर्मियों के पास पर्याप्त सुरक्षा साधन नहीं होते, तब वायरस को रोकना और कठिन हो जाता है। रिपोर्टों में स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने दवाओं, मास्क और संपर्क तलाशने के साधनों की कमी जैसी गंभीर समस्याएं भी उठाई हैं। भारत के लिए फिलहाल घबराने की नहीं, बल्कि पूरी सतर्कता की जरूरत है। देश में अब तक इबोला का कोई मामला सामने आने की सूचना नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा के इस दौर में निगरानी को मजबूत रखना आवश्यक है। हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग, संदिग्ध यात्रियों की पहचान, क्वारंटाइन व्यवस्था, प्रयोगशाला जांच और अस्पतालों की तैयारी केवल कागजी प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि जमीन पर पूरी मजबूती से लागू होनी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत है कि जनता को सही जानकारी मिले। महामारी के समय अफवाहें भी वायरस की तरह फैलती हैं। कोरोना काल में हमने देखा था कि डर, गलत सूचना और लापरवाही यानि तीनों मिलकर संकट को और बढ़ा देते हैं। इसलिए इबोला को लेकर भी न तो दहशत फैलानी चाहिए और न ही इसे हल्के में लेना चाहिए। सही संदेश यही है कि बीमारी गंभीर है, लेकिन समय पर पहचान, अलगाव और उपचार से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल एडवाइजरी जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सीमा क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण देना होगा। पीपीई, आइसोलेशन वार्ड, एंबुलेंस व्यवस्था और लैब परीक्षण की तैयारी पहले से सुनिश्चित करनी होगी। यदि कोई संदिग्ध मामला मिले, तो घबराहट के बजाय तेज और संगठित कार्रवाई होनी चाहिए। इस संकट ने फिर सावित किया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश किसी खर्च का नाम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। मजबूत अस्पताल, प्रशिक्षित डॉक्टर नर्स, पारदशर्शी सूचना व्यवस्था और वैज्ञानिक सोच ये किसी भी देश को महामारी से बचाने की पहली दीवार हैं। कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था केवल गरीब देशों की समस्या नहीं रहती, क्योंकि बीमारी की कोई सीमा नहीं होती। आज दुनिया को अफ्रीका के प्रभावित क्षेत्रों के साथ खड़ा होना चाहिए। दवा, उपकरण, विशेषज्ञ, धन और तकनीकी सहायता समय पर पहुंचनी चाहिए। किसी महामारी को रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उसे वहीं नियंत्रित किया जाए जहां वह शुरू हुई है। यदि दुनिया देर करती है, तो उसकी कीमत बाद में कहीं अधिक चुकानी पड़ती है। इबोला का खतरा हमें डराने नहीं, जगाने आया है। कोरोना ने हमें सिखाया था कि देर से चेतना महंगी पड़ती है। अब जरूरी है कि हम पिछले अनुभवों से सीखें। सरकारें सजग रहें, स्वास्थ्य तंत्र तैयार रहे और नागरिक जिम्मेदारी निभाएं। बीमारी से लड़ाई केवल अस्पतालों में नहीं जीती जाती, वह जागरूक समाज, वैज्ञानिक सोच और सामूहिक अनुशासन से जीती जाती है। इसलिए आज संदेश साफ है कि इबोला से डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। समय पर जांच, सही सूचना, यात्रा इतिहास की ईमानदार जानकारी और स्वास्थ्य निर्देशों का पालन ही इस खतरे को सीमित कर सकता है। दुनिया ने कोरोना को झेला है, उससे सीखा भी है। अब वही सीख इबोला जैसे खतरनाक वायरस के सामने हमारी सबसे बड़ी ताकत बननी चाहिए। इबोला जानलेवा हो सकता है, लेकिन अजेय नहीं है।

हाँ, मैं गरीब किसान के रूप में कॉकरोच हूँ

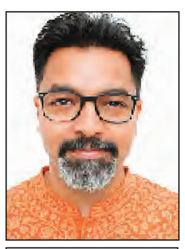

डॉ. शैलेश शुक्ला

हाँ, मैं गरीब किसान के रूप में कॉकरोच हूँ। मैं वही जीव हूँ जो हर साल मरता भी है और हर साल फिर खेत में उग आता है। मौसम मुझे मारता है, सरकार मुझे समझाती है, बैंक मुझे धमकाता है, साहूकार मुझे निचोड़ता है, मंडी मुझे लूटती है और समाज मुझे "अन्नदाता" कहकर भाषणों में अमर कर देता है। मैं इस देश का सबसे सम्मानित अपमान हूँ। मंचों पर मेरा जयघोष होता है और वास्तविक जीवन में मेरी जेब में बस मुड़े हुए नोट, खाद का बिल और कर्ज की पर्चियाँ रहती हैं। मैं वह आदमी हूँ जो पूरे देश का पेट भरता है, लेकिन रात में अपने घर में रोटी गिनकर खाता है। और फिर भी मैं जिंदा हूँ। इसलिए नहीं कि मैं मजबूत हूँ, बल्कि इसलिए कि मैं कॉकरोच हूँ-हर आपदा के बाद भी जिंदा बच जाने वाला जीव।

पहले मैं किसान था। अब मैं मौसम विभाग, बैंक, सरकारी योजना, खाद की दुकान, बिजली विभाग, बीमा कंपनी, मोबाइल के कृषि संदेश, मंडी दलाल और चुनावी घोषणा पत्रों के बीच फँसा हुआ एक जीवित प्रयोग हूँ। मेरे दादा बैलों से खेती करते थे। मेरे पिता कर्ज लेकर खेती करते थे। और मैं मोबाइल पर मौसम देखकर कर्ज लेकर खेती करता हूँ। प्रगति देख रहे हैं न? बस आत्महत्या का तरीका आधुनिक हो गया है।

सुबह जब मैं खेत में जाता हूँ तो धरती मुझे माँ नहीं लगती, किस्तों पर ली गई जिम्मेदारी लगती है। ऊपर सूरज ऐसे चमकता है जैसे बिजली विभाग का बकाया नोटिस। खेत में खड़ी फसल को देखकर मैं खुश नहीं होता, डर जाता हूँ। क्योंकि फसल जितनी बड़ी होगी, उतना बड़ा डर होगा — कहीं ओलावृष्टि न आ जाए, कहीं बारिश न रुक जाए, कहीं बारिश ज्यादा न हो जाए, कहीं बीमारी न लग जाए, कहीं मंडी में भाव न गिर जाए। किसान इस देश का शायद इकलौता आदमी है जो अच्छी फसल देखकर भी घबराता है।

कॉकरोच की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि वह हर हालत में जीवित रहता है। बिल्कुल मेरी तरह। सूखा पड़े — मैं जीवित। बाढ़ आए मैं जीवित। फसल चौपट हो जाए मैं जीवित। सरकार मुआवजा घोषित करे और पैसा रास्ते में ही मर जाए — मैं फिर भी जीवित। मेरी पूरी जिंदगी "अगले सीजन" के भरोसे चलती है। किसान वर्तमान में नहीं जीता। वह हमेशा अगले मौसम में जीता है। और यही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी है। मुझे सबसे अधिक हास्य सरकारी घोषणाओं में आता है। नेता मंच से कहता है "किसानों की आय दोगुनी होगी।" मैं ताली बजाता हूँ क्योंकि रोऊँगा तो लोग कहेंगे नकारात्मक आदमी है। हर साल कोई नई योजना आती है। योजना का नाम इतना लंबा होता है कि उतने में आधा खेत नापा जा सकता है। अधिकारी कहते हैं- "ऑनलाइन आवेदन कीजिए।" अब उन्हें कौन समझाए कि गाँव में नेटवर्क ढूँढ़ना कई बार पानी ढूँढ़ने से कठिन होता है। और यदि किसी तरह आवेदन हो भी जाए तो पता चलता है कि खाते में २००० रुपये आए हैं। उतने में तो आजकल खाद की दुकान वाला मुस्कुराता भी नहीं।

कॉकरोच अँधेरे में पलता है। किसान आश्वासनों में। चुनाव के समय अचानक पूरा देश किसानमय हो जाता है। नेता खेत में उतरता है। साफ जूते पहनकर कीचड़ में फोटो खिंचवाता है। हाथ में हल पकड़ता है मानो अभी ट्रैक्टर को संस्कृत पढ़ाने वाला हो। पत्रकार पूछता है — "आप किसानों के लिए क्या करेंगे?" नेता कहता है — "किसान देश की रीढ़ है।" और मैं सोचता हूँ — इस देश की रीढ़ इतनी झुक चुकी है कि अब सीधी होने के बजाय टूटने लगी है।

मंडी मेरे जीवन का सबसे बड़ा व्यंग्य है। सालभर खेत में जान तोड़ो, फिर मंडी जाओ और वहाँ पता चले कि तुम्हारी फसल का भाव उतना है जितने में शहर में लोग एक शाम पिज्जा खा लेते हैं। दलाल मुझे ऐसे देखता है जैसे मैं गेहूँ नहीं, अपनी मजबूरी बेचने आया हूँ। वह कहता है भाव गिर गया है।" मैं पूछता हूँ "क्यों?" वह कहता है बाजार ऐसा है। यह बाजार भी बड़ा रहस्यमय जीव है। जब किसान बेचता है तब भाव गिर जाता है, और जब वही गेहूँ शहर में पहुँचता है तब महँगाई बढ़ जाती है। बीच का पैसा कहाँ जाता है? शायद उसी जगह जहाँ से चुनावी वादे बनते हैं।

धीरे-धीरे मैंने समझ लिया कि किसान की सबसे बड़ी फसल अनाज नहीं, धैर्य होती है। क्योंकि इस देश में हर आदमी किसान पर निर्भर है, लेकिन किसान किसी पर भरोसा नहीं कर सकता। बीज वाला कहेगा उत्तम उत्पादन।" खाद वाला कहेगा "रिकॉर्ड पैदावार।" बैंक वाला कहेगा "सरकारी योजना है।" नेता कहेगा "हम किसानों के साथ हैं।" और अंत में खेत में खड़ा किसान अकेला रह जाएगा आसमान की तरफ देखते हुए।

मुझे सबसे ज्यादा हँसी तब आती है जब शहर वाले कहते हैं गाँव का जीवन कितना शांत होता है।" आ जाइए कभी जून की दोपहर में खेत पर। जब बिजली नहीं होती, नलकूप बंद होता है, सिर पर कर्ज होता है और बादल मोबाइल की राजनीति की तरह आते-जाते रहते हैं। तब समझ आएगा कि गाँव की शांति वास्तव में थकान होती है।

कॉकरोच को मारना कठिन होता है। किसान को उससे भी कठिन। क्योंकि किसान मरता भी है तो खबर बनकर दो दिन जीवित रहता है। फिर देश अगले विवाद में व्यस्त हो जाता है। समाचार चैनल पर बहस बदल जाती है। नेता नया मुद्दा पकड़ लेता है। लेकिन गाँव में वही बूढ़ी माँ बैठी रहती है जिसकी आँखों में बैंक का नोटिस और बेटे की तस्वीर साथ-साथ तैरती रहती है। मुझे सबसे अधिक दर्द बीमा योजना पर आता है। प्रीमियम कट जाता है। फसल खराब हो जाती है। अधिकारी आता है। फोटो खींची जाती है। सर्वे होता है। फाइल बनती है।

और अंत में खाते में इतना पैसा आता है कि लगता है सरकार मेरा मजाक उड़ा रही है या सांत्वना दे रही है। एक बार मेरे पड़ोसी को पूरे सीजन की बर्बादी पर इतना मुआवजा मिला कि उसने दुख में हँसना शुरू कर दिया। गाँव वालों ने कहा "पागल हो गया। मैंने कहा "नहीं, सरकारी सहायता प्राप्त किसान हो गया। कॉकरोच गंदगी में जीवित रहता है। किसान विरोधाभासों में। टीवी पर कहा जाता है देश कृषि प्रधान है। और उसी देश में किसान का बेटा खेती छोड़कर शहर भागना चाहता है। गाँव में अब बच्चे किसान नहीं बनना चाहते। क्योंकि उन्होंने अपने पिता को खेत में झुकते हुए देखा है, बैंक में हाथ जोड़ते हुए देखा है, मंडी में अपमानित होते देखा है। वे समझ चुके हैं कि इस देश में किसान का सम्मान केवल भाषणों में उगता है। धीरे-धीरे खेती भी जुआ बन गई है।

मोदी सरकार की उपलब्धियां बनाम विपक्ष की चुनौतियां

अर्चना सिंह

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, जहां सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की जिम्मेदारी विकास, सुरक्षा और जनकल्याण सुनिश्चित करना होती है, जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाकर जनता की आवाज बनना होता है। लेकिन जब राजनीति मुद्दों और विकास से हटकर केवल आरोप-प्रत्यारोप तथा व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सीमित हो जाती है, तब लोकतंत्र की गरिमा को नुकसान पहुंचता है। आज भारतीय राजनीति में यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच लगातार तीखी राजनीतिक लड़ाई चल रही है।

मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में भारत ने कई क्षेत्रों में तेज गति से प्रगति की है। देश में आधारभूत संरचना का विस्तार, गांवों तक बिजली पहुंचाना, गरीबों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, करोड़ों लोगों के लिए शौचालय निर्माण, डिजिटल इंडिया अभियान और सड़क-रेल नेटवर्क का विस्तार जैसे कई कार्य हुए हैं। भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है और वैश्विक मंच पर उसकी उपस्थिति पहले की तुलना में अधिक मजबूत दिखाई देती है। विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत ने अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान और खाड़ी देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। यही कारण है कि मोदी सरकार के समर्थक मानते हैं कि वर्तमान नेतृत्व ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई दी है। सुरक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। पुलवामा हमले के बाद की गई कार्रवाई और सीमा पर सख्त रणनीति को सरकार समर्थक निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण मानते हैं। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का निर्णय भी भाजपा समर्थकों के अनुसार राष्ट्रीय एकता की दिशा में बड़ा कदम था। इसके अतिरिक्त, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देकर भारत को तकनीकी और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की कोशिश की है। दूसरी ओर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते रहे हैं। राहुल गांधी बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक असमानता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों को उठाते हैं। उनकी भारत जोड़ो यात्रा को कांग्रेस ने देश में सामाजिक सौहार्द और संवाद बढ़ाने का प्रयास बताया। हालांकि भाजपा और उसके समर्थकों का मानना है कि राहुल गांधी कई बार अपनी राजनीतिक आलोचनाओं में संयम खो देते हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। यही कारण है कि उनकी आलोचना अक्सर तीखी राजनीतिक बहस का विषय बन जाती है। कांग्रेस पर अक्सर परिवारवाद के आरोप लगाए जाते हैं। नेहरू-गांधी परिवार लंबे समय से कांग्रेस का नेतृत्व करता आया है और भाजपा इस मुद्दे को बार-बार उठाती रही है। आलोचकों का कहना है कि कांग्रेस में नेतृत्व का केंद्रीकरण पार्टी को कमजोर कर रहा है। वहीं कांग्रेस समर्थकों का तर्क है कि लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णय करती है। इसलिए केवल परिवारवाद का मुद्दा उठाकर किसी राजनीतिक दल की पूरी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

इंदिरा गांधी के समय लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय माना जाता है। 1975 में लागू आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए, विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया। आज भी भाजपा इसे लोकतंत्र पर हमला बताती है, जबकि कांग्रेस का कहना है कि उस समय देश गंभीर राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा था। इतिहास के इन अध्यायों से यह स्पष्ट होता है कि सत्ता में बैठे किसी भी दल को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रताओं का सम्मान करना चाहिए। आज भारत तेजी से बदलते वैश्विक वातावरण का सामना कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, चीन के साथ सीमा विवाद और वैश्विक आर्थिक चुनौतियां भारत के सामने बड़ी परीक्षाएं हैं। ऐसे समय में देश को राजनीतिक स्थिरता, मजबूत अर्थव्यवस्था और सामाजिक एकता की आवश्यकता है। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक प्रतिस्पर्धा राष्ट्रहित से ऊपर नहीं होनी चाहिए। भारत की जनता अब केवल नारों और भावनात्मक भाषणों से प्रभावित नहीं होती। लोग रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई और सुरक्षा जैसे वास्तविक मुद्दों पर काम देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल युग ने नागरिकों को पहले से अधिक जागरूक बना दिया है। इसलिए हर राजनीतिक दल को जिम्मेदार भाषा और सकारात्मक राजनीति अपनानी होगी। व्यक्तिगत आरोपों और कटुता से केवल समाज में विभाजन बढ़ता है, जबकि लोकतंत्र की असली ताकत संवाद, सहिष्णुता और विकास में होती है।

अंततः भारत का भविष्य केवल किसी एक नेता या दल पर निर्भर नहीं करता, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों की एकता, मेहनत और लोकतांत्रिक विश्वास पर आधारित है। सत्ता और विपक्ष दोनों को यह याद रखना चाहिए कि राजनीतिक संघर्ष अस्थायी हो सकता है, लेकिन राष्ट्र सर्वोपरि है।

राजस्थान में सकारात्मक पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समूचा उत्तरी भारत भीषण गर्मी की चपेट में चल रहा है तो दूसरी और ना तो राजस्थान में कोई आसन्न विधानसभा या लोकसभा के चुनाव है और ना ही कोई ऐसी आपात स्थिति जिसमें जनता से सीधा संवाद कायम करना आवश्यक हो, ऐसी स्थिति में ही एक संवेदनशील मुख्यमंत्री के नाते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गावों में चौपाल आयोजित कर सीधे ग्रामीणों से रुबरु हो रहे हैं, यह वास्तव में जननेता की पहचान व उसकी आमजन के प्रति सोच का परिणाम है। 40 डिग्री से अधिक के तापमान में मुख्यमंत्री की रात्रि चौपाल और फिर रात्रि विश्राम आज के सुविधाभोगी युग में लगभग असंभव लग रहा है पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस लपलपाती गर्मी में गांवों में रात्रि चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद कायम कर रहे हैं। 5 मई से 16 मई तक राजधानी जयपुर ही नहीं अपितु दूरदराज के इलाकों के गांवों में पांच चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करने के साथ ही रात को उसी गांव के सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम और फिर सुबह गांव में ही प्रातःकालीन भ्रमण के माध्यम से गांववासियों से आत्मीय संवाद कायम कर रहे हैं। मई माह में मुख्यमंत्री 5 से 16 मई के दौरान प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोर, अजमेर के पुष्कर के पास कड़ेल, जालौर के पंसेरी और जयपुर के ठिकरिया में ग्राम विकास चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे रुबरु हो चुके हैं। 20 मई को बांसवाड़ा के चुड़ावा और 21 मई को धुम्बाला को ग्रामीण चौपाल और गांव की सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। यह गांव कोई राजधानी जयपुर के पास के नहीं है अपितु प्रदेश के दूरदराज के गांव है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय निकाल कर इन गांवों में रात्रि चौपाल में ग्रामवासियों की परिवेदनाओं को सुनते हैं, यथा सभव मौके पर ही समाधान करने का प्रयास करते हैं और रात्रि को भोजन भी गांव के ही किसी ग्रामवासी के घर बिना किसी तामझाम के करते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही खासबात यह है कि इस भीषण गर्मी के दौर में गांव के स्कूल में ही रात्रि को विश्राम करने के साथ ही प्रातःकालीन भ्रमण के दौरान गांववासियों से अपनत्व के साथ मेलमिलाप कर रहे हैं। यह धरातलीय हालातों को समझने, लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं की जानकारी लेने, स्थानीय समस्याओं को समझने और उनके निराकरण का बेहतरीन माध्यम होने के साथ ही मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामवासियों में जिस तरह का संदेश जाता हे उसे हम भलीभांति समझ सकते हैं। क्योंकि आज के हालातों में मुख्यमंत्री तो दूर की बात जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिलना भी इतना आसान नहीं होता। फिर सबसे बड़ी बात यह कि मुख्यमंत्री मतलब सरकार आपके बीच आती है तो फिर उसके परिणाम निश्चित रुप से सकारात्मक होते हैं और धरातलीय हालातों को समझने का बेहतर अवसर आसानी से मिल जाता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह पहल सीधा ग्रामीणों से रुबरु होने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ही माने तो इससे गांवों की समस्याओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है तो आवश्यक निर्देश मौके पर ही जारी होने से समस्याओं का समाधान भी मौके पर ही हो पाता है। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के साथ ही स्थानीय समस्याओं यथा पानी, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और इसी तरह की सुविधाओं के धरातल पर हालात को समझने का अवसर मिल जाता है। मौके पर ही समस्याओं के समाधान को इस तरह से भी समझा जा सकता है कि सीकर के जाजोद गांव में ग्रामीण चौपाल के दौरान छात्राओं की मांग पर एक रात में विद्यालय में विज्ञान संकाय खोलने के आदेश जारी हो गए। यही नहीं अजमेर के कड़ेल गांव में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान सामने आया तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नयन के आदेश मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल जारी हो गए।

स्टैप्लर का मुंह बंद हो गया

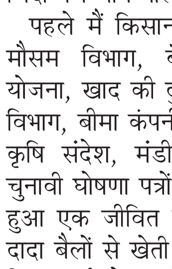

कुमार कृष्णन

बजाज साहब की मेज पर वह बिल्कुल आखिरी कोने में पड़ा रहता था। एक ऐसा अनाम कैदी, जिसकी तरफ कोई मुस्कुराकर देखता भी नहीं था। क्रोमियम की उसकी चमकीली खाल पर अब जंग और धूल की ऐसी परतें जमी थीं, जैसे इस सरकारी दफ्तर के बूढ़े बाबुओं के चेहरों पर मजबूरियों की झुर्रियां होती हैं।

जब भी बजाज साहब का वो भारी, खुरदरा हाथ उसकी पीठ पर पड़ता, उसकी रीढ़ में एक तीखी कराह कौंध जाती। वह अपनी पूरी ताकत समेटकर जोर से चीखना चाहता था, पर उसके मुंह से सिर्फ एक ही आवाज निकलती थी—खट! और उस एक खट के साथ उसकी आंतों से स्टील का एक नुकीला दांत खिंचकर बाहर आता, जो सीधे उन मासूम, कोरे कागजों के सीने को बेरहमी से छेद देता। कागज की वह मूक कराह, उसका रिसता हुआ अदृश्य खून, स्टैप्लर की आत्मा को हर पल छलनी करता था। यह कैसा अभिशाप था कि उसे जिंदा रहने के लिए दूसरों के सीनों में कीलें ठोकनी पड़ती थीं? वैसे हम सब भी तो कॉर्पोरेट के दफ्तरों में यही करते हैं ना, जिंदा रहने के लिए रोज अपनी ही किसी प्यारी उम्मीद का गला घोंटते हैं।

उसे याद आता था वह चमचमाता हुआ बॉक्स, जिसमें वह मखमली गद्दी पर लेटा हुआ इस दफ्तर में आया था। तब उसके भीतर की पिनें कितनी चमकदार, कितनी बेदाग थीं! उसने सोचा था कि वह दो बिछड़े हुए पन्नों को मिलाकर उन्हें एक मुकम्मल प्रेम-कहानी देगा। वह प्यार का धागा बनेगा। लेकिन इस दफ्तर की स्याह हकीकत ने उसे जल्द ही समझा दिया कि वह मिलन का सेतु नहीं, बल्कि सरकारी फाइलों के बिखरे हुए गुनाहों को एक साथ बांधने वाला एक बेबस कसाई है। हर पिन के साथ उसका अपना एक हिस्सा टूटकर अलग हो जाता था। कुछ रिश्ते ऐसे ही होते हैं, उन्हें जबरदस्ती साथ रखने की जिद में आप खुद रोज थोड़े-थोड़े टूटते जाते हैं। दफ्तर में आज अजीब सी, उदास खामोशी थी। खिड़की से आती धूप की एक पतली सी लकीर सीधे स्टैप्लर के जख्मों को कुरेद रही थी। बगल में रखी गोंद की शीशी बड़े घमंड से मुस्कुरा रही थी। जो बिना किसी दर्द के, बिना कोई घाव दिए, दो पन्नों को जोड़ देती थी। स्टैप्लर अपनी इस नियति पर भीतर ही भीतर रो पड़ा। जोड़ने का काम दोनों का था, पर एक को प्यार मिला और दूसरे को सिर्फ एक हिंसक प्रहार।

बजाज साहब ने एक बार फिर उसकी पीठ पर अपनी भारी हथेली का वजन डाला। एक और चीख, एक और घाव। उसकी आखिरी पिन भी खत्म हो चुकी थी। अब उसका पेट खाली था, उसकी आत्मा पूरी तरह खाली हो चुकी थी। तभी दफ्तर का दरवाजा धड़ाम से खुला। पुलिस की वर्दी में कुछ लोग अंदर दाखिल हुए। बजाज साहब के चेहरे का रंग उड़ चुका था। रिश्वत के उस बड़े मामले की फाइल, जिसे स्टैप्लर ने अपनी आखिरी सांस तक जोड़कर रखा था, अब मेज पर खुली पड़ी थी। बजाज साहब ने घबराहट में अपनी दराज से एक छोटी, काली पिस्तौल निकाली। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। बजाज साहब का हाथ बुरी तरह कांप रहा था। पिस्तौल उनके हाथ से छूटकर स्टैप्लर के ठीक बगल में जा गिरी। दोनों लोहे के थे। दोनों का काम छेदना था। लेकिन पिस्तौल की नली से बारूद की जो गंध आ रही थी, उसने स्टैप्लर के भीतर कुछ अजीब सा जगा दिया। बजाज साहब ने हड़बड़ी में पिस्तौल उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, पर आंखें कहीं और थीं, तो उनका हाथ गलती से स्टैप्लर की जंग लगी पीठ पर जा पड़ा। एक भयानक, अंतिम खट की आवाज हुई। कमरे में एक गहरा सन्नाटा छा गया। पिस्तौल अपनी जगह बेजान पड़ी रही। बजाज साहब की आंखों में एक शाश्वत शून्यता तैर गई, जैसे उन्हें समझ आ गया हो कि अब किसी पिन की जरूरत नहीं बची थी। पुलिस ने देखा कि फाइलें बिखरी पड़ी थीं और स्टैप्लर का मुंह हमेशा के लिए बंद हो चुका था।

आईपीएल 2027 में भी खेलेंगे एमएस धोनी? सीएसके के लिए बगैर धोनी के खेलना मुश्किल

एमएस धोनी ने आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक भी मुकाबला नहीं खेला. ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके बीते गुरुवार (21 मई) गुजरात टाइटंस के खिलाफ 89 रनों से हार का सामना करने के बाद प्लेऑफ की रेस से एलिमिनेट हो गई. धोनी इंजरी के चलते पूरे सीजन टीम के लिए उपलब्ध नहीं रहे. अब गायकवाड़ ने बताया कि क्या माही अगले यानी आईपीएल 2027 में खेलते हुए नजर आएंगे या नहीं.

धोनी की वापसी पर क्या बोले गायकवाड़?

गुजरात के खिलाफ मुकाबला हारने के बाद रुतुराज गायकवाड़ से पूछा गया कि क्या हम धोनी को अगले सीजन में खेलता हुआ देखेंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए गायकवाड़ ने कहा, अगले साल खुद पता चल जाएगा. मुझे भी अगले साल ही पता चलेगा. उनके बगैर खेलना हमारे लिए मुश्किल रहा.

गायकवाड़ के जवाब से एक बात को साफ नजर आती है कि धोनी का अगला सीजन खेलना सिर्फ वह खुद ही तय करेंगे. माही इस बारे में सोचेंगे कि क्या वह 2027 के आईपीएल में खेलने के लिए तैयार हैं या नहीं. बताते चलें कि काफ इंजरी के चलते धोनी सीजन में नहीं खेल पाए. चेन्नई ने 28 मार्च को सीजन की शुरुआत के दिन एक आधिकारिक अपडेट जारी करते हुए बताया था कि माही काफ इंजरी के चलते 2 हफ्तों तक बाहर रह सकते हैं. लेकिन अंततः वह पूरा सीजन ही नहीं खेल पाए.

चेन्नई ने गुजरात के खिलाफ आखिरी लीग मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला. बताया गया कि माही इस मैच से पहले अपने घर रांची लौट गए थे. उन्हें अंगूठे में चोट लगी थी, जिसके चलते उन्होंने घर वापस जाने का फैसला किया.

धोनी ने अब तक अपने आईपीएल करियर में 278 मुकाबले खेल लिए हैं. इन मैचों की 242 पारियों में बैटिंग करते हुए उन्होंने 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5439 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 24 अर्धशतक निकले, जिसमें हाई स्कोर 84* रनों का रहा.

टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा अंडर-23 वनडे टूर्नामेंट

आगामी 2026/27 घरेलू सीजन में अंडर-23 पुरुषों के वनडे टूर्नामेंट की जगह टी20 फॉर्मेट लेगा, जबकि कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी विजेता बनाम शेष भारत का मैच घरेलू सीजन के कैलेंडर में वापस आ जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी दी। 2026-27 के घरेलू सीजन में पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट में कई आयु-वर्ग श्रेणियों में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी से होगी, जो 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेली जाएगी। इसके बाद 1 अक्टूबर से ईरानी कप की शुरुआत होगी। यह संभवतः जम्मू या श्रीनगर में खेला जाएगा, क्योंकि जम्मू और कश्मीर अभी रणजी ट्रॉफी के मौजूदा विजेता हैं, जिसे उन्होंने इस साल की शुरुआत में हुबली में जीता था।

रणजी ट्रॉफी दो-चरणों वाले फॉर्मेट में जारी रहेगी। एलीट ग्रुप में 32 टीमें चार ग्रुप में होंगी और प्लेट ग्रुप में छह टीमें सामान्य 'होम-एंड-अवे' फॉर्मेट में खेलेंगी। कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी विजेता बनाम शेष भारत का मुकाबला 1-4 अक्टूबर को फिर से खेला जाएगा।

मेंस अंडर-23 स्टेट 'ए' ट्रॉफी को टी20 फॉर्मेट में बदलने के अलावा, विजी ट्रॉफी वनडे प्रतियोगिता के बजाय टी20 फॉर्मेट में खेली जाएगी। कूच बिहार ट्रॉफी (एलीट ग्रुप) के नॉकआउट चरण बेंगलुरु और मैसूर में आयोजित किए जाएंगे, ताकि जनवरी के दौरान मैचों में प्रतिस्पर्धी संतुलन बना रहे।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) को बेहतर शेड्यूलिंग और खिलाड़ियों की तैयारी के लिए नवंबर-जनवरी के समय में आगे बढ़ा दिया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप के लीग मैच 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक विशाखापत्तनम, मुंबई, कोलकाता और मोहाली में होंगे। नॉकआउट मैच 14 से 25 अक्टूबर तक नागपुर में खेले जाएंगे। प्लेट ग्रुप का लीग चरण 27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक चलेगा। इसके नॉकआउट मैच 8 से 10 अक्टूबर तक दीमापुर में आयोजित होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप का लीग चरण 12 नवंबर से 1 दिसंबर तक अहमदाबाद, बेंगलुरु, रांची और राजकोट में आयोजित किया जाएगा। नॉकआउट मैच 5 से 17 दिसंबर तक विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे। प्लेट ग्रुप का लीग चरण 12 नवंबर से 12 नवंबर तक चलेगा। इसके नॉकआउट मैच 23 से 25 नवंबर तक इंदौर में होंगे।

महिलाओं का घरेलू सीजन सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी (एलीट) के साथ शुरू होगा, जो 26 अक्टूबर से 6 नवंबर तक लखनऊ, पुणे, नई दिल्ली और मोहाली में चलेगा। इसके नॉकआउट मैच 14 से 20 नवंबर तक अहमदाबाद में होंगे, जबकि प्लेट ग्रुप के मैच और नॉकआउट 26 अक्टूबर से 4 नवंबर तक दीमापुर में खेले जाएंगे।

सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी (एलीट) 19 से 31 दिसंबर तक कटक, जयपुर, बड़ौदा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। इसके बाद 4 से 10 जनवरी 2027 तक चेन्नई में नॉकआउट मैच खेले जाएंगे।

सीनियर महिला इंटरजोनल मल्टी-डे प्रतियोगिता अगले साल 13 से 28 मार्च तक देहरादून में आयोजित होगी। अंडर-23 लेवल पर, विमेंस टी20 ट्रॉफी (एलीट) 14-21 नवंबर तक होगी। इसके नॉकआउट मैच 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक खेले जाएंगे।

9-16 अक्टूबर के बीच अंडर-19 विमेंस टी20 ट्रॉफी (एलीट) खेला जाएगा, जिसके नॉकआउट मैच 20-26 अक्टूबर तक होंगे। वहीं, अंडर-15 विमेंस वनडे ट्रॉफी (एलीट) 5-13 जनवरी तक चलेगी। इसके नॉकआउट मैच 17-24 जनवरी तक होंगे।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत क्या है? उपकप्तान राशिद खान ने शीर्ष-2 में जगह पक्की करने के बाद खोला राज

गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स पर 89 रन की शानदार जीत दर्ज कर आईपीएल 2026 में शीर्ष दो में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। इस जीत के बाद टीम के स्टार स्पिनर और उपकप्तान राशिद खान ने गुजरात की सफलता के पीछे का बड़ा कारण बताया। राशिद ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन अपनी कमियों पर ज्यादा चर्चा करने के बजाय खिलाड़ियों की क्षमता और सामूहिक प्रदर्शन पर भरोसा बनाए रखा।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि प्रत्येक टीम में सुधार की गुंजाइश होती है। प्रत्येक टीम किसी विभाग में मजबूत होती है। कोई भी टीम शत प्रतिशत संपूर्ण नहीं होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं।'

'कमियों के बारे में ज्यादा सोचेंगे तो नुकसान होगा'

गुजरात के मध्यक्रम को लेकर पूरे सीजन सवाल उठते रहे, लेकिन राशिद ने साफ कहा कि टीम ने इन चर्चाओं को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'पूरे टूर्नामेंट में हमारे मध्य क्रम और ऐसी चीजों को लेकर काफी चर्चा हुई, लेकिन मुझे लगता है कि हर कोई अपना योगदान दे रहा है। हर खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी समझ रहा है और यह बहुत महत्वपूर्ण है।'

राशिद ने आगे कहा, 'अगर आप उन 10 या 15 प्रतिशत कमियों के बारे में सोचते रहेंगे, तो इसका असर बाकी 70-75 या 80 प्रतिशत पर भी पड़ेगा।'

'हम चीजों को सरल रखते हैं'

अफगानिस्तान के इस स्टार स्पिनर ने कहा कि गुजरात की टीम ज्यादा जटिल सोचने के बजाय चीजों को आसान रखने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा, 'हम चीजों को सरल बनाए रखते हैं और यह काफी महत्वपूर्ण है। विरोधी टीम कोई भी हो, हमारा खिलाड़ी मौका मिलने पर बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। फिर चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फील्डिंग।' उन्होंने कहा कि टीम का पूरा फोकस इस बात पर रहता है कि हर खिलाड़ी टीम के लिए कैसे बेहतर योगदान दे सकता है।

गेंदबाजों की जमकर तारीफ

राशिद ने गुजरात के गेंदबाजी आक्रमण की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि टीम के तेज गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'विकेट में कोई बदलाव नहीं हुआ। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। विशेषकर हमारे तेज गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।' राशिद ने यह भी माना कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को दबाव के बावजूद आक्रामक मानसिकता बनाए रखनी पड़ती है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में जब आप 230 रन के स्कोर का बचाव कर रहे होते हैं, तो आप रन लुटाएंगे। ऐसा नहीं है कि आप 18 से 20 डॉट गेंद फेंक सकते हैं। एक गेंदबाज के लिए बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना महत्वपूर्ण होता है।'

शुभमन और सुदर्शन की तारीफ

राशिद ने कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शुभमन लगातार बेहतर खिलाड़ी बनता जा रहा है। वह परिस्थितियों और मैदान के साथ बहुत जल्दी तालमेल बिठा लेता है और खेल को बहुत जल्दी समझ लेता है।' राशिद के मुताबिक, यही क्षमता गुजरात टाइटंस को बाकी टीमों से अलग बनाती है।

चयन पर रार : घरेलू क्रिकेट में दम दिखाने वाले खिलाड़ियों को किया नजरअंदाज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया था। टेस्ट टीम में बड़े बदलाव नहीं हुए, लेकिन घरेलू क्रिकेट में दम दिखाने वाले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया गया। रणजी ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी, सरफराज खान और मोहम्मद शमी को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली, जबकि गुरनूर बराड़ को मौका दिया गया।

रणजी ट्रॉफी चयन का आधार नहीं?

बीसीसीआई द्वारा अक्सर सुनने को मिलता है कि टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ प्रदर्शन ही खिलाड़ियों के लिए भारतीय टीम का दरवाजा खोलेगी।

पुरुष चयन समिति ने रणजी ट्रॉफी (2025-26) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और विकेट लेने वाले खिलाड़ी को मौका देना तो दूर, उनके नाम की चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझा।

बीसीसीआई भी रणजी के प्रदर्शन को टीम इंडिया में चयन का पैमाना मानती है, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम इंडिया के चयन में बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी (2025-26) में गेंद और बल्ले से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया है।

आकिब को नहीं चुने जाने पर हो रहा विवाद

रणजी ट्रॉफी (2025-26) में जम्मू-कश्मीर के 29 साल के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों और आलोचकों को प्रभावित किया था। जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का चैंपियन बनाने में यादगार और ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले नबी ने सीजन के 10 मैचों की 17 पारियों में 60 विकेट लिए थे। कुल 41 प्रथम श्रेणी मैचों में 156 विकेट ले चुके नबी को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम इंडिया में चयन का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन बीसीसीआई ने उन्हें मौका नहीं दिया। वहीं, कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। स्मरण ने नौ मैच की 14 पारी में तीन बार नाबाद रहते हुए चार शतक और तीन अर्धशतक की मदद से 950 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 227 था। स्मरण को भी अफगानिस्तान टेस्ट के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है।

टेस्ट टीम के चयन पर घिरे अगरकर

ऐसे ही सरफराज खान और मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तो यहां तक कहा था कि शमी के चयन को लेकर कोई चर्चा भी नहीं हुई। सरफराज और शमी ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, गुरनूर बराड़ इतना प्रभावित भी नहीं कर सके थे। इसमें कोई दोराय नहीं है कि चयनकर्ताओं ने लगभग वही कोर टीम का चयन किया जो पिछले कुछ समय से खेलती आ रही है, लेकिन इन खिलाड़ियों का चयन नहीं होना थोड़ा हैरान करने वाला रहा।

अगरकर की हो रही आलोचना

टेस्ट टीम के चयन को लेकर अजीत अगरकर की आलोचना भी हो रही है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने अगरकर की कड़ी आलोचना करते हुए बीसीसीआई से कहा कि अगर भारत के प्रमुख घरेलू लाल गेंद वाले टूर्नामेंट में प्रदर्शन पर विचार भी नहीं किया जाता है तो रणजी ट्रॉफी को ही समाप्त कर देना चाहिए।

वेंगसरकर ने कहा, चयनकर्ताओं का आकिब को नजरअंदाज करने का फैसला सरासर बेतुका और समझ से परे है। ये किस तरह का चयन है? ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ये अन्याय है। क्या आप नबी की मौजूदा हालत की कल्पना कर सकते हैं? उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 60 विकेट लिए। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और वे बाकी सभी से आगे जगह पाने के हकदार हैं। यदि घरेलू क्रिकेट प्रदर्शन मानदंड नहीं है, तो बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट को समाप्त कर देना चाहिए। वहीं, पूर्व खिलाड़ी डोडा गणेश ने भी आकिब को नहीं देने पर अगरकर को घेरा है। डोडा गणेश ने एक्स पर लिखा, आकिब नबी को टीम में न चुने जाने का कोई भी कारण मुझे संतुष्ट नहीं कर सकता। बेचारे ने दो सीजन तक जी-जान से गेंदबाजी की और रणजी ट्रॉफी में काफी विकेट लिए, लेकिन इस सीजन में सिर्फ दो मैच खेलने वाले खिलाड़ी के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

गोद में टेडी लिए समरीन के साथ दिखे अर्शदीप; फैंस बोले- लगता है भाभी का गिफ्ट है, तभी दिल के करीब रखा है

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। हालांकि, इस सीजन कई क्रिकेटर्स अपने प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि ऑफ फील्ड लाइफ की वजह से चर्चा में ज्यादा रहे हैं। इनमें अर्शदीप सिंह का नाम भी शामिल है। पंजाब किंग्स के इस तेज गेंदबाज का प्रदर्शन इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है, लेकिन ऑफ द फील्ड समरीन कौर के साथ अपने रिश्तों को लेकर वह खूब चर्चा में रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि समरीन अर्शदीप की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं। कई मौकों पर दोनों को साथ में देखा भी गया है। हाल ही में दोनों एक बार फिर साथ में स्पॉट हुए।

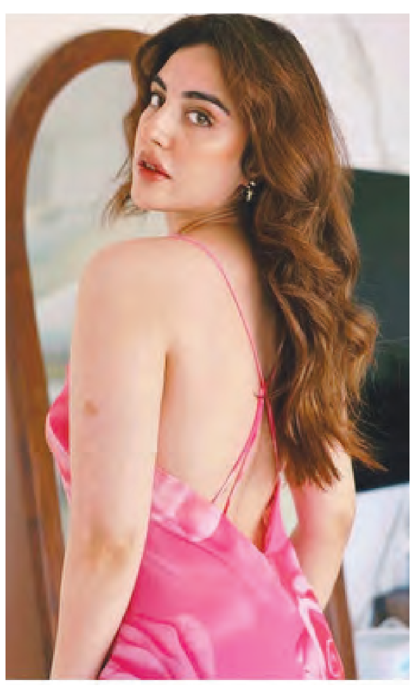

कहां का है वीडियो?

दोनों को किसी बिल्डिंग से बाहर निकलते हुए देख लिया और सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया। ऐसा बताया जा रहा है कि यह एयरपोर्ट से बाहर निकलने का वीडियो और दोनों साथ में बेहद क्यूट नजर आए। दरअसल, हाल ही में बीसीसीआई ने गर्लफ्रेंड, वाइफ्स और पार्टनर्स को लेकर अपने नियम सख्त किए थे। इसके बाद अर्शदीप और समरीन को कम ही साथ देखा गया था। समरीन दर्शक दीर्घा में जरूर नजर आई थीं, लेकिन साथ नहीं दिखी थीं। हालांकि, पंजाब को आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच के बाद पांच दिन का गैप मिला है और अर्शदीप-समरीन का यह वीडियो इसी गैप का है। पंजाब को 23 मई को करो या मरो के मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स का इकाना में सामना करना है। इसके लिए पंजाब की टीम लखनऊ पहुंच चुकी है।

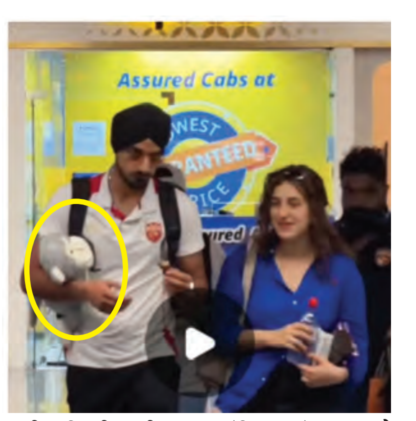

'लगता है भाभीजी का गिफ्ट है...'

समरीन और अर्शदीप जैसे ही एयरपोर्ट के गेट से बाहर आए, पैपराजी ने दोनों को स्पॉट कर लिया। इंस्टैंट बॉलीवुड नाम के इंस्टाग्राम पेज ने इसका वीडियो शेयर किया है। अर्शदीप के हाथों में टेडी दिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'लगता है भाभीजी का गिफ्ट है, तभी टेडी को दिल से चिपका रखा है। टेडी को इतना दिल से संभाला है, तो भाभीजी को कितना प्यार करते होंगे।' अर्शदीप बैग लेकर बाहर निकले, जबकि उनके पीछे कोई कर्मचारी ट्रॉली बैग लेकर निकलता दिखा।

कौन हैं समरीन कौर?

समरीन कौर एक पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो 2018 की मिस इंडिया फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। वह मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं और उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से पढ़ाई की है। समरीन ने कई म्यूजिक वीडियो, हिंदी और पंजाबी फिल्मों में काम किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। समरीन कौर ने 83 में रणवीर सिंह के साथ काम किया था। इसके अलावा वह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'नेल पॉलिश' के बाद उन्हें अच्छी पहचान मिली। उन्होंने बादशाह और जस मानक जैसे कलाकारों के साथ भी काम किया है।

नहीं हुई कोई आधिकारिक पुष्टि

इन सभी कयासों के बावजूद, न तो अर्शदीप सिंह और न ही समरीन कौर की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। इस वजह से यह मामला अभी सिर्फ अफवाहों और फैंस के अनुमान तक ही सीमित है।

हूबहू मां ऐश्वर्या जैसी दिख रहीं आराध्या बच्चन वही नैन-नक्श, वही चाल-ढाल, कान्स जाती तस्वीर

कान्स 2026 में बॉलीवुड एक्ट्रेसेस का मेला लगा हुआ है. एक-एक करके अभिनेत्रियां वहां पहुंच रही हैं और अपने जलवा बिखेर रही हैं. ऐसे में गुरुवार की देर रात को एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन भी कान्स 2026 के लिए रवाना हुईं. मुंबई एयरपोर्ट से उनकी फोटोज भी सामने आई, जिसमें वो अपनी बेटी आराध्या के साथ नजर आईं. इस दौरान उनका लुक देख ही बन रहा था. आराध्या अपनी मां के जैसे हूबहू लगीं.

कैसा था ऐश्वर्या और आराध्या का एयरपोर्ट लुक?

ऐश्ववर्या और आराध्या का एयरपोर्ट लुक देखते ही बन रहा था. इस दौरान दोनों कैजुअल ड्रेस में कमाल लग रहे थे. अभिनेत्री ने ट्रैवल के लिए ब्लैक कलर की ड्रैरी चुनी थी, वहीं बेटी आराध्या ने भी मां से मैचिंग किया था. दोनों ब्लैक ड्रेस में ट्यूनिंग करते हुए बेहतरीन लगे. ऐश्वर्या ने शार्प लैपल्स और बारीक फ्लोरल सीक्लेंस एम्ब्रॉयडरी वाला एक स्ट्रक्चर्ड ब्लैक ब्लेजर पहना था. उनका ऑल ब्लैक लुक था. ब्लैक हील वाले बूट्स के साथ एक्ट्रेस ने लुक को कंप्लीट किया था.

मां ऐश्वर्या जैसी हूबहू लगीं आराध्या

इसके साथ ही आराध्या ने भी मां ऐश्वर्या के साथ ट्यूनिंग की थी. वो भी ऐश्वर्या के जैसे ही खुले बालों में नजर आईं. उन्होंने भी ऐश्वर्या के जैसे ही ऑल ब्लैक लुक कैरी किया था. वहीं, न्यूड मेकअप के साथ रेड लाइट लिपस्टिक में वो मां के जैसे ही कमाल लग रही थीं. आराध्या ने इस ड्रेस के साथ ही व्हाइट एंड रेड स्नीकर्स कैरी किए थे. इस दौरान आराध्या और ऐश्वर्या का लुक देखते ही बन रहा था. इतना ही नहीं, आराध्या लुक से तो मां ऐश्वर्या के साथ ट्यूनिंग कर रही थीं साथ ही वो उनकी तरह लगती भी हैं. उनके नैन नक्श, चाल-ढाल और तरीका सब कुछ ऐश्वर्या से ही मिलता जुलता लगा.

ऐश्वर्या राय इसके पहले भी कान्स में जा चुकी हैं. पहली बार उन्होंने 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची थीं, जहां पर शाहरुख खान और डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया था. इस फिल्म में वो भी लीड रोल में थीं. इसके बाद 2003 में वो इस फिल्म फेस्टिवल में रेग्यूलर शामिल होती रही थीं. ऐसे में इस बार वो अपनी बेटी के साथ रेड कार्पेट पर शिरकत करने के लिए जा गई हैं. माना जा रहा है कि अभिनेत्री का्स के क्लोजिंग डे पर रेड कार्पेट पर नजर आ सकती हैं. गौरतलब है कि आराध्या का जन्म 16 नवंबर 2011 को हुआ था. वो अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की इकलौती बेटी हैं. वह करीब 15 साल की हैं. वो अक्सर मां ऐश्वर्या राय के साथ ही नजर आती हैं. उनके साथ आराध्या बेहद ही क्लोज बॉन्ड शेयर करती हैं. अभिनेत्री ने भी बचपन से कभी आराध्या को अकेला नहीं छोड़ा. आपको बता दें कि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ने साल 2007 में 20 अप्रैल को शादी की थी.

पूजा भट्ट ने शेयर की आमिर खान संग अपनी थ्रो बैक तस्वीरें, लिखा- 'इनके पीछे की कहानी एक दिन जरूर शेयर करूंगी'

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने हाल ही में सुपरस्टार आमिर खान के साथ अपने पुराने फोटोशूट की एक तस्वीर शेयर कर अपने फैंस को इमोशनल कर दिया और पुरानी यादों में पहुंचा दिया. ये थ्रोबैक तस्वीरें फेमस फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने क्लिक की थी. वहीं फोटो के साथ एक्ट्रेस ने क्रिप्टिक कैप्शन भी लिखा है.

पूजा भट्ट ने आमिर खान संग शेयर की पुरानी तस्वीरें

बता दें कि पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह और आमिर खान एक जैसे व्हाइट कपड़ों में नजर आ रहे हैं. इन तस्वीरों में विंटेज लेकिन फिर भी ताजगी भरा अंदाज दिख रहा है. ये तस्वीरें मशहूर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने खींची हैं. पूजा भट्ट ने तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, एक दिन मैं गौतम राज्याध्यक्ष के ह्यूजेस रोड स्थित आलीशान घर की बालकनी में खींची गई इन तस्वीरों के पीछे की कहानी जरूर शेयर करूंगी. लेकिन अभी नहीं... अभी नहीं.₹ तस्वीरों में यंग आमिर खान और पूजा भट्ट व्हाइट कलर कपड़ों में ट्विंग करते दिख रहे हैं और कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं.

पूजा-आमिर ने 'दिल है के मानता नहीं' में किया था काम

बता दें कि पूजा भट्ट और आमिर खान ने महेश भट्ट द्वारा निर्देशित 1991 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दिल है के मानता नहीं' में एक साथ काम किया था. ये फिल्म जबरदस्त हिट हुई थी और आज भी बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा रोमांटिक फिल्मों में से एक मानी जाती है. फिल्म में आमिर ने एक पत्रकार रघु जेटली का किरदार निभाया था, जबकि पूजा ने अमीर घर की लड़की पूजा धर्मचंद की भूमिका निभाई थी जो घर से भाग जाती है. फिल्म में अनुपम खेर ने पूजा के पिता का किरदार प्ले किया था.

पूजा भट्ट के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 1989 में अपने पिता महेश भट्ट द्वारा निर्देशित फिल्म 'डैडी' से बॉलीवुज में डेब्यू किया था.वर्क फ्रंट की बात करें तो पूजा भट्ट हाल ही में 'बॉम्बे बेगम्स' और 'बिग बॉस ओटीटी 2' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आई थीं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरों के साथ ही अपनी लाइफ से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं.

46 की उम्र में उर्वशी ढोलकिया ने बिखेरा ग्लैमर
ब्लैक आउटफिट और शॉर्ट हेयर में लगीं बला की हसीन

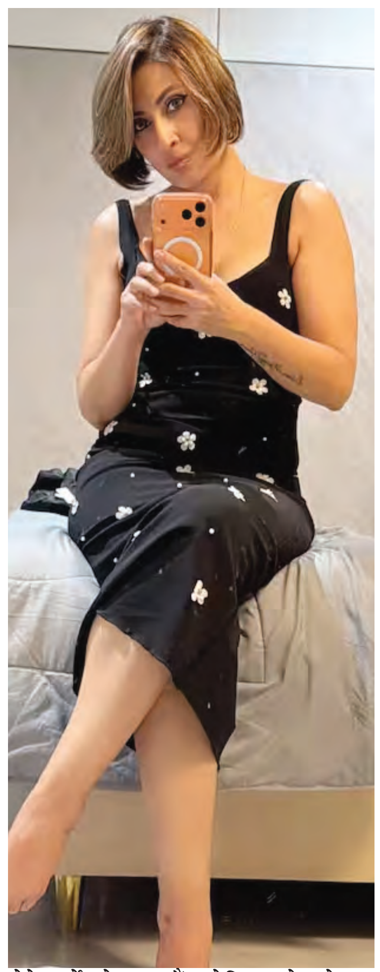

उर्वशी ढोलकिया ने हाल ही में ब्लैक आउटफिट और शॉर्ट हेयर लुक में अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं. जिन्हें देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया ने टीवी शो 'कसौटी जिंदगी कि' में 'कोमोलिका' बनकर हर किसी का दिल जीत लिया था. वहीं अब एक्ट्रेस अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस को दीवाना बना रही हैं. हाल ही में उर्वशी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका स्टाइलिश अंदाज नजर आ रहा है.

उर्वशी ढोलकिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका स्टाइलिश और खूबसूरत अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. शेयर की गई फोटोज में उर्वशी ढोलकिया ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल मेकअप के साथ पूरा किया है. 46 की उम्र में भी एक्ट्रेस की खूबसूरती पहले जैसे ही बरकरार है. एक्ट्रेस शॉर्ट हेयर लुक में बला की खूबसूरत लग रही हैं और उनका स्टाइलिश अंदाज फैंस का दिल जीत रहा है. इन तस्वीरों में उर्वशी ढोलकिया मिरर सेल्फी लेते हुए अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं, जिसमें उनका कातिलाना अंदाज फैंस का ध्यान खींच रहा है. उर्वशी ढोलकिया की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं. फैंस कमेंट्स में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. बता दें, उर्वशी ढोलकिया काफी टाइम से छोटे पर्दे से दूर हैं. लेकिन वो सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस ने जुड़ी रहती हैं.

कभी नहीं था खुद का घर, रिश्तेदारों का लिया सहारा
आज फिल्मों से ओटीटी क्वीन बन चुकी हैं शेफाली शाह

शेफाली शाह ने आज भले ही ओटीटी और फिल्मों में अपनी अलग पहचान बना ली हो, लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मुश्किलों का सामान करना पड़ा. छोटे-छोटे रोल से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शेफाली को असली पहचान 'दिल्ली क्राइम' में वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार से मिली, जिसने उन्हें घर-घर तक पहचान दिलाई. एक साधारण परिवार से आने वाली शेफाली ने अपनी जिंदगी के कई मुश्किल दौर भी देखे हैं. चलिए बताते हैं उनकी स्ट्रगल लाइफ के बारे में.

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायकी से अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपनी संजीदा एक्टिंग और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है. फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उनकी फैन फॉलोइंग हर जगह है. यहां तक कि एक्ट्रेस को तो अब ओटीटी क्वीन भी कहा जाता है.

संघर्षों से नहीं टूटीं शेफाली शाह

शेफाली शाह आज भले ही सफलता की सीढ़ियां चढ़ चुकी हैं. लेकिन, यहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं रहा. बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया. संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी. यही वजह है कि आज वो फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में जानी मानी हैं.

कभी नहीं था खुद का घर

22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही एक्टिंग की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं. वो एक साधारण परिवार से नाता रखती थीं और शुरुआती दिनों में उनके परिवार को पैसों की परेशानी का सामना करना पड़ा. एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा. कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई. इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी.

छोटे रोल से शुरू किया करियर

शेफाली ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी. इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी. इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी. इस फिल्म में उनके एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा. उन्होंने इस किरदार ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की.

कई फिल्मों में दिखाया दमदार एक्टिंग

इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया. 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता. खास बात ये रही कि उन्होंने हमेशा अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की कोशिश की.

कैसे ओटीटी ने बदली किस्मत?

हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वो पॉपुलरिटी नहीं मिली, जिसकी वो हकदार थीं. इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया. वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई. इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला. इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया.

शेफाली शाह की पर्सनल लाइफ

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है. उनकी खासियत ये है कि वे हर किरदार को बेहद आसान और रियलिटी अंदाज में स्क्रीन पर उतारती हैं. निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी सिंपल और सहज जीवन जीती हैं. वो फिल्म डायरेक्टर विपुल शाह के साथ खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रही हैं. दोनों ने 12 दिसंबर 2000 को फेरे लिए थे. इसके पहले उनकी शादी एक्टर हर्ष छाया से हुई थी. हालांकि, उनका रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया.

येलो-ग्रीन एथनिक लुक में छाईं तृप्ति डिमरी 'मां बहन' की एक्ट्रेस की सादगी ने जीता दिल

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो येलो-ग्रीन सूट पहने नजर आ रही हैं. उनकी सादगी ने फैंस का दिल जीत लिया है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं. ये डार्क कॉमेडी फिल्म 4 जून, 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी. एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच तृप्ति ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो येलो-ग्रीन सूट पहने नजर आ रही हैं. उनकी सादगी ने फैंस का दिल जीत लिया है. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं.

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने येलो बेस पर ग्रीन फ्लोरल प्रिंट वाला सूट पहना है, जो काफी फ्रेश और समर वाइब दे रहा है. उन्होंने इसके साथ मैचिंग बॉटम्स और ग्रीन दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर हल्का सा पैटर्न और बॉर्डर डिजाइन इसे और एलिगेंट बना रहा है. तृप्ति ने दुपट्टे को एक साइड से ओपन और फ्लोई अंदाज में कैरी किया है, जिससे उनके लुक में ग्रेस के साथ-साथ खूबसूरत मूवमेंट भी नजर आ रहा है. तप्ति ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए स्टेटमेंट झुमके पहने हैं, जो आउटफिट के साथ अच्छी तरह मैच कर रहे हैं. हाथ में मल्टीपल ब्रेसलेट्स भी हैं, जो एथनिक टच दे रहे हैं. एक्ट्रेस ने बालों को साइड पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है, जिससे उनका लुक नेचुरल लग रहा है. सिंपल लुक में भी वो बेहद हसीन लग रही हैं. मेकअप की बात करें तो तृप्ति ने काफी सटल और ग्लोइंग मेकअप किया है. न्यूड लिप शेड, हल्का ब्लश और डिफाइंड आईज के साथ उनका चेहरा बेहद फ्रेश और नैचुरल लग रहा है.तृप्ति ने तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज अपने पौधों के साथ ट्विनिंग कर रही हूं.' तृप्ति अपने छोटे से गार्डन में एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं. उनकी सादगी ने फैंस का दिल जीत लिया है. तृप्ति की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. फैंस के लिए उनकी दिलकश अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है.

'इतनी बड़ी बात क्या है?...', सीक्रेट वेडिंग की अफवाहों पर कंगना रनौत ने तोड़ी चुप्पी

कंगना रनौत अक्सर अपने किसी ना किसी बयान की वजह से सुर्खियों में रहती हैं. कई बार वो कुछ ऐसे राजनीतिक बयान दे देती हैं, जिसकी वजह से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है. लेकिन अब अभिनेत्री अपने किसी बयान को लेकर नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ की वजह से मीडिया में छाई हुई हैं. उनकी सीक्रेट वेडिंग की चर्चा जोरों पर है, जिसके बाद अब कंगना ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

दरअसल, सोशल मीडिया पर कंगना रनौत की लेटेस्ट फोटोज और वीडियोज वायरल सामने आए थे, जिसमें अभिनेत्री को मंगलसूत्र और मांग में सिंदूर लगाए देखा गया था, जिसके बाद सीक्रेट वेडिंग की चर्चा शुरू हो गई थी. खबर आग की तरह फैल गई थी, जिसके बाद कंगना ने अपना रिएक्शन दिया और सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि शादीशुदा महिलाओं के लुक को लेकर इतनी बड़ी बात क्या है?

कंगना रनौत ने सीक्रेट वेडिंग पर दी सफाई

कंगना रनौत ने सीक्रेट वेडिंग की चर्चाओं के बीच इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी फोटो को शेयर करते हुए इस पूरे मामले पर सफाई दी और लिखा, 'मैं सिटी में किसी फिल्म की हर दिन शूटिंग कर रही हूं. किसी ने मेरी रेंडम फोटो क्लिक कर ली और उस समय मैं अपने कैरेक्टर और मेकअप में थी. अब मुझे बहुत सारे कॉल्स आ रहे हैं लेकिन शादीशुदा महिलाओं के लुक को लेकर इतनी बड़ी बात क्या है? एक्टर्स हर तरह के रोल प्ले करते हैं. मैं सीक्रेटली शादी नहीं करूंगी. मैं वादा करती हूं.'

चिराग पासवान संग रही थी लिंकअप की खबरें

गौरतलब है कि इसके पहले भी कंगना रनौत अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई बार मीडिया की सुर्खियों में रह चुकी हैं. कुछ समय पहले ही उनका नाम चिराग पासवान के साथ जोड़ा जा रहा था. दोनों ही राजनेता हैं तो वो अक्सर मिलते रहते हैं, जिसकी वजह से कई बार साथ में स्पॉट किए जाने और उनकी बॉन्डिंग को देखने के बाद लोगों ने काफी कयास लगाए थे कि वो एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि, बाद में कंगना ने अपने रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी थी और बताया था कि दोनों दोस्त हैं. राजनेता से पहले दोनों फिल्म इंडस्ट्री की वजह से एक-दूसरे को जानते हैं.

कंगना रनौत का प्रोफेशनल फ्रंट

बहरहाल, अगर कंगना रनौत के प्रोफेशनल फ्रंट के बारे में बात की जाए तो उन्हें आखिरी बार फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी लेकिन ओटीटी पर इसे लोगों ने काफी पसंद किया था. फिल्म में एक्ट्रेस के साथ कई कलाकार थे, जिन्हें लोगों ने खूब सराहा था.

सुहाना खान के जन्मदिन पर अनन्या और शनाया कपूर ने लुटाया प्यार

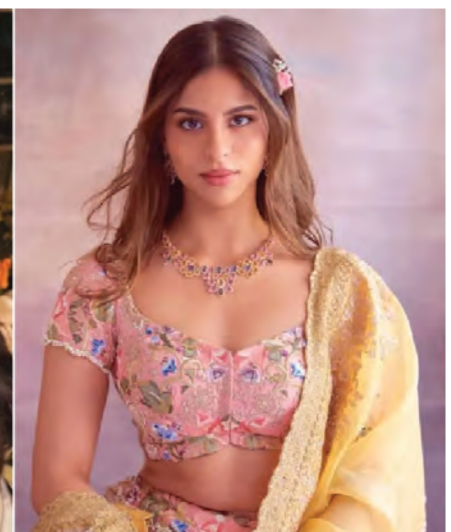

शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान आज 26 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर सुहाना खान की दोस्त और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और शनाया कपूर ने सोशल मीडिया पर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

शनाया ने दी जन्मदिन की बधाई

शनाया कपूर ने अपनी सबसे अच्छी दोस्त सुहाना खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों रंग-बिरंगी यूरोपीय इमारतों और नावों के सामने एक साथ पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ शनाया ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे माई सु। लव यू फॉर लाइफ। जिंदगी भर के लिए ढेर सारा प्यार। सुहाना ने शन्या की इस पोस्ट को लाइक किया और इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दोबारा शेयर किया।

अनन्या ने दी जन्मदिन की बधाई

अनन्या पांडे ने भी अपनी दोस्त सुहाना को जन्मदिन की खास बधाई देते हुए इंस्टाग्रम स्टोरी पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों दोस्त साथ मे पोज देती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ अनन्या ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी क्यूटी पाई। लव यू हमेशा के लिए।'

सहर बाम्बा ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

शाहरुख खान के बेटे और निर्देशक आर्यन खान की वेब सीरीज से 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से प्रसिद्धि हासिल कर चुकीं सहर बाम्बा ने भी सुहाना को जन्मदिन की बधाई दी है। सहर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सुहाना के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सहर ने लिखा, 'मेरी प्रिय जन्मदिन मुबारक हो।'

बचपन की गहरी दोस्ती

सुहाना खान, शनाया कपूर और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे बचपन की पक्की सहेलियां हैं। इन तीनों को अक्सर एक साथ पार्टियों और छुट्टियों का आनंद लेते देखा जाता है। इनकी दोस्ती की वजह इनका परिवार भी है। शाहरुख खान, संजय कपूर और चंकी पांडे का परिवार कई साल से एक-दूसरे के बहुत करीब रहा है। सुहाना खान ने साल 2023 में जोया अख्तर की ओटीटी फिल्म 'द आर्चीज' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा ने भी डेब्यू किया था। सुहाना जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'किंग' में अपने पिता शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी।

राजाभैया-धनंजय समेत 50 बाहुबलियों की क्राइम कुंडली कोर्ट में

कहा- हथियारों के लाइसेंसों और सिक्योरिटी की भी जांच हो

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजा भैया, बृजभूषण, धनंजय सिंह समेत 50 से ज्यादा बाहुबलियों की क्राइम कुंडली यूपी सरकार से मांगी है। कोर्ट ने बाहुबलियों के गन लाइसेंस और सुरक्षा की भी जांच करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने गृह विभाग के अफसरों को फटकार लगाते हुए 26 मई तक जांच रिपोर्ट जमा करने को कहा है। साथ ही गृह विभाग के ज्वाइंट सेक्रेटरी हलफनामा के साथ संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों और कमिश्नरेट के कमिश्नरों की अंडरटेकिंग (लिखित जिम्मेदारी) भी देंगे।

दरअसल, संत कबीरनगर के रहने वाले जयशंकर उर्फ बैरिस्टर ने गन लाइसेंस जारी करने में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 18 मई को उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विनोद दिवाकर की बेंच ने यह दिया। 20 मई को यह आदेश हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुआ।

सरकार का हलफनामा देख

कोर्ट हैरान

सरकार की ओर से दाखिल हलफनामा देखकर हाईकोर्ट ने हैरानी जताई। गृह विभाग ने हलफनामे में बताया था कि इस समय प्रदेश में करीब 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंस जारी हैं। अभी भी 23 हजार से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं।

6 हजार से ज्यादा ऐसे लोगों को भी लाइसेंस दिए गए हैं, जिन पर दो या उससे अधिक आपराधिक मामले चल रहे हैं।

इसके अलावा, प्रदेश में करीब 21 हजार परिवार ऐसे हैं, जिनके पास एक से ज्यादा शस्त्र लाइसेंस हैं। पुलिस और डीएम के फैसलों के खिलाफ 1,738 अपीलें अभी कमिश्नरों के पास लंबित हैं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा- 26 मई तक जोनवार और जिला या थानावार बाहुबलियों और आपराधिक केस वाले लोगों की लिस्ट दें, जिनको गन लाइसेंस और सुरक्षा दी गई है।

गृह विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी हलफनामा के साथ संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों और कमिश्नरेट के कमिश्नरों की अंडरटेकिंग (जिम्मेदारी) भी देंगे। संबंधित जिलों के पुलिस कप्तान या कमिश्नरेट के कमिश्नर जानकारी देते हुए यह अंडरटेकिंग देंगे कि कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई है। अगर छिपाया गया तो वह खुद जिम्मेदार होंगे।

जस्टिस दिवाकर की बेंच ने कहा कि पहली नजर में कोर्ट की राय यह है कि खुलेआम हथियार दिखाने से भले ही प्रभुत्व, शक्ति और सुरक्षा का एहसास होता हो, लेकिन इससे समाज में आपसी भाईचारा बिगड़ता है।

आम लोगों के मन में डर और असुरक्षा की भावना पैदा होती है। बेंच ने कहा कि कई बार लोग हथियार रखने को आत्मरक्षा के नाम पर सही ठहराते हैं, लेकिन जब हथियार डराने या धमकाने के लिए इस्तेमाल होने लगते हैं, तो वे सुरक्षा नहीं बल्कि डर बढ़ाते हैं। ऐसा समाज, जहां हथियारबंद लोग ताकत और धमकी के बल पर अपना दबदबा बनाते हैं, वह न तो शांतिपूर्ण होता है और न ही सुरक्षित। इससे लोगों का भरोसा कमजोर होता है, सुरक्षा की भावना घटती है और समाज की शांति भंग होती है।

मां ने बच्चों को नींद का इंजेक्शन देकर गला घोंटा

पति ने लगाई फांसी, फिर खुद फंदे से झूली, सुसाइड नोट में अफेयर का जिक्र

दुर्ग-भिलाई, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शुक्रवार को मकान से दंपती और उनके 2 बच्चों की लाश मिली। बच्चों की लाश बिस्तर पर थी, पति-पत्नी फंदे से लटके हुए मिले। मृतिका चंचल साहू ने अपने नाम से ही सुसाइड नोट लिखा है। इस सुसाइड नोट में शादीशुदा जिंदगी से परेशान होने की बात कही है।

उसने पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया है। दोनों की लव मैरिज हुई थी। सुसाइड नोट में पत्नी ने किसे कैसे मारा है इस बात का भी उल्लेख है। चंचल ने पहले दोनों बच्चों को शराब पिलाई। उसके बाद उसने बच्चों को नींद का इंजेक्शन लगाया।

मौत हुई या नहीं कंफर्म नहीं होने पर उसने बच्चों का रस्सी से गला घोंट दिया। वहीं पति शराब का आदी था। उसे भी खूब शराब पिलाई। पत्नी के गाल पर थप्पड़ के निशान मिले हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच विवाद हुआ था।

इस दौरान पति पहले फांसी के फंदे पर झूला, उसके बाद पत्नी ने खुद फांसी लगाई है। इस मामले में एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वजह बताई जा सकेगी। अभी मामले की जांच की जा रही है। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है।

गोविंद साहू (45), चंचल साहू (40) और बेटी दृष्टि साहू (13), बेटे यशांत साहू (11) की फाइल फोटो

जानकारी के मुताबिक गोविंद साहू (45) और चंचल साहू (40) की लाश कमरे में फांसी के फंदे पर लटके मिली, जबकि बेटी दृष्टि साहू (13) और बेटे यशांत साहू (11) की लाश बिस्तर में मिली। जानकारी के अनुसार कमरे में 2 सुसाइड नोट मिले हैं, जिसमें एक सुसाइड नोट में पति-पत्नी दोनों की राइटिंग है।

इससे पुलिस अंदाजा लगा रही है कि पति-पत्नी दोनों ने मिलकर आत्महत्या की है। यह पूरी वारदात शराब के नशे में की गई है। पुलिस को घर के अंदर शराब की बॉटल भी मिली हैं। पत्नी ने सुसाइड नोट में पति पर दूसरी लड़कियों से अफेयर का जिक्र किया है। इस वजह से विवाद की बात कही है।

मृतिका चंचल साहू ने माता-पिता और भाई के फैसले के खिलाफ शादी की थी। लेकिन वो अपनी शादीशुदा जिंदगी से खुश नहीं थी। वो अपने पति से शादी के कुछ साल बाद से ही परेशान रहती थी। चंचल ने मरने से पहले अपने परिवार के सदस्यों से माफी मांगी है।

गोविंद और चंचल के दोनों बच्चे केपीएस नेहरू नगर में पढ़ाई करते थे। बेटा इस साल ने 5वीं की परीक्षा पास कर 6वीं में प्रवेश कर लिया है। वहीं बेटी 8वीं पास कर 9वीं कक्षा में गई थी। पति गोविंद साहू शेयर ट्रेडिंग का काम करता था।

भिलाई के प्रियदर्शनीय परिसर में ऑफिस है। मृतक गोविंद साहू का एक भाई राधिका नगर में रहता है और बाकी के तीन भाई दुर्ग के आर्य नगर स्थित घर में एक साथ रहते हैं। तीनों भाई अलग नहीं हुए थे और एक ही चुल्हे पर तीनों भाई की फैमिली का खाना बनता था।

सातवीं-आठवीं पास युवकों ने बनाया करोड़ों का ऑनलाइन नेटवर्क, 5 अरेस्ट

मुजफ्फरनगर, 22 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में आईपीएल सट्टेबाजी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए भोपा थाना पुलिस और एसओजी देहात टीम ने पांच शातिर सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे गैंग को संचालित करने वाले अधिकांश आरोपी महज सातवीं और आठवीं तक पढ़े हुए हैं, लेकिन सोशल मीडिया और ऑनलाइन ऐप्स के जरिए इन्होंने करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार खड़ा कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लाख रुपये नकद, एक लैपटॉप, सात मोबाइल फोन और एक टैबलेट बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह पिछले करीब डेढ़ साल से 99-ईएक्ससीएच नामक ऑनलाइन ऐप के माध्यम से आईपीएल मैचों पर सट्टा लगवाने का धंधा चला रहा था। गैंग का मुख्य सरगना परवेज बताया जा रहा है, जो अलग-अलग यूजर आईडी और बैंक खातों के जरिए पूरे नेटवर्क को ऑपरेट करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग हर महीने करीब एक करोड़ से अधिक का सट्टा संचालित कर रहा था और प्रतिदिन लगभग चार लाख रुपये का ऑनलाइन लेनदेन होता था। दरअसल, 20 मई 2026 को भोपा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कस्बा मोरना स्थित एक मकान में आईपीएल मैचों पर बड़े स्तर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी कराई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना भोपा पुलिस, एसओजी देहात और अधिकारियों की संयुक्त टीम ने मौके पर छापेमारी करते हुए मौके से पांच आरोपी परवेज, साजिद, गुलफाम, दीपक और जियाहुलक को गिरफ्तार किया। आरोपी मोबाइल फोन और लैपटॉप के जरिए लाइव सट्टेबाजी संचालित कर रहे थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वो इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाता था।

झारखंड के 4 जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। रांची में गुरुवार को दिन भर तीखी धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल रहे। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक राज्य में गर्मी, उमस, आंधी और बारिश का मिला-जुला असर जारी रहेगा। राज्य के 4 जिले पलामू, जमशेदपुर, बोकारो और चाईबासा में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। सुबह से तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर रही है, जबकि कई इलाकों में दोपहर बाद आंधी, तेज हवा और हल्की बारिश का दौर भी देखने को मिल रहा है। गर्मियों में पीने, नहाने, खाना पकाने और साफ-सफाई में भी पानी की खपत बढ़ जाती है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, लोहरदगा को छोड़कर शेष हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। हवा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है।

वहीं, देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, बोकारो और धनबाद में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

हवा 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में 27 मई तक बारिश और तेज हवा चलने की संभावना व्यक्त की है।

पिछले 24 घंटे में पलामू में 43.4 डिग्री, जमशेदपुर में 41.8 डिग्री, बोकारो में 41.2 डिग्री और चाईबासा में 42.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस नामकुम में दर्ज किया गया।

छत्तीसगढ़ की भाजपा नेत्री से दिल्ली में रेप, कारोबारी अरेस्ट

निवेश के नाम पर नजदीकियां बढ़ाई, 2.5 करोड़ ठगे, रेप-ब्लैकमेलिंग का केस, बोला-आरोप झूठे

बिलासपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से भाजपा नेत्री के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि झारखंड के रांची निवासी कारोबारी संजय सिंह ने दिल्ली में महिला के साथ रेप किया।

बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात पहले दिल्ली में हुई थी, जहां आरोपी ने माइनिंग कारोबार में निवेश का झांसा देकर महिला से नजदीकियां बढ़ाईं। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

शुक्रवार को बिलासपुर पुलिस ने झारखंड के रांची से आरोपी संजय सिंह को अरेस्ट कर लिया है। वहीं संजय के वायरल वीडियो पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुलिस खुद उसे वीडियो जारी कर सफाई देने का मौका दे रही है?

वीडियो में संजय ने रेप के आरोपों को झूठा बताते हुए दावा किया है कि 21 मई को पुलिस ने उसके घर दबिश देकर खुद केस की जानकारी दी थी। उसने भाजपा नेत्री पर कोलमाइंस के नाम पर 80 लाख रुपए की ठगी का उल्टा आरोप भी लगाया है।

जानकारी के मुताबिक भाजपा नेत्री सिविल लाइन क्षेत्र की रहने वाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका दिल्ली आना-जाना लगा रहता था। करीब 2 साल पहले उनकी पहचान संजय सिंह से हुई थी।

इस दौरान संजय सिंह ने खुद को बड़ा कारोबारी बताते हुए माइनिंग कारोबार में निवेश पर अच्छा मुनाफा होने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने व्यापार में साझेदारी और मोटे लाभ का झांसा देकर महिला से निवेश कराया। इसी दौरान दोनों के बीच संपर्क बढ़ता गया।

भाजपा नेत्री का आरोप है कि कारोबारी ने भरोसे का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में दिल्ली में दुष्कर्म किया। महिला ने पुलिस को बताया कि वारदात के बाद आरोपी लगातार ब्लैकमेल करता रहा और पैसों की मांग भी करता था।

भाजपा नेत्री ने अपनी शिकायत में बताया कि कारोबारी संजय ने उनसे अलग-अलग किश्तों में करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए लिए। आरोप है कि संजय ने आरटीजीएस समेत अलग-अलग माध्यमों से रकम लेने के बाद कैश में निवेश कराने का झांसा दिया। बाद में जब भाजपा नेत्री ने अपने पैसे वापस मांगे, तब आरोपी उल्टा ब्लैकमेल कर अवैध वसूली करने लगा। मानसिक रूप से परेशान होने के बाद भाजपा नेत्री ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

गिरिडीह सदर अस्पताल में महिला मरीज की मौत

गिरिडीह, 22 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह सदर अस्पताल में कथित तौर पर रक्त उपलब्ध कराने में देरी के कारण एक महिला मरीज की मौत का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मृतका की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महेशपुर फुलची निवासी 50 वर्षीय मीना देवी के रूप में हुई है।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और ब्लड बैंक कर्मियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका के पति धीरेन राय ने बताया कि उनकी पत्नी खून की कमी से पीड़ित थीं। गुरुवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने मरीज को तत्काल रक्त चढ़ाने की सलाह दी थी। इसके बाद परिजनों ने खुद रक्तदान कर ब्लड बैंक में खून जमा कराया था।

परिजनों का आरोप है कि ब्लड बैंक कर्मियों ने उन्हें बताया कि रक्त की जांच रांची से होकर आएगी और शुक्रवार सुबह तक रक्त उपलब्ध करा दिया जाएगा। धीरेन राय ने बताया कि अस्पताल के पास ही घर होने के कारण वे अपनी पत्नी को रात में घर ले गए थे। शुक्रवार सुबह जब वे रक्त लेने के लिए सदर अस्पताल पहुंचे, तो उनसे मरीज का ब्लड सैंपल लाने को कहा गया। परिजनों ने तुरंत मरीज का सैंपल लाकर जमा किया, लेकिन इसके बावजूद रक्त प्रोसेसिंग और मैचिंग के नाम पर उन्हें करीब दो घंटे तक इंतजार कराया गया।

बैज बोले- टीएस बाबा दिल्ली में करें काम

छत्तीसगढ़ में युवाओं को मौका दें, सिंहदेव बोले- वो खुद चुनाव हारे, अपना क्षेत्र मजबूत करें

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब बड़े नेता हैं, उन्हें दिल्ली में जाकर काम करना चाहिए। छत्तीसगढ़ में युवाओं को मौका देना चाहिए।

टीएस सिंहदेव ने कहा था कि अगर पार्टी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देती है तो वह उसे जरूर निभाएंगे। इसी सवाल पर बैज ने ये बयान दिया।

इस पर पलटवार करते हुए सिंहदेव ने कहा कि वे आज भी खुद में युवाओं जैसी ऊर्जा महसूस करते हैं, वे छत्तीसगढ़ के लिए ही काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव हारा, दीपक बैज भी चुनाव हार चुके हैं। कांग्रेसी की पहली जिम्मेदारी अपने संगठन को मजबूत करना है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि सिंहदेव

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य रह चुके हैं और तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों के प्रभारी की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

पार्टी जहां भी जिम्मेदारी देती है, सिंहदेव वहां जाकर काम करते हैं। ऐसे में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, दिल्ली जाकर काम करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी सभी नेताओं को साथ लेकर बेहतर तरीके से काम कर रही है। दीपक बैज के इस बयान को कांग्रेस संगठन और नेतृत्व में चल रही अंदरूनी चर्चाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बैज के बयान पर कहा कि उन्हें नहीं पता कि दीपक बैज ने किस सोच के साथ यह बात कही। अगर युवाओं को मौका देने की बात हो रही है तो मैं आज भी खुद में युवाओं जैसी ऊर्जा महसूस करता हूं। मैं अभी भी पूरी तरह सक्रिय हूं और पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाने के लिए तैयार हूं।

टीएस सिंहदेव ने साफ कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र और पूरे छत्तीसगढ़ में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह लगातार प्रदेशभर में लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और इसकी जानकारी पार्टी नेतृत्व को भी है।

गंगा में नहाते-नहाते युवक ने बीयर पी, एफआईआर दर्ज

वाराणसी, 22 मई (एजेंसियां)। काशी में गंगा नदी में इफ्तार पार्टी के बाद शुक्रवार को बीयर पीने का मामला सामने आया है। अस्सी घाट गंगा में नहा रहे एक युवक ने बीयर पी। फिर केन को मोड़कर गंगा के तट पर फेंक दिया। युवक की इस करतूत को किसी ने अपने कैमरे में कैद कर लिया।

उसे नदी से बाहर अपने पास बुलाया और फटकार लगाई। आरोपी युवक ने माफी मांगी। उसने कहा, गलती हो गई। अब आगे से ऐसा नहीं करूंगा। वीडियो सामने आने के बाद वकील शशांक शेखर त्रिपाठी ने आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में युवक पर केस दर्ज किया है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम लगाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी युवक बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला है।

भू-धंसान की चपेट में आया एक घर

घटना के वक्त कोई नहीं था घर में, खनन प्रभावित कांटापहाड़ी बस्ती में हुआ हादसा

धनबाद, 22 मई (एजेंसियां)। धनबाद जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र स्थित अंगारपथरा ओपी की कांटापहाड़ी बस्ती में शुक्रवार को खनन प्रभावित क्षेत्र में अचानक भू धंसान हो गया। इस घटना में एक घर पूरी तरह ध्वस्त हो गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त घर में मौजूद लोग बाहर निकल गए थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। भूधसान के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कतरास-धनबाद मुख्य मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कोयला खनन जारी है, जिसके कारण जमीन अंदर से खोखली हो गई है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने बीसीसीएल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए समुचित पुनर्वास और सुरक्षा की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। स्थानीय बीसीसीएल अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेजने का आश्वासन दिया।

काफी देर तक चले हंगामे के बाद, प्रशासन के आश्वासन पर ग्रामीणों ने सड़क जाम हटा लिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध खनन पर रोक नहीं लगी और पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे आगे उग्र आंदोलन करेंगे।

इंजीनियर के फ्लैट में घुसकर लूट करने वाला सहकर्मी निकला

शेयर बाजार में डूब गए थे 2.5 लाख रुपए, कहासुनी के बाद बनाया प्लान

भिवाड़ी, 22 मई (एजेंसियां)। भिवाड़ी पुलिस ने महिला के फ्लैट में घुसकर चाकू की नोंक पर हुई लूट मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के पति का कर्मचारी था। आरोपी के शेयर मार्केट में 2.5 लाख रुपए डूब गए थे। इन्हीं पैसों को लेकर उसने लूट की वारदात को अंजाम दिया। लूटे गए 60 हजार रुपए में से आरोपी से 58 हजार रुपए बरामद कर लिए गए है। 2 हजार रुपए उसने मौज मस्ती में खर्च कर दिए।

एएसपी श्रीमन लाल मीणा ने बताया- मामले में हरियाणा के धारूहेड़ा के गुर्जर घटाल निवासी धनबीर (29) को पकड़ा है। धनबीर, महिला अपूर्वा के पति शुभम सक्सेना के पास ही संविदा कर्मी के रूप में काम कर रहा था।

घटना को लेकर एएसपी ने बताया-18 मई को सुबह करीब 9:15 बजे आशियाना तरंग सोसायटी निवासी अपूर्णा सक्सेना (32) अपने फ्लैट में अकेली थी। जब उन्होंने दरवाजा खोला, तो एक व्यक्ति जबरदस्ती अंदर घुस आया। आरोपी ने बच्चे की गर्दन पर चाकू रखकर महिला को धमकाया और लगभग 60-70 हजार रुपए नकद, सोने के दो कड़े, एक मोबाइल, आधार कार्ड और पति की कार की चाबी लूट ली। महिला के हाथ-पैर बांधने के बाद आरोपी ने कूरियर वाले से 150 रुपए देकर एक पैकेज भी लिया। जाते समय उसने 15 लाख रुपए की मांग करते हुए बच्चे को जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद पुलिस टीमों का गठन किया गया। साइबर सेल,डीएसबी, डीएसटी और थाना टीमों ने राजस्थान-हरियाणा समेत आसपास के राज्यों में छानबीन शुरू की। पुलिस ने करीब 600 सीसीटीवी फुटेज देखे।

लखनऊ में 70 जज साइकिल चलाकर कोर्ट पहुंचे

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। यूपी में पीएम मोदी की ईंधन बचाने की अपील के बीच लखनऊ में शुक्रवार को 70 जज एक साथ साइकिल से जिला कोर्ट पहुंचे। जजों ने अपनी साइकिलों पर पंपलेट लगाए थे, जिन पर लिखा था- एक देश, एक संकल्प। ईंधन बचाओ।

उधर, कुशीनगर और महाराजगंज में पेट्रोल-डीजल की किल्लत बनी हुई है। लगातार चौथे दिन कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी रहीं। लोग बड़े-बड़े डिब्बे लेकर पंपों पर पहुंचे। महाराजगंज के एक युवक ने बताया कि सुबह से लाइन में लगे होने के बावजूद अब तक तेल नहीं मिला। अगर डीजल नहीं मिला, तो खेती कैसे होगी? हालांकि, यूपी के राज्य स्तरीय समन्वयक (तेल उद्योग) के कार्यकारी निदेशक संजय भंडारी ने कहा-पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कमी नहीं है। सभी जगह पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आपूर्ति सामान्य चल रही है। लोग अफवाहों पर ध्यान न दें। पेट्रोल-डीजल की अनावश्यक जमाखोरी न करें।

इसी बीच, ऊर्जा संकट को देखते हुए योगी सरकार ने गुरुवार देर रात बड़ा फैसला लिया। सरकारी अधिकारियों की गैर-जरूरी विदेश यात्राओं पर 7 महीने के लिए रोक लगा दी। साथ ही शहरों में 5 से 10 किमी. के दायरे में साइकिल चलाने के लिए अलग ट्रैक बनाने के निर्देश दिए।

विधायक टांकड़ा बोले-पीएमओ नेतागिरी करता फिरता है

दौसा, 22 मई (एजेंसियां)। दौसा कलेक्ट्रेट में जिला अस्पताल के पीएमओ पर लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा भड़क गए।

विधायक ने कहा- यह तीसरी बार है जब पीएमओ दिशा की बैठक में नहीं आए। दौसा अस्पताल पीएमओ की बपौती (प्रोपर्टी) थोड़े ही है। इसका इलाज तो मैं करवाउंगा। ओपीडी में बैठते ही नहीं हैं। नौकरशाह होकर नेतागिरी करता फिरता है। उन्हें गलतफहमी है, चश्मा लगा रखा है। नर्सिंग स्टाफ को रुपए लेकर लगाता है। 10-15 साल से काम करने वाले कर्मियों को हटा दिया। इसी दौरान एक सदस्य ने कहा- अस्पताल में नेताओं के साथ पीएमओ के फोटो लगे हैं। इस पर विधायक ने कहा- उन पर फूल चढ़ा दो। मैंने अच्छे-अच्छों के फूल उतार दिए और चढ़ा भी दिए। अगर इनकी नेतागिरी खत्म नहीं होती है तो इनके लिए फूल नहीं, गुलदस्ता तैयार रखो।

सरकार को चिट्ठी लिखकर कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके बाद दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा ने कलेक्टर डॉ. सौम्या झा से पीएमओ के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार को पत्र लिखने को कहा। जिला कलेक्ट्रेट में दिशा की बैठक के दौरान जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं की शिकायत पर सांसद ने पीएमओ से जवाब मांगा। इस पर बतौर प्रतिनिधि बैठक में शामिल डॉ. जमशेद खान जवाब देने लगे। इसी बीच बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा ने पूछा कि पीएमओ डॉ. आरके मीणा बैठक में क्यों नहीं आए, तो डॉ. खान ने ओपीडी में ज्यादा मरीज होने की बात कही। विधायक ने कहा - यह तीसरी बार है जब पीएमओ दिशा की बैठक में अनुपस्थित रहे। इसके बाद दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा और अन्य सदस्यों ने भी पीएमओ की कार्यशैली पर सवाल उठाए। दिशा समिति के सदस्य घनश्याम शर्मा ने कहा - सिलिकोसिस पीड़ितों को कार्ड बनवाने के लिए 30 हजार रुपए देने पड़े, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वास्तविक मरीज भटक रहे हैं। वहीं मक्खन गुर्जर ने आरोप लगाया कि ब्लड बैंक में रक्तदान के बावजूद मरीजों को ब्लड नहीं मिलता और शिकायत करने पर पुलिस में रिपोर्ट की धमकी दी जाती है।

अडानी पर बरसने लगा पैसा !

अमेरिका के बड़े ग्रुप ने झोंके 19,000 करोड़, रिलायंस में घटाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी हाल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस बने हैं। अमेरिका में अडानी के खिलाफ दायर मामला भी अब बंद हो गया है। इसके साथ ही भारत के इन दो दिग्गज रईसों के बारे में विदेशी निवेशकों का नजरिया भी बदलता दिख रहा है। दुनिया के सबसे बड़ी इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक कैपिटल ग्रुप ने हाल में अडानी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है जबकि रिलायंस में अपनी होल्डिंग्स कम कर रहा है।

कैपिटल ग्रुप का हेडक्वार्टर अमेरिका के लॉस एंजिलिस में है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है कि कैपिटल ग्रुप ने हाल में अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों में 2 अरब डॉलर यानी करीब 19,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया है। 5 मई को कैपिटल ग्रुप ने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन में करीब दो फीसदी हिस्सेदारी 74.86 अरब रुपये में खरीदी। यह खरीदारी खुले बाजार से की गई। कैपिटल ग्रुप पूरी दुनिया में 3.3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश को मैनेज करती है। ग्रुप ने अडानी पावर और अडानी ग्रीन एनर्जी में भी 1.5 फीसदी से लेकर 2 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदी है।

शेयरों की चाल

पिछले एक साल में अडानी पावर में 94 फीसदी, अडानी ग्रीन में 35 फीसदी और अडानी पोर्ट्स में 25 फीसदी तेजी आई है। इस बारे में कैपिटल ग्रुप की एक प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अडानी ग्रुप की तरफ से भी कोई कमेंट नहीं आया। कैपिटल ग्रुप ने रिलायंस में अपनी हिस्सेदारी कम की है। मार्च के अंत में कैपिटल ग्रुप के पास रिलायंस इडस्ट्रीज के करीब 142 मिलियन शेयर थे। छह साल पहले यह आंकड़ा 500 मिलियन और मार्च 2017 में 755 मिलियन था। रिलायंस के शेयरों में पिछले एक साल में 8.36 फीसदी गिरावट आई है।

कैपिटल ग्रुप का निवेश

कैपिटल ग्रुप ने अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है अडानी ग्रीन, अडानी पावर और अडानी पोर्ट्स में $2 अरब से ज्यादा निवेश अमेरिका में लॉस एंजिलिस की इस कंपनी ने रिलायंस में हिस्सेदारी कम की एक साल में अडानी पावर में 94%, अडानी ग्रीन में 35% और अडानी पोर्ट्स में 25% तेजी रिलायंस के शेयरों में पिछले एक साल में 8.36 फीसदी गिरावट आई है

शेयरों का हाल

अडानी पोर्ट्स का शेयर अभी बीएसई पर मामूली गिरावट के साथ 1786.80 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,823.75 रुपये है। इसी तरह अडानी पावर का शेयर मामूली तेजी के साथ 220.80 रुपये पर और अडानी ग्री का शेयर 1.22 फीसदी तेजी के साथ 1375.70 रुपये पर है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस का शेयर भी 0.40 फीसदी तेजी के साथ 1355.10 रुपये पर है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,611.20 रुपये है।

इलॉन मस्क बनेंगे दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर !

एक दिन में कमाए 45 अरब डॉलर, जानें क्या है सीक्रेट

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दुनिया में कुछ लोगों की कमाई इतनी तेजी से बढ़ रही है कि आम इंसान के लिए उसे समझना भी मुश्किल हो जाता है. दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति एक बार फिर तेजी से बढ़ी है. गुरुवार यानी कल उनकी नेटवर्थ में एक ही दिन में लगभग 45 अरब डॉलर का इजाफा हुआ, जिससे उनकी टोटल संपत्ति 722 अरब डॉलर तक पहुंच गई है. इस बढ़त के बाद मस्क की स्थिति और मजबूत हो गई है वह अब ट्रिलियनेयर क्लब की ओर तेजी से बढ़ते दिख रहे हैं.

मस्क की दौलत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, एलन मस्क की संपत्ति में इस साल अब तक भारी बढ़ोतरी देखी गई है. उनके मुकाबले अन्य अरबपतियों की संपत्ति काफी पीछे है. रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे नंबर पर मौजूद लैरी पेज की नेटवर्थ मस्क की संपत्ति के आधे स भी कम है.

स्पेसएक्स आईपीओ से और बढ़ेगी दौलत

बता दें कि एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स जल्द ही अमेरिका में आईपीओ लाने की तैयारी में है. इसके बाद इन्वेस्टर्स कंपनी के शेयर खरीद-बेच सकेंगे. स्पेसएक्स रॉकेट और सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के लिए जानी जाती है. माना जा रहा है कि यह आईपीओ वॉल स्ट्रीट के इतिहास में सबसे बड़े आईपीओ में से एक हो सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेसएक्स की लिस्टिंग अगले महीने एसपीसीएक्स कोड के साथ शुरू हो सकती है. इससे एलन मस्क की टोटल संपत्ति में और बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है.

अंबानी और अडानी से तुलना

सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस साल एलन मस्क ने अपनी संपत्ति में 103 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा किया है, जो कई बड़े भारतीय अरबपतियों की टोटल नेटवर्थ से भी ज्यादा है. अगर बात करें मुकेश अंबानी की टोटल संपत्ति की तो लगभग 88.10 अरब डॉलर है, जबकि गौतम अडानी की नेटवर्थ करीब 108 अरब डॉलर के आसपास है.

बैंकिंग–एनबीएफसी शेयरों के बूते चढ़ा बाजार

सेंसेक्स 232 अंक ऊपर, निफ्टी 23700 के पार

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक तेजी के साथ बंद हुए। इसमें ब्लू-चिप बैंक शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में उछाल का अहम योगदान रहा। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में प्रगति की उम्मीदों ने भी बाजार के उत्साह को बढ़ाया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंक या 0.31 फीसदी चढ़कर 75,415.35 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 627.61 अंक या 0.83 फीसदी उछलकर 75,810.97 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64.60 अंक या 0.27 फीसदी बढ़कर 23,719.30 पर समाप्त हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, सन फार्मा, आईटीसी, पावर ग्रिड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स नुकसान में रहे।

बाजार की चाल पर जानकारों की क्या राय?

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि घरेलू बाजार में निचले स्तरों पर खरीदारी हुई। साथ ही, मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीदों से वैश्विक संकेत भी सकारात्मक रहे। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता निवेश मुख्य चालक बना रहा, जबकि घरेलू स्तर पर वित्तीय शेयरों ने बढ़त दर्ज की।

वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की चाल कैसी?

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.3 फीसदी चढ़कर 104.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार भी सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

विदेशी निवेशकों की भूमिका कैसी रही?

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सत्र में 1,891.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस बिकवाली के कारण पिछले दिन बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

गुरुवार को तीस शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क 135.03 अंक या 0.18 फीसदी गिरकर 75,183.36 पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 4.30 अंक या 0.02 फीसदी फिसलकर 23,654.70 पर आ गया था।

सोने और चांदी में गिरावट, कच्चे तेल की कीमत में भी इजाफा हुआ है

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में करीब 700 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 1,600 रुपये सस्ती हुई है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत बढ़ी है और साथ ही डॉलर इंडेक्स भी मजबूत हुआ है। इससे फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। 5 जून की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,59,606 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,59,498 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 682 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,816 रुपये तक फिसला। इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,74,883 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,73,800 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 1,617 रुपये की गिरावट के साथ 2,73,266 रुपये तक फिसली।सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है जबकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 440 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-45
सूर्यास्त. 18 -39
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शनिवार 23 May 2026
तिथि - अष्टमी 04-27 रात्रि तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - मघा 02-09 रात्रि तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - धुव्र 06-13 तक उप व्याघात
करण - विष्टी 16-40 तक उप बव

विशेष: नक्षत्र शांति

गृह स्थिति			लगनारभ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष----	05-17 बजे
चंद्र	सिंह	मे	मिथुन---	07-17 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क----	09-30 बजे
बुध	वृष	मे	सिंह----	11-42 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कन्या----	13-48 बजे
शुक्र	मिथुन	मे	तुला----	15-53 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक---	18-04 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु----	20-18 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर---	22-23 बजे
			कुंभ----	00-13 बजे
			मीन----	01-52 बजे
			मेष----	03-28 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 08-58 से 10-36 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05-45 - 07-21	अशुभ	लाभ	18-39 - 20-05	शुभ
शुभ	07-21 - 08-58	शुभ	उत्पात	20-05 - 21-28	अशुभ
रोग।।	08-58 - 10-36	अशुभ	शुभ	21-28 - 22-50	शुभ
उत्पात	10-36 - 12-13	अशुभ	अमृत	22-50_ - 00-13	शुभ
चंचल	12-13 - 13-50	शुभ	चंचल	00-13 - 01-36	शुभ
लाभ	13-50 - 15-28	शुभ	रोग	01-36 - 02-58	अशुभ
अमृत	15-28 - 17-05	शुभ	काल	02-58 - 04-21	अशुभ
काल	17-05 - 18-39	अशुभ	लाभ	04-21 - 05-45	शुभ

भारतीय दवा उद्योग पर बड़ा संकट, बढ़ सकती हैं पैरासिटामोल और एंटीबायोटिक्स की कीमतें

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता का बुरा असर अब आम इंसान की सेहत और जेब पर पड़ने वाला है। दुनिया भर में सबसे ज्यादा सस्ती (जेनेरिक) दवाएं भेजने वाले भारत के दवा उद्योग पर एक बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है।

इस युद्ध के कारण दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की कमी हो सकती है, माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है और सप्लाई चेन टूट सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले दिनों में पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और

डायबिटीज जैसी आम बीमारियों की दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं और इनकी कमी भी हो सकती है। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनके नेतृत्व में अमेरिका का यह युद्ध वैश्विक व्यापार को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

फार्मेक्सिल (भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद) और अन्य उद्योग संगठनों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव इसी तरह लंबे समय तक बना रहा, तो इसका बहुत भयंकर असर होगा। भारत लगभग 200 देशों को जेनेरिक दवाएं बेचता है। इस संकट का असर न केवल भारत पर पड़ेगा, बल्कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के उन तमाम गरीब देशों पर भी पड़ेगा, जो सस्ती दवाओं के लिए पूरी तरह से भारत पर निर्भर हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग का आकार लगभग 50 अरब डॉलर का है। दुनिया की कुल जेनेरिक दवा आपूर्ति में भारत की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है। भारत भले ही दुनिया को सस्ती दवाएं बेचता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि दवा बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल (एपीआई) इसे दूसरे देशों से मंगाना पड़ता है। साल 2025 में भारत ने लगभग 39,215 करोड़ रुपये के कच्चे माल का आयात किया था, जिसमें 70 से 75 प्रतिशत हिस्सा अकेले चीन का था। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही रुकने से कच्चे माल की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

सरकारी अनुमान के पार पहुंची बिजली की डिमांड, रोज टूट रहे रेकॉर्ड, नौतपा अभी बाकी है

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में रेकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। इसके साथ ही बिजली की डिमांड भी रोज-रोज नए रेकॉर्ड बना रही है। गुरुवार को बिजली की अधिकतम मांग लगातार चौथे दिन 270.82 गीगावॉट के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। जानकारों का कहना है कि पारा चढ़ने के साथ एयर कंडीशनर, एयर कूलर और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली की मांग बढ़ रही है। बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग और खपत में आने वाले दिनों में और वृद्धि हो सकती है। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार बुधवार को बिजली की अधिकतम मांग 265.44 गीगावॉट के रेकॉर्ड स्तर पर रही थी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज (गुरुवार) लगातार चौथे दिन बिजली की अधिकतम मांग अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। दोपहर 3.45 बजे बिजली की अधिकतम मांग 270.82 गीगावॉट रही। इस मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।'

अनुमान के पार पहुंची डिमांड

इससे पहले मंत्रालय ने इस गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान जताया था। लेकिन गुरुवार को यह इस स्तर के पार पहुंच गई जबकि अभी नौतपा बाकी है। साल के सबसे गर्म 9 दिनों को नौतपा कहा जाता है। इस साल नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक रहेंगे। इस अवधि में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, जिससे तापमान चरम पर पहुंच जाता है और देश के कई हिस्सों में भीषण लू का प्रकोप रहता है। इस दौरान बिजली की मांग चरम पर पहुंचने की आशंका है। बिजली मंत्रालय ने यह भी कहा कि देशभर में मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए घर और दफ्तर को ठंडा रखने के लिए कूलर और एसी के बढ़ते उपयोग से मांग में वृद्धि हुई है। गुरुवार की अधिकतम मांग को पूरा करने में थर्मल एनर्जी का योगदान सबसे अधिक 62.8% रहा। इसके अलावा सौर ऊर्जा का योगदान 22%, पवन ऊर्जा का 5%, जल विद्युत का 5.8% रहा। शेष हिस्सेदारी अन्य स्रोतों की रही।

रोज टूट रहा रेकॉर्ड

मंत्रालय ने कहा कि थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले की उपलब्धता पर्याप्त है और आपूर्ति पर नजर रखी जा रही है। इससे पहले सोमवार से बिजली की अधिकतम मांग 257.37 गीगावॉट तक पहुंच गई थी। वहीं मंगलवार को यह 260.45 गीगावॉट और बुधवार को 265.44 गीगावॉट रही थी। पिछली गर्मियों में जून में बिजली की अधिकतम मांग 242.77 गीगावॉट दर्ज की गई थी, जो सरकार के 277 गीगावॉट के अनुमान से कम रही।

अब नहीं होगी पेट्रोल–डीजल के लिए मारामारी !

भारत ने निकाला होर्मुज का तोड़, केवल 5% रह गई शॉर्टेज

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच भारत के लिए अच्छी खबर है। मई में भारत का कच्चे तेल का आयात अप्रैल की तुलना में 8 फीसदी बढ़ गया है। हालांकि यह फरवरी की तुलना में 5 फीसदी कम है। मई में वेनेजुएला भारत का तीसरा बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है जबकि सऊदी अरब और अमेरिका पीछे खिसक गए हैं।

रूस अब भी भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बना हुआ है जबकि यूएई दूसरे नंबर पर है। वेनेजुएला का तेल हेवी ग्रेड का माना जाता है और सस्ता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और दूसरी कंपनियां जमकर वेनेजुएला से तेल की खरीद कर रही हैं।

एनर्जी कार्गो ट्रैकर केपीएलआर के हवाले से यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक इस महीने भारत ने वेनेजुएला से रोजाना 417,000 बैरल कच्चा तेल मंगाया है जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 283,000 बैरल था। अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था। इसके बाद वेनेजुएला के तेल निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाई गई थीं। भारत ने पिछले महीने वेनेजुएला से तेल की खरीद शुरू की थी।

वेनेजुएला का तेल क्यों है खास?

मई में अब तक भारत का तेल आयात पिछले महीने के मुकाबले 8% बढ़कर रोजाना 4.9 मिलियन बैरल पहुंच गया। हालांकि यह फरवरी की तुलना में अब भी 5 फीसदी कम है। उस महीने भारत ने रोजाना 5.2 मिलियन बैरल कच्चे तेल का आयात किया था। यह ईरान युद्ध से पहले की बात है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई बाधित हुई है। इससे दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है क्योंकि दुनिया का 20 फीसदी तेल यहीं से गुजरता है। केपीएलइआर के लीड एनालिस्ट-रिफाइनिंग निखिल दुबे ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारतीय कंपनियों की वेनेजुएला के तेल में काफी दिलचस्पी रही है क्योंकि इसकी कीमत कम है। वेनेजुएला का तेल खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात में स्थित एडवांस्ड रिफाइनरी को सूट करता है। भारत की बाकी रिफाइनरीज हाई-सल्फर वाले हेवी ग्रेड तेल को कुछ हद तक ही प्रोसेस कर सकती हैं।

सऊदी अरब से आयात भारत ने सात साल बाद ईरान से भी अप्रैल में तेल का आयात शुरू कर दिया था। लेकिन अब वहां से सप्लाई बंद हो चुकी है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है। इस कारण इस महीने अब तक वहां से कोई भी जहाज भारत नहीं आया है। हालांकि इराक से कुछ जहाज इस महीने भारत आए हैं। अप्रैल में वहां से कोई भी जहाज भारत नहीं आया था।

इराक से इस महीने रोजाना भारत को 51,000 बैरल तेल मिला है जबकि फरवरी में यह आंकड़ा 969,000 बैरल थी। ईरान युद्ध से पहले सऊदी अरब भारत का तीसरा बड़ा सप्लायर था। लेकिन महीने वहां से रोजाना 340,000 बैरल कच्चा तेल भारत आया जो पिछले महीने की तुलना में करीब आधा है। अप्रैल में सऊदी अरब से रोजाना 670,000 बैरल तेल मिला था। इसकी वजह यह है कि सऊदी अरब के तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमत आज 1.45 फीसदी तेजी के साथ 104.1 डॉलर प्रति बैरल पर है। हालांकि इंडियन बास्केट 3.07 फीसदी गिरावट के साथ 108.9 डॉलर प्रति बैरल पर है।

वैश्विक शांति और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में गौरवपूर्ण क्षण

हरिद्वार, 22 मई (एजेंसियां)। पंतजलि के आचार्य बालकृष्ण को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आज एक और प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया गया। मुंबई में आयोजित वैश्विक बिलेनियर्स फार पीस कानक्लेव 2026" में उन्हें चैंपियन हेल्थ अवार्ड 2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विश्व शांति, मानवता, स्वास्थ्य सेवा और वैश्विक कल्याण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। आचार्य बालकृष्ण को यह सम्मान ऐसे समय में प्राप्त हुआ है जब आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में अभूतपूर्व स्वीकार्यता मिल रही है।

उन्होंने अपने अनुकरणीय शोध, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैश्विक प्रयासों के माध्यम से आयुर्वेद को केवल पारंपरिक चिकित्सा पद्धति तक सीमित नहीं रहने दिया, अपितु उसे आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान और समग्र स्वास्थ्य के साथ जोड़कर नई दिशा प्रदान की है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति नहीं, अपितु सम्पूर्ण मानवता को संतुलित, निरोग और सकारात्मक जीवन की दिशा प्रदान करने वाला विज्ञान है। आज विश्व जिस मानसिक तनाव, असंतुलित जीवनशैली और स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा है, उसका समाधान प्रकृति और भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है। योग और आयुर्वेद विश्व को केवल रोगमुक्त ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त और संघर्षमुक्त जीवन की दिशा भी प्रदान करते हैं।

आचार्य बालकृष्ण ने वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता, प्राकृतिक चिकित्सा और मानव कल्याण के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है। इस वैश्विक पहल से नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, उद्योगपति, नीति निर्माता, सामाजिक चिंतक और विभिन्न देशों के आध्यात्मिक नेता जुड़े हुए हैं। सम्मेलन में विश्व शांति और मानव कल्याण को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श हुए तथा अनेक अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने भाग लिया। आचार्य बालकृष्ण को मिला यह सम्मान न केवल पतंजलि परिवार के लिए गौरव का विषय है, अपितु यह भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक परंपरा और वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव का परिचायक है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अनुशासन अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं। आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राजस्थान हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

31 जुलाई तक कराएं पंचायत और निकाय चुनाव

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। दिसंबर तक चुनाव टालने की कोशिशों को लगा झटका, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला सुनाते हुए सरकार और निर्वाचन आयोग को दिए सख्त निर्देश। जयपुर। राजस्थान में लंबे समय से लंबित पंचायत और स्थानीय निकाय (निकाय) चुनावों को लेकर आज राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बेहद बड़ा और दूरगामी फैसला सुनाया है। अदालत ने राज्य सरकार की दिसंबर तक चुनाव टालने की मांग को खारिज करते हुए सख्त निर्देश दिया है कि 31 जुलाई, 2026 तक हर हाल में चुनाव संपन्न कराए जाएं। इसके साथ ही, चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण का पेंच सुलझाने के लिए गठित 'ओबीसी आयोग' को आगामी 20 जून तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय-सीमा (डेडलाइन) तय कर दी गई है।

कोर्ट रूम से बड़ी बातें और मुख्य बिंदु : चुनाव टालने की मांग खारिजः राज्य सरकार और संबंधित पक्षों ने प्रशासनिक व अन्य कारणों का हवाला देते हुए चुनावों को इस साल दिसंबर तक टालने की अपील की थी, जिसे कोर्ट ने नामंजूर कर दिया।

11 मई को सुरक्षित हुआ था फैसला : मुख्य पीठ में मैराथन सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने बीते 11 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे आज सार्वजनिक किया गया। ओबीसी आरक्षण पर सख्त रुख : कोर्ट ने साफ किया कि स्थानीय निकायों में ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधित्व और आरक्षण को तय करने की प्रक्रिया में अब और देरी नहीं की जा सकती। आयोग को 20 जून तक अपनी रिपोर्ट हर हाल में देनी होगी।

ओबीसी आयोग को 20 जून की डेडलाइन

अब क्या होंगे सियासी और प्रशासनिक मायने?

प्रशासन पर बढ़ा दबावः > कोर्ट के इस आदेश के बाद अब राज्य निर्वाचन आयोग और प्रशासनिक अमले को युद्ध स्तर पर काम करना होगा। 20 जून को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट आते ही आरक्षण की सीटों का निर्धारण कर जून के आखिरी या जुलाई के पहले सप्ताह में चुनाव की अधिसूचना जारी करनी होगी।

इस फैसले के बाद प्रदेश में एक बार फिर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। लंबे समय से वार्डों और पंचायतों में तैयारी कर रहे स्थानीय नेताओं के लिए जहां यह राहत की खबर है, वहीं प्रशासनिक मशीनरी के लिए बेहद कम समय में पूरी चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शिता से निपटाना एक बड़ी चुनौती होगी। यह एक ब्रेकिंग न्यूज़ है।

तीन राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को होगा चुनाव

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। राज्य की इन तीन सीटों पर 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त होने के बाद ये सीटें खाली हो रही हैं। भाजपा की ओर से 16 मई को आयोजित पार्टी की राज्य कोर कमेटी की बैठक के दौरान संभावित उम्मीदवारों के संबंध में चर्चा हुई। विचार-विमर्श के बाद, समिति ने राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौर और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को केंद्रीय नेतृत्व को अंतिम नामों की सूची भेजने के लिए अधिकृत किया।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, राजस्थान में जातिगत समीकरणों और राजनीतिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भाजपा राज्यसभा की दो सीटों में से एक पर ओबीसी उम्मीदवार उतार सकती है, जबकि दूसरी सीट के लिए प्रत्याशी के नाम पर चर्चा जारी है। वहीं, कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए अभी तक अपने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, फैसले दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि राजस्थान और राष्ट्रीय स्तर के कई नेता पार्टी की एकमात्र संभावित सीट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। हालांकि, अंतिम तस्वीर पार्टी नेतृत्व द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की सूची गठित करने के बाद ही सामने आएगी। राजस्थान विधानसभा में राजनीतिक दलों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, भाजपा को दो सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस एक सीट पर जीत मिलने की संभावना है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर भाजपा तीसरा उम्मीदवार खड़ा नहीं करती है और कांग्रेस दूसरा उम्मीदवार नामित नहीं करती है तो चुनाव निर्विरोध भी हो सकता है।

'जिंदगी भर की मेहनत का फल मिला'

पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित होंगे गफरुद्दीन मेवाती जोगी

अलवर, 22 मई (एजेंसियां)। वाद्य यंत्र भपंग बजाने के लिए गफरुद्दीन मेवाती जोगी को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्हें 25 मई को दिल्ली में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 25 जनवरी को भारत सरकार ने पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी। पद्मश्री मिलने को लेकर उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से इतने वर्षों बाद यह पुरस्कार मिल रहा है, जिससे उन्हें काफी खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें 20-25 साल पहले मिल जाना चाहिए था। वह प्रधानमंत्री मोदी, केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार के बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी भर की मेहनत का फल उन्हें मिला है और इससे वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति को बचाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्हें उम्मीद है कि ऐसा रोजगार मिलता रहे, जिससे वह अपना काम जारी रख सकें और परिवार का पालन-पोषण भी कर सकें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम काफी कम मिलते हैं, जिससे गुजारा नहीं हो पाता। उन्होंने सरकार से इस कला को और बढ़ावा देने की मांग की और कहा कि वह इसके लिए सरकार के आभारी रहेंगे। भपंग वादन के जरिए सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर गफरुद्दीन मेवाती जोगी ने कहा कि मैं डबल इंजन की अपनी सरकार के साथ हूं। भारत सरकार और राजस्थान सरकार की जो जन कल्याणकारी योजनाएं हैं, उसका मैंने प्रचार किया। गांव-गांव जाकर अभी प्रचार कर रहा हूं। राजस्थान सरकार की ग्राम रथ योजना को लेकर उन्होंने कहा कि वह लोगों को तलैया खुदवाने, तारबंदी करवाने, पशुओं का टीकाकरण कराने और जीवन बीमा करवाने जैसी योजनाओं के बारे में बताते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राजस्थान सरकार की योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्हें उम्मीद है कि सरकार से उन्हें भी कुछ सहायता मिलेगी।

उदयपुर में बड़ा हादसा : क्रेशर प्लांट की खान में डूबे पूर्व सरपंच के दो पोते, नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने निकाले शव

उदयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। झीलों की नगरी उदयपुर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र से इस वक्त एक बेहद दुखद और बड़ी खबर सामने आ रही है। क्षेत्र के उमरडा में स्थित अरिहंत क्रेशर प्लांट की पानी से भरी खान में डूबने से पूर्व सरपंच लोगर मीणा के दो चचेरे पोतों की दर्दनाक मौत हो गई है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है और भारी भीड़ जमा हो गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक दीपेंद्र सिंह राठौड़ के आदेश पर तत्काल एक विशेष रेस्क्यू टीम का गठन कर मौके के लिए रवाना किया गया। नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचते ही युद्ध स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया और महज 5 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों ही मासूमों के शवों को गहरी खान से बाहर निकाल लिया। टीम ने दोनों शवों को अग्रिम कार्रवाई के लिए स्थानीय हिरण मगरी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

'5 करोड़ की रंगदारी मांगी'

कारोबारी को आई गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम की धमकी; परिवार में दहशत

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। जयपुर के श्याम नगर थाना इलाके में एक कारोबारी को गैंगस्टर के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। घटना के बाद कारोबारी और उसके परिवार में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कॉल से जुड़े तकनीकी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

विदेशी नंबर से आया व्हाट्सएप कॉल

पुलिस के अनुसार, श्याम नगर निवासी कारोबारी के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 18 मई की दोपहर करीब 4 बजे कारोबारी के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया और 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। आरोपी ने धमकी दी कि अगर तय समय यानी "परसों तक" पैसे नहीं दिए गए तो कारोबारी की हत्या कर दी जाएगी।

परिवार में दहशत, पुलिस से लगाई मदद की गुहार

धमकी मिलने के बाद कारोबारी परिवार घबरा गया और तुरंत श्याम नगर थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। थाना अधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि कॉल और नंबर से जुड़ी तकनीकी जानकारी जुटाने के लिए मेटा को सूचना भेजी गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कॉल इंटरनेट आधारित एप से किया गया था या किसी अन्य तकनीकी माध्यम से विदेशी नंबर दिखाया गया।

फर्जी पहचान और तकनीकी खेल की आशंका

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में कॉल विदेशी नंबर से होना सामने आया है। हालांकि, यह भी संभावना जताई जा रही है कि किसी व्यक्ति ने फर्जी पहचान और तकनीकी साधनों का इस्तेमाल कर कारोबारी को डराने की कोशिश की हो। साइबर टीम और तकनीकी विशेषज्ञ कॉल की लोकेशन, आईपी नेटवर्क और डिजिटल ट्रेल की जांच कर रहे हैं।

राजस्थान शिक्षक भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बनकर बैठा आरोपी गिरफ्तार, एसओजी की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) को एक और बड़ी सफलता मिली है। एसओजी ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा देने वाले 10 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी मनोहरलाल मांजू उर्फ बिश्नोई को गिरफ्तार किया है।

पेपर लीक के बाद दोबारा हुई थी परीक्षा

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी। बाद में पेपर लीक होने के कारण इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद दोबारा परीक्षा 29 जनवरी 2023 को आयोजित कराई गई।

असली अभ्यर्थी की जगह बैठा था डमी कैंडिडेट

एसओजी की जांच में सामने आया कि करौली निवासी अनिल कुमार मीणा ने परीक्षा खुद देने के बजाय अपने स्थान पर डमी परीक्षार्थियों को बैठाकर धोखाधड़ी की थी। इसी फर्जी तरीके से वह वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान) पद पर चयनित भी हो गया था। एसओजी ने अनिल कुमार मीणा को पहले ही 4 सितंबर 2024 को गिरफ्तार कर लिया था।

मध्यस्थ चला रहा था पूरा नेटवर्क

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पूरे फर्जीवाड़े का संचालन मध्यस्थ दर्शन लाल मीणा उर्फ रामप्रकाश मीणा कर रहा था। वही विभिन्न डमी परीक्षार्थियों की व्यवस्था करता था। शुरुआती जांच में एसओजी के पास केवल संदिग्ध लोगों के फोटो थे, जिससे आरोपियों की पहचान करना काफी चुनौतीपूर्ण था। एसओजी की तकनीकी टीम ने उन्नत फोटो मैचिंग तकनीक और डिजिटल विश्लेषण की मदद से आरोपी की पहचान स्थापित की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार शर्मा के नेतृत्व में चल रही जांच के दौरान फरार आरोपी मनोहरलाल मांजू को गिरफ्तार किया गया।

भरतपुर केंद्र पर बनकर बैठा था डमी अभ्यर्थी

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनोहरलाल मांजू ने 29 जनवरी 2023 को भरतपुर स्थित राजकीय महाराजा बदन सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय परीक्षा केंद्र पर डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा दी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि आरोपी वर्तमान में जालोर जिले के रानीवाड़ा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगा की ढाणी सेवाड़ा में अध्यापक लेवल-1 के पद पर कार्यरत था।

कई धाराओं में मामला दर्ज

एसओजी ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम-2022 के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान अन्य डमी परीक्षार्थियों, मध्यस्थों और पूरे संगठित गिरोह से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं। एसओजी लगातार भर्ती परीक्षाओं में धांधली करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। एजेंसी का कहना है कि पूरे गिरोह को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

'पिज्जा' में देरी पर कांस्टेबल का पारा हाई

नशे में धुत 'साहब' ने बीच सड़क पर राहगीरों को पीटा

कोटा, 22 मई (एजेंसियां)। शिक्षा नगरी कोटा से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने खाकी को एक बार फिर शर्मसार कर दिया है। शहर के नयापुरा थाना क्षेत्र स्थित बारां रोड पुलिस लाइन इलाके में बीती रात पुलिस का एक अनोखा और हिंसक रूप देखने को मिला।

यहां एक कॉन्स्टेबल ने शराब के नशे में इस कदर गदर मचाया कि न सिर्फ एक फास्टफूड सेंटर में तोड़फोड़ की, बल्कि बीच सड़क पर जो भी राहगीर सामने आया, उसके साथ भी लात-घूंसे चला दिए। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैलने के बाद, पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आला अधिकारियों ने देर रात ही आरोपी कॉन्स्टेबल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस लाइन क्षेत्र में बारां रोड पर स्थित एक नामी फास्टफूड सेंटर पर कॉन्स्टेबल अजीत खाना खाने पहुंचा था। उसने वहां पिज्जा का ऑर्डर दिया। दुकान पर भीड़ होने के कारण पिज्जा बनने में थोड़ी देर क्या हुई, नशे में डूबे कॉन्स्टेबल साहब का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वर्दी की हनक और शराब के सुरूर में डूबे अजीत ने आव देखा न ताव, सीधे दुकान संचालक के साथ गंदी-गंदी गालियां गलौज शुरू कर दी। जब दुकानदार ने इसका विरोध किया, तो कॉन्स्टेबल ने दुकान में रखे काउंटर और सामान को तहस-नहस करना शुरू कर दिया और मालिक पर टूट पड़ा। पीड़ित दुकान संचालक रामू अग्रवाल ने बताया कि कॉन्स्टेबल पूरी तरह नशे में था। उसने बिना किसी उकसावे के मेरी दुकान में तोड़फोड़ की और मेरे साथ बेरहमी से मारपीट की। दुकान का काफी नुकसान हुआ है।

कान्हा में पांच बाघों की मौत के बाद राजस्थान अलर्ट मोड पर

सरिस्का-रणथंभौर में निगरानी बढ़ी

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) से पांच बाघों की मौत के बाद राजस्थान वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। संक्रमण के खतरे को देखते हुए राज्य के टाइगर रिजर्व और संरक्षित वन क्षेत्रों में निगरानी तथा एहतियाती उपाय तेज कर दिए गए हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार सरिस्का टाइगर रिजर्व और रणथंभौर नेशनल पार्क सहित प्रमुख बाघ अभयारण्यों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इन दोनों संरक्षित क्षेत्रों में फिलहाल 100 से अधिक बाघ मौजूद हैं।

वन विभाग ने जंगलों के आसपास के गांवों में सैनिटाइजेशन अभियान शुरू किया है। साथ ही आवारा कुत्तों के टीकाकरण और स्वच्छता संबंधी उपायों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। विभागीय अधिकारियों ने जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय बढ़ाया है। गांवों और वनकर्मियों के लिए जागरूकता कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्रों में पानी के स्रोतों और वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी बीमार, घायल या मृत जानवर की तुरंत पहचान की जा सके। चिड़ियाघरों और वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में भी स्वच्छता और निगरानी व्यवस्था मजबूत की गई है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने हाल ही में सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर टाइगर रिजर्व के आसपास आवारा कुत्तों के टीकाकरण और इम्यूनाइजेशन बफर जोन बनाने के निर्देश दिए हैं।

इसका उद्देश्य घरेलू जानवरों से वन्यजीवों में संक्रमण फैलने से रोकना है। कैनाइन डिस्टेंपर वायरस एक अत्यंत संक्रामक वायरल बीमारी है, जो आमतौर पर संक्रमित कुत्तों के जरिए फैलती है। यह जानवरों के श्वसन, पाचन और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है और कई मामलों में बड़े मांसाहारी वन्यजीवों के लिए घातक साबित हुई है।

जमानत लेकर रचाई जज से शादी और फिर गई जेल

क्या अब बच पाएगी आरएएस पिंकी मीणा की नौकरी?

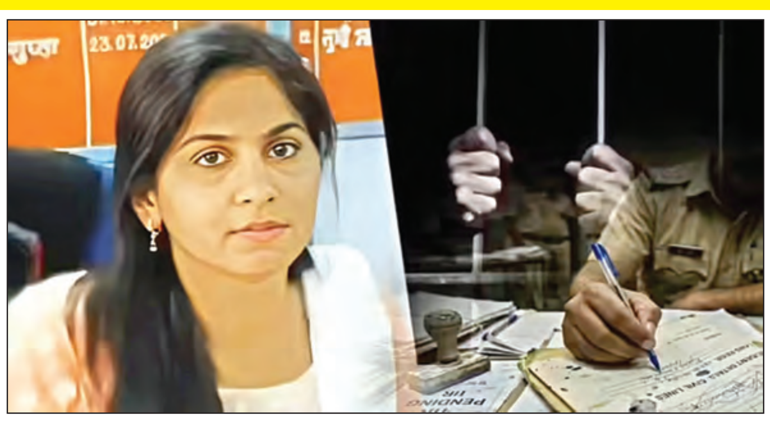

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की महिला आरएएस पिंकी मीणा एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ी गई पिंकी मीणा साढ़े पांच साल तक सस्पेंड रही। अब राजस्थान हाईकोर्ट ने उन्हें राहत प्रदान की है। हाईकोर्ट ने पिंकी मीणा के निलंबन पर स्टे लगा दिया है। ऐसे में वे एक बार फिर नौकरी में आ गई हैं। हालांकि वे बहाल हो गई हैं लेकिन भ्रष्टाचार के मामले का केस चलेगा। अगर वे दोषी पाई जाती हैं तो नौकरी मुश्किल में पड़ सकती है।

10 दिन की जमानत लेकर जज से रचाई शादी

वर्ष 2017 बैच की आरएएस अफसर पिंकी मीणा वर्ष 2021 में दौसा जिले की बांदीकुई में एसडीएम के पद पर कार्यरत थी। आरोप है कि वहां रहते हुए वह 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी में ट्रेप हुई। जनवरी 2021 में गिरफ्तार होकर जेल गई। बाद में शादी के लिए उन्होंने कोर्ट से अंतरिम जमानत की अर्जी लगाई। कोर्ट ने शादी के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। 16 फरवरी 2021 को पिंकी मीणा ने आरजेएस नरेंद्र सिंह के साथ शादी की। शादी के बाद उन्हें फिर से जेल जाना पड़ा। पहली पोस्टिंग में ही ट्रेप हुई थी पिंकी मीणा आरएएस पिंकी मीणा की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद पहली पोस्टिंग बांदीकुई एसडीएम के तौर पर हुई थी। आरोप है कि पहली ही पोस्टिंग के दौरान वे रिश्वत लेते हुए एसीबी टीम के हत्थे चढ़ गई। पिंकी के ट्रेप होते ही राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी हतप्रभ रह गई। पिंकी मीणा के साथ दौसा एसडीएम पुष्कर मित्तल भी 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुए थे। चूंकि पुष्कर मित्तल पूर्व में बहाल हो चुके। ऐसे में पिंकी मीणा के वकील की ओर से यही दलील दी गई कि जब पुष्कर मित्तल बहाल हो गए तो पिंकी मीणा क्यों नहीं। दोनों का एक ही केस है। इस दलील पर हाईकोर्ट ने पिंकी मीणा का निलंबन भी रद्द कर दिया।

यहां समझें क्या है पूरा मामला

राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने रिश्वत मामले में निलंबित आरएएस अधिकारी पिंकी मीणा के सस्पेंशन ऑर्डर पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसी मामले के दूसरे सह-आरोपी आरएएस अधिकारी पुष्कर मित्तल के निलंबन पर हाईकोर्ट पहले ही रोक लगा चुका है, और पिंकी मीणा का मामला उनसे अलग नहीं है।

अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता 15 जनवरी 2021 से (लगातार 5 साल) निलंबित हैं और उन्हें विभागीय चार्जशीट देने में इतना लंबा वक्त लगाया गया।

कोर्ट ने नोट किया कि निलंबन समीक्षा समिति भी पिंकी मीणा का सस्पेंशन लगातार जारी रखने का कोई ठोस कारण नहीं बता सकी।

दोनों सह-आरोपियों के बीच कानूनी समानता बनाए रखने के उद्देश्य से हाईकोर्ट ने पिंकी मीणा को अंतरिम राहत प्रदान की है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे निर्माण कंपनी से ली थी रिश्वत

पांच साल पहले दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की ओर से शिकायत की गई थी। दोनों एसडीएम अधिकारियों पर आरोप था कि वे रिश्वत की मांग कर रहे हैं। रिश्वत नहीं देने पर निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद एसीबी एक्टिव हुई। 13 जनवरी 2021 को एसीबी ने एसडीएम पिंकी मीणा और पुष्कर मित्तल को गिरफ्तार किया। इस रिश्वत कांड में तत्कालीन दौसा एसपी मनीष अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया गया था। इन अधिकारियों के खिलाफ अब भ्रष्टाचार का केस चलता रहेगा। बरी होने के लिए लंबी और कठोर लड़ाई लड़नी होगी।

तेलंगाना पुलिस का शानदार प्रदर्शन, डीजीपी ने की सराहना

भारतीय पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस क्लस्टर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में तेलंगाना पुलिस के बैडमिंटन और टेबल टेनिस खिलाड़ियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

यह सम्मान समारोह उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 9 से 13 मई 2026 तक आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (जीओ एवं एनजीओ) 2025-26 में तेलंगाना पुलिस के शानदार प्रदर्शन के बाद आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस ने कुल 12 पदक (1 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य) जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। बैडमिंटन स्पर्धा में प्रशिक्षु डीएसपी निहारिका पुरोहित तथा प्रशिक्षु डीएसपी पी. लतीफा आशा ने महिला युगल (जीओ ओपन) में स्वर्ण पदक जीता।

पी. लतीफा आशा ने महिला एकल तथा मिश्रित युगल में भी रजत पदक हासिल किए। मिश्रित युगल में उनके साथ एसीपी कोठकिशन राव ने भाग लिया। 45+ पुरुष युगल में एसीपी माचा श्रीनिवास राव (ग्रेहाउंड्स) और एसीपी पेंडीयाला श्रीनिवास (नारकोटिक्स, हैदराबाद) ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक वर्ग में एसीपी देविन धनलक्ष्मी और एसीपी माचा श्रीनिवास राव ने 45+ मिश्रित युगल में कांस्य पदक प्राप्त किया। 40+ मिश्रित युगल में एसीपी पी. काशी रेड्डी और डीएसपी वशमशेट्टी माधवी ने कांस्य पदक जीता। 45+ महिला एकल में एसीपी डी. प्रसन्ना लक्ष्मी तथा ओपन महिला एकल में निहारिका पुरोहित ने भी कांस्य पदक हासिल किया।

टेबल टेनिस स्पर्धा में एसीपी कटा हरि प्रसाद और डीएसपी वशमशेट्टी माधवी ने 50+ मिश्रित युगल में रजत पदक जीता। 40+ मिश्रित युगल में वशमशेट्टी माधवी और डीएसपी जी. राजू ने कांस्य पदक प्राप्त किया। एनजीओ 50+ मिश्रित युगल में एसआई नंदला साई प्रसाद और वशमशेट्टी माधवी ने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि सीआईडी आरओ करीमनगर की महिला कर्मी करंगुला पद्मा और पल्लि उमा रानी ने महिला युगल में कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर पुलिस खेल विभाग के आईजी डॉ. गजाराव भूपाल, कोच ए. अशोक, टीम मैनेजर जी. नरसिम्हा रेड्डी (डीसीपी), डीआरवी रामाराव (डीएसपी) तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही भविष्य सिटी कमिश्नरेट के इंस्पेक्टर बी. जेम्स बाबू, जिन्होंने भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय शूटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था, भी उपस्थित रहे। डीजीपी सी.वी. आनंद ने सभी पदक विजेताओं, कोचों, खेल अधिकारियों एवं टीम मैनेजरों को सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर तेलंगाना पुलिस का गौरव बढ़ाया है।

विवाहित महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली, हत्या की आशंका

खम्मम, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तिरुमलयापलेम मंडल के गोल थंडा गांव में शुक्रवार को एक विवाहित महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया। मृतका की पहचान मीनाक्षी (30) के रूप में हुई है। बताया गया कि मीनाक्षी ने लगभग 12 वर्ष पूर्व अपने ही गांव निवासी शिवाजी से प्रेम विवाह किया था। दंपति के दो पुत्र हैं।

परिजनों के अनुसार पति के किसी अन्य महिला से कथित संबंध को लेकर दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार को भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। महिला के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने आशंका जताई है कि उसकी हत्या गला घोंटकर की गई और घटना को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। मृतका के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

यादगिरिगुट्टा मंदिर बना तेलंगाना की आध्यात्मिक पहचान

आय 243 करोड़ रुपये के पार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुनर्निर्माण के बाद यादगिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर तेलंगाना की नई आध्यात्मिक पहचान बनकर उभरा है। मार्च 2022 में पुनः उद्घाटन के बाद से मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और अब यह राज्य के सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले मंदिरों में शामिल हो गया है। मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला, विशाल मूर्तियों और आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां प्रतिदिन लगभग 25 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जबकि सप्ताहांत, अवकाश और शुभ अवसरों पर यह संख्या 50 हजार तक पहुंच जाती है। गर्मियों की छुट्टियों में पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं।

मंदिर प्रशासन के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में मंदिर की आय में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 में मंदिर की सकल आय बढ़कर 243 करोड़ रुपये से अधिक हो गई, जबकि कर योग्य आय लगभग 99 करोड़ रुपये रही। अधिकारियों का कहना है कि मंदिर के पुनर्निर्माण से केवल धार्मिक पर्यटन को ही बढ़ावा नहीं मिला, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ पहुंचा है। छोटे व्यापारियों, होटल संचालकों, भोजनालयों, परिवहन सेवाओं और अचल संपत्ति कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंदिर प्रशासन का मानना है कि यदागिरिगुट्टा का विकास तेलंगाना में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने के साथ हजारों परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

प्रोफेसर के. नागेश्वर पर दर्ज मुकदमों की सीपीआई ने की निंदा

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के वरिष्ठ नेता एवं विधायक कुनामनेनी सांबाशिवा राव ने आंध्र प्रदेश में राजनीतिक मामलों के अध्येता प्रो. के. नागेश्वर के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मुकदमों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत तथा पूर्णतः अनुचित बताया। शुक्रवार को जारी अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि प्रोफेसर नागेश्वर वर्षों से सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विषयों पर जनजागरण का कार्य करते आ रहे हैं। उन्हें किसी दल विशेष के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाले प्रबुद्ध चिंतक के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रोफेसर नागेश्वर अपने हालिया वक्तव्य पर स्पष्टीकरण दे चुके हैं तथा यह स्वीकार करते हुए अपनी टिप्पणी वापस ले चुके हैं कि कुछ राजनीतिक दलों ने उनके कथनों का गलत अर्थ निकाला। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्लेषकों, बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा व्यक्त विचारों का उत्तर संवाद और वैचारिक चर्चा से दिया जाना चाहिए, न कि आपराधिक मुकदमे दर्ज कर। उन्होंने संबंधित राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यकर्ताओं को प्रोफेसर नागेश्वर के विरुद्ध दर्ज मुकदमे वापस लेने का निर्देश दें।

केंद्रीय बैंक द्वारा 150 करोड़ रुपये के खुदरा ऋण स्वीकृत

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीबीआई ने हैदराबाद में एक विशाल खुदरा ऋण संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत अभियान अवधि में 150 करोड़ रुपये के खुदरा ऋण स्वीकृत किए गए। इनमें सिद्धांततः स्वीकृत ऋण भी शामिल हैं। स्वीकृत राशि में से 75 करोड़ रुपये का तत्काल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें महाप्रबंधक ए.डी. श्रीनिवास, क्षेत्रीय प्रमुख एम. पिचैया तथा प्रादेशिक प्रमुख गजेंद्र सिंह चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वाहन एवं अचल संपत्ति क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक अधिकारियों ने कहा कि आवास, स्वर्ण तथा वाहन ऋणों पर बैंक द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक ब्याज दरें उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने इसका श्रेय बैंक की मजबूत चालू एवं बचत जमा आधार तथा सुदृढ़ तरलता स्थिति को दिया। बैंक ने इस अवसर पर जैन बिल्डर्स के साथ निर्माण क्षेत्र संबंधी सहभागिता स्वीकृति भी प्रदान की। वहीं वाहन विक्रेताओं में सेलेक्ट कार्स, मलिक ऑटो वर्ल्ड तथा प्रोस्पर किया मोटर्स के साथ सहभागिता समझौते किए गए। अभियान के दौरान ग्राहकों ने शाखा अधिकारियों द्वारा दिए गए सक्रिय एवं ग्राहक हितैषी सहयोग की सराहना की।

माता-पिता से दुर्व्यवहार करने पर पुत्र को 60 दिन की कारावास की सजा

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा क्षेत्र में अपने वृद्ध माता-पिता को प्रताड़ित करने और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप में एक व्यक्ति को स्थानीय न्यायालय ने 60 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 50 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। पुलिस के अनुसार निजी क्षेत्र में कार्यरत जी. श्रीनिवास (44) लंबे समय से अपने बुजुर्ग माता-पिता को परेशान कर रहा था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर माता-पिता ने हाल ही में नारायणगुडा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के आधार पर नगर पुलिस अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी श्रीनिवास को उसके व्यवहार को लेकर चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट जारी रखी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वृद्ध माता-पिता को प्रताड़ित करने अथवा उन्हें असहाय छोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी का भंडाफोड़, चार लोग हिरासत में

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले आईपीएल मुकाबले से पहले पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एलबी नगर विशेष अभियान दल ने कार्रवाई करते हुए उन लोगों को पकड़ा, जो कथित रूप से मुफ्त में प्राप्त टिकटों को ऊंची कीमतों पर बेच रहे थे। बाद में सभी संदिग्धों को आगे की जांच के लिए उप्पल पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया गया कि मैच के सभी 39 हजार टिकट टिकट बिक्री अनुप्रयोग पर मात्र तीन मिनट के भीतर बिक गए थे, जिसके बाद क्रिकेट प्रेमियों के बीच संदेह पैदा हुआ। पुलिस को आशंका है कि कालाबाजारी करने वाले गिरोह ने पहले से बड़ी संख्या में टिकट खरीद लिए थे और बाद में उन्हें अत्यधिक मूल्य पर बेचने की योजना बनाई।

पुलिस अब मुफ्त टिकटों के स्रोत की जांच कर रही है तथा इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि साइबर ठग नकली टिकट बिक्री अनुप्रयोग और जाली टिकटों के माध्यम से क्रिकेट प्रेमियों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार पर किसानों को धोखा देने का आरोप : एलेटी महेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने राज्य सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों की स्थिति बेहद खराब है।

उन्होंने आरोप लगाया कि छह मौसमों की मेहनत से उगाई गई फसल को भी किसान सही ढंग से बेच नहीं पा रहे हैं और बिचौलियों के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर बेमौसम बारिश हो रही है और दूसरी ओर आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच धान और मक्का खरीद केंद्रों की स्थिति भी ठीक नहीं है। लारी, गन्नी बैग और अन्य व्यवस्थाओं की कमी के कारण किसान परेशान हैं। एलेटी महेश्वर रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में सभी फसलों की खरीद का वादा किया था, लेकिन आज स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रति एकड़ 7,500 रुपये किसान सहायता राशि देने का वादा भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्रों में एक बोरी पर 4 किलो अतिरिक्त कटौती की जा रही है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। मक्का की पूरी तरह खरीद नहीं हो रही है और ज्वार खरीद केंद्र भी शुरू नहीं किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने 80 प्रतिशत खरीद पूरी होने की बात कही थी। भाजपा नेता ने दावा किया कि राज्य में अब तक केवल 24 प्रतिशत धान की खरीद हुई है।

उन्होंने घोषणा की कि भाजपा के विधायक और एमएलसी सोमवार से राज्यभर में खरीद केंद्रों का दौरा करेंगे और वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी किसानों की समस्याओं को लेकर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यूरिया से लेकर गन्नी बैग तक हर स्तर पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने सरकार से इस पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की।

अनियंत्रित कार स्टील बैरियर से टकराई, एक व्यक्ति की मृत्यु

सिद्दिपेट, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुकुनुरपल्ली मंडल के तिप्पराम गांव के निकट शुक्रवार को एक कार सड़क किनारे लगे स्टील बैरियर से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान तिप्पराम निवासी बुर्रा प्रशांत गौड़ (40) के रूप में हुई है। बताया गया कि वह दो अन्य लोगों के साथ कार से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार सड़क किनारे लगे स्टील बैरियर से जा टकराई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल प्रशांत को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान लगभग एक घंटे बाद उनकी मृत्यु हो गई। अन्य दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं।

तेलंगाना शिक्षा आयोग के अध्यक्ष अकुनूरी मुरली ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घटना सामने आई है। राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अकुनूरी मुरली ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपना त्यागपत्र मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को सौंप दिया। तेलंगाना सरकार ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुधारने के उद्देश्य से शिक्षा आयोग का गठन किया था तथा अकुनूरी मुरली को उसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हालांकि कार्यकाल समाप्त होने से चार माह पूर्व उनके अचानक इस्तीफा देने से राजनीतिक तथा शैक्षिक क्षेत्रों में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। मुख्य सचिव को भेजे गए अपने त्यागपत्र में अकुनूरी मुरली ने कहा कि उन्होंने शिक्षा आयोग के अध्यक्ष के रूप में सौंपे गए दायित्वों और कार्यों को पूरा कर लिया है। उन्होंने बताया कि जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के बाद उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। अकुनूरी मुरली लंबे समय से सरकारी विद्यालयों को सशक्त बनाने तथा राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधारों के लिए सरकार को अनेक सुझाव भी दिए थे। हालांकि उनके सक्रिय कार्यकाल के दौरान दिए गए इस्तीफे को लेकर अब कई प्रश्न उठने लगे हैं। राजनीतिक और शैक्षिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि क्या केवल दायित्वों की पूर्ति ही इस्तीफे का कारण है या इसके पीछे कोई अन्य आंतरिक कारण भी हैं। अब सभी की निगाहें राज्य सरकार की आगामी प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

एक दिवसीय इंटरैक्टिव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंक फेडरेशन लिमिटेड ने सदस्य बैंकों के उन कर्मचारियों के लाभ के लिए 'गोल्ड लोन (मंजूरी और वितरण)' पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जो विशेष रूप से गोल्ड लोन के क्षेत्र में काम करते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों को सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर की जाने वाली धोखाधड़ी को रोकने तथा गोल्ड लोन देते समय बरती जाने वाली अन्य सामान्य सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। फेडरेशन के उपाध्यक्ष और अग्रसेन बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने विभिन्न बैंकों से आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री से मिले लंबाड़ी जनप्रतिनिधि

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ए. रेवंत रेड्डी से शुक्रवार को जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर लंबाड़ी समुदाय के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने लंबाड़ी समाज के आध्यात्मिक गुरु संत श्री सेवालाल महाराज के नाम पर संत सेवालाल निगम गठित करने की मांग की।

प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग को अलग करते हुए अनुसूचित जनजाति आयोग को स्वतंत्र एवं विशेष दर्जा प्रदान करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री से मिलने वालों में सांसद बलराम नायक, सरकारी सचेतक रामचंद्रु नायक, विधायक मुरली नायक, रामदास नायक, विधान परिषद सदस्य शंकर नायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य रामुलु नायक, अच्चमपेट विधायक वंशीकृष्ण तथा तेलंगाना जनजातीय विकास वित्त निगम के अध्यक्ष बेल्लैया नायक प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुलिस का सामाजिक रूप से संवेदनशील होना अत्यंत आवश्यक : राज्यपाल

तेलंगाना पुलिस अकादमी का 40वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी ने शुक्रवार को अपना 40वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। हैदराबाद स्थित अकादमी परिसर में आयोजित समापन समारोह में शिव प्रताप शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल ने अकादमी की चार दशक की यात्रा को अनुशासन, समर्पण, देशभक्ति और संस्थागत उत्कृष्टता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस अकादमियां केवल व्यावसायिक प्रशिक्षण देने वाली संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि वे चरित्र निर्माण, संवैधानिक मूल्यों और लोकसेवा की भावना विकसित करने का कार्य भी करती हैं।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अपराधों के बढ़ते स्वरूप को देखते हुए पुलिस कर्मियों का तकनीकी रूप से दक्ष, विधिक रूप से जागरूक और सामाजिक रूप से संवेदनशील होना अत्यंत आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना पुलिस ने शी टीम्स, एकीकृत नियंत्रण एवं कमान प्रणाली, साइबर अपराध रोकथाम तथा सामुदायिक पुलिस व्यवस्था जैसी पहलों के माध्यम से नागरिक केंद्रित पुलिस व्यवस्था का राष्ट्रीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने योगः कर्मसु कौशलम् का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिस वर्दी केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, सेवा और जवाबदेही का दायित्व भी है। समारोह में पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश पुलिस अकादमी तथा आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी के कई पूर्व निदेशक और वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी भी उपस्थित रहे। अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्ट ने कहा कि अकादमी की चार दशक की प्रगति विभिन्न पीढ़ियों के नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्थाएं छोटी दौड़ नहीं, बल्कि लंबी रिले दौड़ की तरह होती हैं।

उन्होंने बताया कि अकादमी ने दक्षता आधारित एवं अनुसंधान केंद्रित प्रशिक्षण प्रणाली को अपनाया है, ताकि पुलिस अधिकारियों को बदलती चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा सके। अकादमी ने साइबर सुरक्षा, व्यवहार विज्ञान तथा डिजिटल जांच जैसे क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए यूनिसेफ, आईआईआईटी हैदराबाद, जेएनटीयू हैदराबाद तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित किया है। अकादमी के प्रथम निदेशक सी. अंजनेय रेड्डी ने संस्थान के शुरुआती वर्षों को याद करते हुए युवा अधिकारियों से तकनीकी नवाचार और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने का आह्वान किया। तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताएं, साइबर जागरूकता एवं मादक पदार्थ विरोधी जनजागरूकता कार्यक्रम तथा थैलेसीमिया एवं सिकल सेल सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। चार दशक पूर्ण होने के अवसर पर अकादमी ने आधुनिक, मानवीय और भविष्य उन्मुख पुलिस बल तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कंपनी के कर्मचारी पर 7.90 करोड़ रुपये के गबन का आरोप, जांच शुरू

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोथुर क्षेत्र स्थित आरएम कन्वर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड में करोड़ों रुपये के वित्तीय गबन का मामला सामने आया है। कंपनी के एक कर्मचारी पर आरोप है कि उसने लगभग 7.90 करोड़ रुपये कंपनी के खातों से अपने निजी बैंक खाते में स्थानांतरित कर लिए। शादनगर की पुलिस उपायुक्त सिरिशा राघवेंद्र के अनुसार, कंपनी प्रबंधन ने धन के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर कोथुर पुलिस ने जांच प्रारंभ की। जांच में पता चला कि कंपनी में लेखा विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत लक्ष्मण नामक कर्मचारी ने कथित रूप से यह गबन किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अलग-अलग समय पर धोखाधड़ीपूर्ण लेनदेन के माध्यम से कंपनी के बैंक खातों से करीब 7.90 करोड़ रुपये अपने निजी खाते में स्थानांतरित किए। पुलिस अब धनराशि के उपयोग और लेनदेन की पूरी शृंखला की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस वित्तीय अनियमितता में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं।

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-SrDME-WAT-337-2026
कार्य का नाम : कोचिंग डिपो विशाखापट्टणम में SS-I शेड्यूल के दौरान अपर गियर पर गहन ध्यान।
कार्य की अनुमानित लागत (₹) : 1,96,34,867.00, EMD (₹) : 3,92,700.00, पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।
निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक - 10.06.2026 को 1500 बजे.
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।
सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर, वाल्टियर
PR-176/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गिल और सुदर्शन ने की कोहली-डिविलियर्स की बराबरी

> आईपीएल में 10वीं बार सेंचुरी पार्टनरशिप > एक सीजन में 34 छक्के खाने का रिकॉर्ड भी बना

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हरा दिया। यह चेन्नई की आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी हार रही। मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहली विकेट के लिए 10वीं बार शतकीय साझेदारी की। अंशुल कंबोज के नाम एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने का अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ।

दिग्गजों के क्लब में पहुंची युवा भारतीय जोड़ी

गुजरात के ओपनर्स गिल और सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की। इन दोनों ने टी-20 में 10वीं बार 100 या इससे रनों की साझेदारी की है।

टी-20 क्रिकेट में इससे पहले विराट कोहली-एबी डिविलियर्स, बाबर आजम-मोहम्मद रिजवान और क्रिस गेल-कोहली ही 10 बार सेंचुरी पार्टनरशिप कर पाए हैं। गिल और सुदर्शन की ओपनिंग जोड़ी ने मेंस टी-20 क्रिकेट में सबसे कम 46 पारियों में 10वीं शतकीय साझेदारी की। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ 125 रन जोड़े। क्रिस गेल और विराट कोहली की जोड़ी 63 पारियों में 10 सेंचुरी पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर है।

गिल ने टी-20 में 6 हजार रन पूरे किए

गिल ने मेंस टी-20 क्रिकेट में 6 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 185 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। गिल सबसे तेज 6 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर हैं। क्रिस गेल 162 पारियों के साथ पहले नंबर पर हैं।

आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे सफल ओपनिंग जोड़ी

आईपीएल में बतौर ओपनिंग जोड़ी सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में गिल और सुदर्शन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दोनों ने 1942 रन जोड़े हैं। उन्होंने विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस की जोड़ी को पीछे छोड़ा। डेविड वॉर्नर और शिखर धवन 2220 रन के साथ टॉप पर हैं।

गिल-सुदर्शन ने लगातार दूसरे सीजन 600+ रन बनाए

गिल और सुदर्शन ने आईपीएल के लगातार दूसरे सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ फिफ्टी लगाई। गुजरात के ओपनर्स ने 2025 में भी 600 से ज्यादा रन बनाए थे। लगातार सबसे ज्यादा सीजन यह आंकड़ा पार करने वालों में क्रिस गेल, डेविड वार्नर, केएल राहुल और विराट कोहली शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने लगातार 3 सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए थे।

सुदर्शन ने लगातार पांचवीं फिफ्टी लगाई सुदर्शन ने आईपीएल 2026 में लगातार 5वीं फिफ्टी लगाई। चेन्नई के खिलाफ उन्होंने 84 रन बनाए। सुदर्शन यह कीर्तिमान हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग, जोस बटलर और डेविड वॉर्नर लगातार 5-5 फिफ्टी लगा चुके हैं।

कंबोज ने एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स दिए

कंबोज आईपीएल में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के देने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनकी गेंदों पर इस सीजन 34 छक्के लगे हैं। इस लिस्ट में गुजरात के राशिद खान 33 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

सिराज ने पारी की पहली गेंद पर विकेट लिया

मोहम्मद सिराज ने चेन्नई की पहली गेंद पर ही संजू सैमसन को कैच आउट कराया। वे पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गुजरात के दूसरे गेंदबाज बने। उनसे पहले मोहम्मद शमी यह कारनामा दो बार कर चुके हैं। शमी ने 2022 में केएल राहुल और 2023 में फिल सॉल्ट को पहली गेंद पर आउट किया था।

चेन्नई की आईपीएल में सबसे बड़ी हार

गुजरात से मिली 89 रन की हार चेन्नई की आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले 2013 में मुंबई ने उसे 60 रन से हराया था।

गुजरात ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की

गुजरात की 89 रन की जीत आईपीएल इतिहास में रन के लिहाज से टीम की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम की सबसे बड़ी जीत इसी साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 82 रन की थी।

साई सुदर्शन के पास ऑरेंज कैप

गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके 14 मैचों में 638 रन हो गए हैं। दूसरे नंबर पर गुजरात के ही कप्तान शुभमन गिल हैं, जिन्होंने 13 मैच में 616 रन है। तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने 13 मैच में 579 रन बनाए हैं।

सुदर्शन बोले-चेन्नई की बस देखने सड़क पर खड़ा रहता था

> आज उनके खिलाफ खेलना खास शुभमन गिल को बताया मास्टरमाइंड

स्पोर्ट्स डेस्क, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने बताया कि एक समय ऐसा था, जब वह सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स की टीम बस देखने के लिए स्कूल के बाहर सड़क पर खड़े रहते थे। आज आईपीएल में गुजरात का मुकाबला चेन्नई से होना है।

मैच से पहले सुदर्शन ने जियोस्टार से बातचीत में अपनी भावनाएं साझा कीं। सुदर्शन ने कहा, क्रीज पर समय बिताना हमेशा खास होता है, खासकर जब मैं चेन्नई के खिलाफ खेलता हूं। चाहे कुछ भी कहा जाए, चेन्नई के साथ मेरा एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। मैं चेन्नई को खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं। उन्होंने आगे कहा, हम स्कूल के पास सड़क पर सिर्फ उनकी टीम बस को गुजरते देखने के लिए खड़े हो जाया करते थे। वो यादें आज भी बेहद खास हैं। भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे चेन्नई के खिलाफ कुछ यादगार पारियां खेलने का मौका मिला। सुदर्शन ने मई 2023 के आईपीएल फाइनल में चेन्नई के खिलाफ 96 रन बनाए थे।

यह उस सीजन की सबसे यादगार पारियों में गिनी जाती है। इसके बाद 2024 में सुदर्शन ने इसी टीम के खिलाफ अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। यह उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना गया।

सीएसके के कप्तान ऋतुराज पर लगा 24 लाख का जुर्माना

> अन्य खिलाड़ियों की भी मैच फीस कटी

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख का जुर्माना लगा है। ऋतुराज पर यह जुर्माना सीएसके द्वारा गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में धीमी ओवर गति के कारण लगा है। जीटी के खिलाफ सीएसके को 89 रनों से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2026 में यह दूसरा मौका रहा, जब सीएसके की टीम निर्धारित समय पर अपने 20 ओवर फेंकने में नाकाम रही है। इसी कारण कप्तान ऋतुराज के साथ-साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल सीएसके के बाकी खिलाड़ियों पर भी 6 लाख या मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है, जिसमें इम्पैक्ट खिलाड़ी भी शामिल है। सीएसके और कप्तान ऋतुराज को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 का दोषी पाया गया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 229 रन लगाए। साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टीम को शानादर शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 12.2 ओवर में 125 रन जोड़े।

सुदर्शन ने 53 गेंदों का सामना करते हुए 84 रनों की दमदार पारी खेली। सुदर्शन ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, शुभमन गिल ने 37 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 64 रनों का योगदान दिया। जोस बटलर ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए महज 27 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। हालांकि, 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की पूरी टीम सिर्फ 140 रन बनाकर ढेर हो गई। संजू सैमसन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, तो ऋतुराज गायकवाड़ 16 रन ही बना सके। वहीं, मैथ्यू शॉर्ट ने 14 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, स्वीटी कुजूर बनीं कप्तान

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को महिला अंडर-18 एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। यह टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक जापान के काकामिगाहारा में खेला जाना है। स्वीटी कुजूर के हाथों में टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारतीय टीम भोपाल में नेशनल कैंप में कई हफ्तों की तैयारी के बाद टूर्नामेंट में उतर रही है, जहां रानी रामपाल की अगवाई वाले कोचिंग स्टाफ ने कॉम्बिनेशन बनाने, मैच फिटनेस सुधारने और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया।

अंडर-18 एशिया कप टीम का स्क्वॉड

गोलकीपर: महक परिहार, खिली कुमारी

डिफेंडर: सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रुबीना बक्सला, किरण एक्का, सुलोचनी

मिडफील्डर: श्रुति कुमारी, दीया, स्नेहा दावड़े, रश्मिन कौर, नम्मी गीताश्री, पुष्पा मांझी

फॉरवर्ड: नौशीन नाज, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नैन्सी सरोहा

गुजरात का क्वालिफायर-1 खेलना पक्का

चेन्नई प्लेऑफ से बाहर होने वाली तीसरी टीम, सुदर्शन ने वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हरा दिया। इसके साथ ही चेन्नई प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। उसके 14 मैच में 6 जीत के साथ 12 पॉइंट्स ही हुए। वहीं, गुजरात ने पहला प्लेऑफ यानी क्वालिफायर-1 खेलना पक्का कर लिया है।

गुजरात के 14 मैचों में 18 पॉइंट्स हो गए हैं। इससे यह तय हो गया कि गुजरात टॉप-2 से नीचे नहीं आएगी। आज बेंगलुरु का सामना हैदराबाद से होगा। अगर बेंगलुरु जीतती है तो वह क्वालिफायर-1 में गुजरात से खेलेगी। अगर हैदराबाद बहुत बड़े अंतर से जीतती है तो बेहतर नेट रन रेट के आधार पर टॉप-2 में आ सकती है। दोनों ही स्थिति में गुजरात का टॉप-2 में रहना पक्का है।

यहां से ऐसा नहीं हो सकता है कि दो टीमों के गुजरात से ज्यादा पॉइंट हो जाएं। अगर हैदराबाद जीतती भी तो तीन टीमों-गुजरात, बेंगलुरु और हैदराबाद के 18-18 पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में बेंगलुरु और हैदराबाद में से किसी एक का नेट रन रेट गुजरात से कम जरूर होगा। क्योंकि, आज एक का नेट रन रेट बढ़ेगा तो दूसरे का गिरेगा।

बेंगलुरु को बड़ी हार से बचना होगा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 पॉइंट्स और +1.065 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। ज्यादा उम्मीद है कि टीम क्वालिफायर-1 में गुजरात से खेलेगी। दूसरी ओर अगर हैदराबाद 88 रनों से जीत हासिल कर लेती है तो वह टॉप पहुंच जाएगी और बेंगलुरु तीसरे स्थान पर फिसल जाएगी। वहीं, अगर हैदराबाद बाद में बैटिंग करती है तो उसे 150 के आस-पास का टारगेट करीब 11 ओवर में टारगेट चेज करना होगा।

पंजाब और कोलकाता की उम्मीदें बरकरार

पंजाब किंग्स (13 अंक) और कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) के साथ पांचवें और छठे स्थान पर मौजूद हैं। चेन्नई के बाहर होने से इन दोनों टीमों की प्लेऑफ की रेस और दिलचस्प हो गई है। दोनों टीमों को अपने आखिरी मैचों में न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि राजस्थान रॉयल्स की हार की दुआ भी करनी होगी।

राजस्थान रॉयल्स जीती तो प्लेऑफ खेलेगी

राजस्थान 13 मैचों में 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उसके लिए प्लेऑफ का समीकरण सीधा है। उसे 24 मई को होने वाले अपने आखिरी लीग मैच में जीत दर्ज करनी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा देगी।

विश्वकप से पहले कंगाली में पाकिस्तान हॉकी टीम

खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा पैसा 1000 रुपये भत्ते पर मचा बवाल

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। एक तरफ पाकिस्तान हॉकी टीम एफआईएच विश्व कप और प्रो लीग की तैयारियों में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ खिलाड़ियों की आर्थिक बदहाली ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) की पोल खोलकर रख दी है। हालात इतने खराब हैं कि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी अपने ही बोर्ड से बकाया रकम और दैनिक भत्ते की गुहार लगा रहे हैं। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने विदेशी दौरों के लिए खिलाड़ियों और अधिकारियों को 110 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन देने का एलान तो कर दिया, लेकिन खिलाड़ियों का कहना है कि उन्हें अब तक पुराने बकाये तक नहीं मिले हैं। ऊपर से ट्रेनिंग कैंप का दैनिक भत्ता 3000 पाकिस्तानी रुपये से घटाकर सिर्फ 1000 रुपये कर दिया गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 1000 रुपये रोजाना में एक खिलाड़ी क्या तैयारी करेगा। खिलाड़ियों के मुताबिक यह रकम राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सीधा अपमान है। एक खिलाड़ी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, पीएचएफ पहले भी बड़े-बड़े वादे करता रहा है, लेकिन भुगतान कभी समय पर नहीं हुआ। अब 110 डॉलर देने की बात कही जा रही है, लेकिन भरोसा तभी होगा जब पैसा हाथ में आएगा।'

एशियाई खेलों में विनेश फोगाट को नहीं किया गया शामिल

> दिल्ली एचसी ने डब्ल्यूएफआई को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार (22 मई) को पहलवान विनेश फोगाट को बड़ी राहत देते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि उनके मामले की जांच और मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई जाए. अदालत ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विनेश 2026 एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा ले सकें.

साथ ही कोर्ट ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया को फटकार लगाते हुए पूछा कि आखिर विनेश को घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए "अयोग्य" क्यों घोषित किया गया. सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने साफ कहा कि खिलाड़ियों और संघ के बीच चल रहे विवाद का असर खेल पर नहीं पड़ना चाहिए. अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि चाहे किसी भी तरह का मतभेद हो, लेकिन कुश्ती और खिलाड़ियों के हित सबसे ऊपर होने चाहिए. कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारतीय कुश्ती में पिछले कुछ समय से लगातार विवाद चल रहे हैं और कई खिलाड़ी संघ के फैसलों पर सवाल उठा चुके हैं. इससे पहले सोमवार को हाई कोर्ट ने विनेश फोगाट को 30 और 31 मई को होने वाले एशियन गेम्स चयन ट्रायल में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था. न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की पीठ ने तब कहा था कि चूंकि विनेश को पहले ही घरेलू टूर्नामेंट खेलने के लिए अयोग्य घोषित किया जा चुका है, इसलिए फिलहाल कोई अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती. विनेश ने अदालत में डब्ल्यूएफआई की चयन नीति और 9 मई के नोटिस को चुनौती दी थी. डब्ल्यूएफआई ने 9 मई को जारी नोटिस में विनेश फोगाट को 26 जून तक घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से रोक दिया था. इसमें नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट भी शामिल था. महासंघ का आरोप है कि विनेश ने अनुशासनहीनता की और एंटी-डोपिंग नियमों का पालन नहीं किया. डब्ल्यूएफआई का कहना है कि संन्यास के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ियों को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के तहत छह महीने पहले नोटिस देना जरूरी होता है।

बाबर आजम और हारिस रऊफ की एंट्री, रिजवान बाहर

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए पाकिस्तान की वनडे टीम का ऐलान

नई दिल्ली: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शाहीन अफरीदी के हाथों में टीम की कमान सौंपी गई है। कंगारू टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए कई स्टार खिलाड़ियों की वापसी हुई है। बाबर आजम , शादाब खान, नसीम शाह और हारिस रऊफ को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में पाकिस्तान टीम का हिस्सा नहीं रहे सूफियान मुकीम को भी टीम में जगह दी गई है।

पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में खेल चुके अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर को पहली बार वनडे टीम में भी मौका दिया गया है। पीसीबी के बयान के अनुसार, बीमारी की वजह से उस्मान खान सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे। मुहम्मद गाजी घोरी और नजीर को दो विकेटकीपर के तौर पर टीम में रखा गया है। पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को ट्रेनिंग कैंप के लिए इस्लामाबाद में एकजुट होगी। पूरी तरह से फिट न होने की वजह से फखर जमां और सैम अयूब चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और वह पीसीबी की मेडिकल टीम की निगरानी में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर दिग्गज ने दी बड़ी चेतावनी

उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर से करना बंद कर दें

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान सचिन तेंदुलकर से कर उन पर बोझ न डाला जाए।

कार्तिक ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी के सामने आने वाली चुनौतियां बिल्कुल अलग होंगी। दिनेश कार्तिक ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'वैभव जो कर रहा है, वह बहुत खास है। लेकिन मैं लोगों से यह नहीं चाहता कि वे उसे 'अगला सचिन' कहना शुरू कर दें। वह अभी सिर्फ 15 साल का है और इस उम्र में ऐसा शानदार प्रदर्शन कर रहा है। मेरा मानना है कि सचिन ने जो किया था, वह असाधारण था। वैभव के सामने आने वाली चुनौतियां बिल्कुल अलग होंगी।' कार्तिक ने कहा, 'सचिन के सामने जितनी चुनौतियां मैदान पर थीं, उतनी ही मैदान के बाहर भी थीं। वैभव के सामने आने वाली चुनौतियां निश्चित रूप से मैदान के बाहर ज्यादा होंगी। उसके पास क्रिकेट के हुनर की कोई कमी नहीं है।

उसे तो खेल के बाहर की चीजों से निपटना सीखना होगा।' 2008 से लेकर 2026 तक आईपीएल में हुए बदलावों पर चर्चा करते हुए कार्तिक ने कहा, 'आईपीएल अपनी शुरुआत से लेकर आज जिस मुकाम पर है वह पूरी तरह से एक अलग ही रूप ले चुका है।

पीओसीएसओ मामले में सरकार पर केटी रामाराव का हमला

केंद्रीय मंत्री से इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने पीओसीएसओ प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी को बचाने के लिए मिलीभगत की गई तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय मंत्री को तत्काल पद से इस्तीफा देना चाहिए। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में रामाराव ने कहा कि आरोपी नौ दिनों तक फरार रहा, ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि उसे किसने संरक्षण दिया और वह कहां छिपा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी केंद्रीय मंत्री का पुत्र होने के कारण पुलिस ने मामले में ढिलाई बरती।

उन्होंने कहा कि यदि यही मामला किसी सामान्य व्यक्ति से जुड़ा होता तो पुलिस का रवैया अलग होता। रामाराव ने पीड़ित परिवार को कथित रूप से धमकाने के आरोपों का उल्लेख करते हुए पूछा कि इस संबंध में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने पुलिस महानिदेशक के उस स्पष्टीकरण पर भी सवाल उठाया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के कारण मामले के पंजीकरण में विलंब होने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि बड़े कार्यक्रमों के दौरान अपराधियों को खुली छूट मिल जाती है। रामाराव ने तेलंगाना उच्च न्यायालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण ही आरोपी ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी पक्ष के बयानों में विरोधाभास है, क्योंकि एक ओर आत्मसमर्पण की बात कही जा रही है, जबकि दूसरी ओर पुलिस गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है तथा महिलाओं और बालिकाओं का न्याय व्यवस्था से विश्वास उठता जा रहा है। साथ ही उन्होंने जातीय गणना, आरक्षण तथा अन्य मुद्दों पर भी राज्य सरकार को घेरा और कहा कि उनकी पार्टी किसानों, पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं से जुड़े विषयों पर संघर्ष जारी रखेगी।

तेलंगाना की प्रगति के दोहरे इंजन हैं कल्याण और विकास : उप-मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं, आर्थिक आत्मनिर्भरता, फ्यूचर सिटी निर्माण, महिला सशक्तिकरण तथा मूसी नदी पुनर्जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क शुक्रवार को हैदराबाद स्थित महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में आयोजित 49वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वित्त एवं योजना सचिव गौरव उप्पल, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय मोहन तथा भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक निलेश द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहित सरकार वर्ष 2047 तक तेलंगाना को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में बैंक जमा राशि लगभग 9.43 लाख करोड़ रुपये तथा ऋण वितरण 12.34 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। तेलंगाना का ऋण-जमा अनुपात 130.78 प्रतिशत होना राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 1,65,297 करोड़ रुपये के कृषि ऋण लक्ष्य के मुकाबले बैंकों ने 1,68,401 करोड़ रुपये के ऋण वितरित कर 101.88 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने किसानों, दुग्ध उत्पादकों, मछुआरों तथा संबद्ध क्षेत्रों को सहयोग देने के लिए बैंकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक राज्यों में शामिल है। बैंकों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के साथ-साथ महिला, दलित और आदिवासी उद्यमियों को अधिक ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उप-मुख्यमंत्री ने शिक्षा ऋण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अपील करते हुए कहा कि छात्र ऋण युवाओं के भविष्य में निवेश के समान हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह साबित किया है कि कल्याण और विकास दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जहां राष्ट्रीय औसत विकास दर 8.2 प्रतिशत है, वहीं तेलंगाना की विकास दर 10.7 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 2.1 लाख रुपये के मुकाबले तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख रुपये तक पहुंच गई है, जिससे राज्य देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

राज्य के सभी खेल मैदानों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास : रेड्डी

यूथ फॉर क्लीन तेलंगाना कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सभी खेल मैदानों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए तेलंगाना खेल प्राधिकरण निरंतर प्रयास कर रहा है। यह बात खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी ने कही। राज्य में चल रहे खेल एवं युवा सप्ताह के तहत आज सर्व एंड सपोर्ट-यूथ फॉर क्लीन तेलंगाना कार्यक्रम का राज्यभर में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी जिलों में युवा एवं खेल विभाग के तत्वावधान में स्टेडियमों में स्वच्छता एवं हरित अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुए। मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया, जिसमें युवा, खिलाड़ी एवं अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी की। इसी क्रम में हैदराबाद के विभिन्न स्टेडियमों-जीएमसीबी स्टेडियम, केवीबीआर इंडोर स्टेडियम, सरूरनगर इंडोर स्टेडियम, जिमखाना मैदान तथा साइक्लिंग वेलोड्रोम स्टेडियम में भी स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एलबी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी तथा प्रबंध निदेशक डॉ. सोनी बालादेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी ने कहा कि खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, प्रशिक्षकों और स्टाफ को मैदानों एवं खेल परिसरों को स्वच्छ रखना चाहिए तथा सभी स्टेडियमों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को उच्च प्राथमिकता दे रही है और प्रजा पालन-प्रगति योजना के अंतर्गत युवा एवं खेल सप्ताह का आयोजन कर जनता की सहभागिता से योजनाबद्ध विकास किया जा रहा है। तेलंगाना खेल प्राधिकरण की प्रबंध निदेशक डॉ.ए. सोनी बालादेवी ने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे राज्य में सफलतापूर्वक चल रहा है और युवाओं, खिलाड़ियों, अभिभावकों सहित समाज के सभी वर्गों से इसे व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ मैदानों को स्वच्छ रखना अनुशासन और समर्पण की भावना को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अनिता, उप-निदेशक रवीतेजा, सुजाता, श्रीनिवास, स्टेडियम प्रशासक रविकुमार तथा पीआरओ कालेरू सुरेश सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

सुझावों और मांगों पर होगी आवश्यक कार्रवाई : संतोष कुमार वर्मा

दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल की 74वीं डीआरयूसीसी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल में 74वीं मंडलीय रेलवे उपभोक्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक गुरुवार को हैदराबाद भवन स्थित डीआरएम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा ने की। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक डी.एस. रामाराव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं सचिव डॉ. अनिरुद्ध पामर सहित मंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्तमान समिति की यह चौथी बैठक थी, जिसमें नामित 18 सदस्यों में से 10 सदस्य शामिल हुए। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक की उपलब्धियों तथा अप्रैल एवं मई 2026 में किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने हैदराबाद मंडल में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं तथा अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर प्रगति की स्थिति से सदस्यों को अवगत कराया। इसके अलावा यात्री सुविधाओं से जुड़े पूर्ण हो चुके कार्यों एवं प्रगति पर चल रहे कार्यों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। समिति सदस्यों ने मंडल द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित स्टेशनों पर चल रहे कार्यों की सराहना की।

सदस्यों ने नई ट्रेनों की शुरूआत, विभिन्न ट्रेनों के ठहराव, विशेष ट्रेनों के संचालन तथा लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी यात्री सुविधाओं की व्यवस्था संबंधी सुझाव एवं मांगें भी रखीं। मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनके सुझावों और मांगों पर प्रचलित नियमों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी निवेश योजना के नाम पर 77 लाख रुपये की ठगी

एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल थाना पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक कारोबार में भारी लाभ दिलाने का झांसा देकर एक व्यवसायी से 77.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान चंदन सिंह के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने इलेक्ट्रॉनिक व्यापार में निवेश कराने और अधिक मुनाफा दिलाने का विश्वास दिलाकर शिकायतकर्ता से किस्तों में 77 लाख रुपये से अधिक की राशि ले ली। रकम लेने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस को संदेह है कि आरोपी हवाला लेनदेन में भी शामिल रहा है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मामले में दो अन्य आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है।

डिप्टी कलेक्टर पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप

एसीबी की कई ठिकानों पर छापेमारी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को मेडचल के डिप्टी कलेक्टर वामसी मोहन से जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी की। अधिकारी पर अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। एसीबी की टीमों ने मेडचल और रंगा रेड्डी जिलों में एक साथ आठ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान अधिकारियों को अब्दुल्लापुरमेट और पिगलीपुर क्षेत्र में करीब आठ एकड़ जमीन की जानकारी मिली, जो कथित तौर पर डिप्टी कलेक्टर के ससुर के नाम पर दर्ज बताई गई है। बाद में इस जमीन को विकास कार्य के लिए एक रियल एस्टेट कारोबारी को सौंपे जाने की बात सामने आई है। जांच में यह भी पता चला कि रियल एस्टेट कारोबारी ने कथित रूप से उपहार विलेख के जरिए डिप्टी कलेक्टर को 10 भूखंड हस्तांतरित किए थे। एसीबी फिलहाल संपत्तियों, वित्तीय लेन-देन और अन्य संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

करीमनगर ग्रेनाइट उद्योग में जीएसटी अनियमितता उजागर

करोड़ों रुपये की कर चोरी का मामला

करीमनगर, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के ग्रेनाइट उद्योग में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के बाद अब वस्तु एवं सेवा कर से जुड़ी बड़ी अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में करोड़ों रुपये के ग्रेनाइट निर्यात में कर चोरी किए जाने का खुलासा हुआ है। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय के अधिकारियों ने फर्जी अभिलेखों के माध्यम से ग्रेनाइट परिवहन और निर्यात करने वाली एक कथित एजेंसी के संचालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। आरोप है कि एजेंसी ने फर्जी बिल और ई-वे बिल तैयार कर लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य का ग्रेनाइट विभिन्न स्थानों पर भेजा तथा करीब 16.96 करोड़ रुपये के जीएसटी भुगतान से बचने का प्रयास किया।

जांच में सामने आया कि फर्जी एजेंसी के नाम पर ई-वे बिल जारी किए गए, लेकिन उनका विवरण जीएसटी अभिलेखों में दर्ज नहीं किया गया। अधिकारियों ने एजेंसी के साथ कई अन्य ग्रेनाइट इकाइयों में भी जांच की। डीजीजीआई के अनुसार आरोपी ने अपनी पत्नी के मोबाइल नंबर का उपयोग कर फर्जी बिल तैयार किए तथा एजेंसी के पंजीकरण के लिए अपने मित्र के पैन और आधार संख्या का उपयोग किया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ग्रेनाइट सिंडिकेट की गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। अधिकारियों ने सेरिलिंगमपल्ली और घाटकेसर क्षेत्रों में अवैध रूप से भेजे जा रहे ग्रेनाइट को जब्त किया है, जबकि ग्रेनाइट स्लैब ले जा रहे वाहनों को प्रागनापुर में रोका गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है और शीघ्र ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के मामले में ग्रेनाइट इकाइयों पर 749 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है।

पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं को अपनाना समय की आवश्यकता : गोपालकृष्णन

जल संचयन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, सिकंदराबाद मंडल द्वारा संचालन भवन में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण तथा रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषयों पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष संध्या गोपालकृष्णन विशिष्ट अतिथि रहीं। अपने संबोधन में डॉ.आर. गोपालकृष्णन ने कहा कि रेलवे संचालन एवं स्टेशन प्रबंधन में पर्यावरण अनुकूल और सतत व्यवस्थाओं को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण तथा वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन, जनसेवा को अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने के महत्वपूर्ण आधार हैं। संध्या गोपालकृष्णन ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता तथा व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने दीर्घकालिक पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में केंद्रीय भूजल बोर्ड, हैदराबाद के डॉ. किरण कुमार ने वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण, भूजल स्तर सुधार तथा सार्वजनिक एवं संस्थागत परिसरों में व्यावहारिक पुनर्भरण उपाय अपनाने की आवश्यकता बताई। द्वितीय सत्र में बेलगावी स्थित अमूल्य बूंद फाउंडेशन की डॉ. आरती भंडारे ने रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण, जैविक खाद निर्माण तथा वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए स्वच्छ एवं टिकाऊ रेलवे परिसरों के निर्माण पर जोर दिया। कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल के अधिकारी तथा महिला कल्याण संगठन के सदस्य उपस्थित रहे। संगोष्ठी के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता, संसाधन संरक्षण और सतत विकास के प्रति दक्षिण मध्य रेलवे एवं महिला कल्याण संगठन की संयुक्त प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

धान खरीद में देरी पर बीआरएस ने सरकार को चेताया

निर्णय नहीं हुआ तो प्रदेशभर में आंदोलन

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने राज्य सरकार से मांग की है कि शनिवार को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक में कृषि संकट तथा धान खरीद में हो रही देरी को प्रमुख विषय बनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो उनकी पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन करेगी। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में रामाराव ने कहा कि प्रदेश के किसान पिछले 45 दिनों से भीषण गर्मी में अपनी उपज की खरीद का इंतजार कर रहे हैं, किन्तु सरकार उनकी समस्याओं की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने मांग की कि नमी अथवा रंग परिवर्तन वाले धान सहित सभी लंबित भंडार की बिना किसी शर्त के खरीद की जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार द्वारा बताए जा रहे खरीद के आंकड़े वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। उनका दावा है कि अब तक 30 प्रतिशत से भी कम धान की खरीद हुई है। रामाराव ने कहा कि खरीद केंद्रों पर बोरे, रस्सियां, तिरपाल तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खरीद प्रक्रिया में विलंब कर रही है, ताकि किसान अपनी उपज कम मूल्य पर निजी व्यापारियों को बेचने के लिए विवश हो जाएं। उन्होंने कहा कि यदि मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के हित में ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो भारत राष्ट्र समिति प्रदेशभर में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

ऐतिहासिक मेदक किले के जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये मंजूर

मेदक, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक मेदक किले के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए जिला प्रशासन ने 10 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कहा कि किले को विकसित कर जिले में पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा तथा पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला मुख्यालय के निकट स्थित मेदक किला काकतीय और कुतुबशाही काल की ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह किला अपनी प्राचीन स्थापत्य शैली, विशाल द्वारों, तोपों की व्यवस्था और पहाड़ी क्षेत्र से दिखाई देने वाले मनोरम दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। विशेष सचिव ए. वाणी प्रसाद के निर्देश पर विरासत विभाग के निदेशक प्रोफेसर अर्जुन राव तथा पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने कलेक्टर से मुलाकात कर किले के संरक्षण और विकास का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। योजना के प्रथम चरण में शौचालय, पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा किले के इतिहास से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

दूसरे चरण में किले तक रज्जुमार्ग बनाने तथा संग्रहालय अथवा व्याख्या केंद्र स्थापित करने की योजना है। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय से भी आर्थिक सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कहा कि पोचारम बांध, पोचारम वन्यजीव अभयारण्य, मेदक किला, मेदक गिरजाघर, कुलचारम का जैन मंदिर तथा एडुपयाला स्थित श्री वनदुर्गा भवानी मंदिर को जोड़ते हुए एक पर्यटन परिपथ विकसित किया जाएगा, जिससे जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

तेज बारिश और आंधी से किसानों को भारी नुकसान

कई स्थानों पर मवेशियों की मौत

महबूबनगर, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में गुरुवार रात तेज आंधी और भारी वर्षा ने किसानों तथा पशुपालकों को भारी नुकसान पहुंचाया।

कई गांवों में मकान और पशुशालाएं क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि कुछ लोग घायल भी हुए। जोगुलम्बा गडवाल जिले के मनवापाडु मंडल में तेज हवाओं और गरज के साथ हुई वर्षा से पेद्दा अमुद्यालपाडु और जल्लापुर गांवों में व्यापक नुकसान हुआ। जल्लापुर गांव में बोया एर्राना का मकान तेज हवाओं के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। मकान की छत गिरने से एर्राना और उनका पुत्र अंजी घायल हो गए। पेद्दा अमुद्यालपाडु गांव में किसान डेविड की पशुशाला भी तेज हवाओं में पूरी तरह नष्ट हो गई। टीन की छत उड़कर गिर गई, हालांकि उस समय मवेशी बाहर होने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

वहीं नागरकुर्नूल जिले के नादिमपल्ली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से तीन गायों की मृत्यु हो गई। दूसरी ओर अचमपेट कृषि बाजार में रखे मक्के के भंडार असमय हुई बारिश में भीग गए और कई स्थानों पर बह गए। किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से खरीद प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण उनकी उपज खुले में पड़ी रही। किसानों ने सरकार से भीगी हुई मक्का की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने तथा नुकसान की भरपाई के लिए सहायता देने की मांग की है।

भीषण गर्मी से सूखा केएलएन यादव पार्क का जलाशय, हरियाली पर संकट

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण सनथ नगर स्थित प्रसिद्ध केएलएन यादव पार्क का जलाशय लगभग पूरी तरह सूख गया है। कभी पानी से भरा रहने वाला यह जलाशय अब शैवाल, खरपतवार और कचरे से भर गया है, जिससे पार्क की हरियाली पर भी संकट गहरा गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व केंद्र सरकार की वर्षा जल संरक्षण योजना 'अमृत 2.0' के अंतर्गत इस जलाशय को एक महत्वपूर्ण परियोजना के लिए चुना गया था। इसके तहत ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान के सहयोग से वर्षा जल संरक्षण और शहरी बाढ़ नियंत्रण के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की थी।

परियोजना के अंतर्गत केएलएन यादव पार्क सहित शहर के पांच पार्कों का चयन किया गया था। वर्तमान में जलाशय का अधिकांश भाग सूख चुका है और जहां थोड़ा बहुत पानी बचा है, वहां शैवाल जम गए हैं।

पार्क क्षेत्र में स्थित बोरवेल और कुएं, जिनमें पहले वर्षभर पानी रहता था, अब लगभग सूख चुके हैं। पार्क के प्रभारी माली के अनुसार जलाशय की खराब स्थिति का असर पेड़-पौधों और पूरे उद्यान की हरियाली पर पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जलाशय को दोबारा भरने के लिए कम से कम एक महीने तक लगातार वर्षा की आवश्यकता होगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.